मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास
आशीष अनचिन्हार

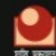


शशि प्रकाशन
गाँव-कालिकापुर, पो. लक्ष्मीनियाँ,
वाया-बलुआ बाजार,
जिला-सुपौल-854339 (बिहार)

मूल्य : ₹ 150/-



मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास   आशीष अनचिन्हार



शशि प्रकाशन

मैथिली आ मिथिलासँ संबंधित किछु मुख्य साइट:- आन लिंकक विषयमे सूचना editorial.staff.videha@gmail.com केँ ई मेलसँ पठाबी।

http://www.videha.co.in/ ("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)
http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाइ २००४)
http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक प्राचीनतम उपस्थिति/ मैथिलीक पहिल ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर, ५ जुलाइ २००४)
भालसरिक गाछ जे सन २००० सँ याहूसिटीजपर छल http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html, http://www.geocities.com/gajendrathakur [illegible] लिंकपर आ अखनो ५ जुलाइ २००४ क पोस्ट http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html (किछु दिन लेल http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html लिंकपर, स्रोत wayback machine of https://web.archive.org/web/[illegible] 8 capture(s) from 2004 to [illegible] http://videha.com/ भालसरिक गाछ-प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर) केर रूपमे इंटरनेटपर मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितिक रूपमे विद्यमान अछि। ई मैथिलीक पहिल इंटरनेट पत्रिका थिक जकर नाम बादमे १ जनवरी २००८ सँ "विदेह" पड़लै। इंटरनेटपर मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचल अछि,जे http://www.videha.co.in/ पर ई प्रकाशित होइत अछि। आब "[illegible]" जालवृत्त 'विदेह' ई-पत्रिकाक प्रवक्ताक संग मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटरक रूपमे प्रयुक्त भऽ रहल अछि। विदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA पल्लवमिथिला (धीरेन्द्र प्रेमर्षि) २०५९ माघे संक्रान्ति- २००३ [illegible] मैथिलीक दोसर [illegible] www.pallavmithila.mainpage.net पर छल मुदा आब ई [illegible] अछि। ई टिप्पणी मात्र इतिहास [illegible]

http://videha-aggregator.[illegible] (मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर)
http://www.videha.com/ (इंटरनेटपर मैथिली भाषाक [illegible] उपलब्ध उपस्थिति/ लोकप्रिय ब्लॉग- मैथिली भाषा ब्लॉगक एग्रीगेटर ५ जुलाइ २००४ www.gajendrathakur.blogspot.com)
http://esamaad.blogspot.com/ (पुनम मंडल आ प्रियंका झाक पहिल मैथिली न्यूज पोर्टल, १ अगस्त २००४ सँ)
http://prakarantar.blogspot.com/ (प्रकरांतर मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, फरबरी २००५)
http://vidyapati.blogspot.com/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)
http://www.vidyapati.org/ (मैथिलीक लोकप्रिय ब्लॉग, अगस्त २००५)
http://hellomithila.blogspot.com/ (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, ३ मइ २००६)
http://pallav.blogsome.com/ (हेलो मिथिला- धीरेन्द्र प्रेमर्षि, सम्पादक-प्रकाशक, रूपा झा, सम्पादन सहयोग, पल्लव, मैथिली साहित्यिक, १७ मइ २००६)
http://hellomithilaa.blogspot.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)
http://www.hellomithila.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)
http://shampadak.wordpress.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)
http://www.esamaad.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)
http://hellomithilaa.wordpress.com/
http://premarshi.wordpress.com/ (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार

आवरण चित्र: ओम गजेन्द्र ठाकुर

"A History of Maithili Web Journalism" by Ashish Anchinhar (in Maithili Language-

अनुक्रम

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार

समर्पण

1

सिरजनहारकेँ

2

‘अकासी, इंटरनेटी' सन उपेक्षित बोल सुनियो कऽ जे सभ इंटरनेटपर मैथिलीकेँ स्थापित करैत रहलाह ...

3

जे वर्तमानमे इंटरनेटपर सार्थक काज कऽ रहल छथि...

4

जे भविष्यमे इंटरनेटपर सार्थक काज करताह...

अध्याय-1

एहि पोथीक सम्बन्धमे किछु तकनीकी गप्प

1) जँ अहाँ ई पोथी केर PDF पढ़ि रहल छी तँ कोनो शब्द वा पाँति अंडरलाइनमे नीला वा कोनो रंगक देखाए तँ बुझि लिअ जे ओहिमे लिंक देल गेल छै रेफरेंस लेल आ तकरा क्लिक करबै तँ ओ लिंक खुजि जाएत। कोनो-कोनो फोटोमे सेहो लिंक देल गेल छै। एकर माने जे तर्क आ सबूत दुन्नू एकै ठाम पाठक देखि सकै छथि। मुदा प्रिंटमे प्रकाशित पोथीमे ई सुविधा नै रहत।

2) वेब पत्रकारिताकेँ Web journalism, Digital journalism, Netizen journalism, E-journalism एवं Online journalism केर नामसँ सेहो जानल जाइत छै। समग्र रूपमे एखन धरि मैथिली वेब पत्रकारिताकपर कोनो पोथी नै आएल छल आ ताहि संदर्भमे एहि विषयक ई पहिल पोथी अछि। पत्रिकाक आलेख रूपमे कतेको वेब संबंधी आलेख आबि चुकल अछि। अंतिका पत्रिकाक "अंतर्जाल विशेषांक" सेहो आएल अछि जकर अंक संयुक्तांक रूपमे अक्टूबर-दिसम्बर 2009, जनवरी-मार्च 2010 मे प्रकाशित भेल रहै। एकर अतिरिक्त मणिकांत झाजी संपादनमे आ विद्यापति सेवा संस्थान, दरभंगासँ प्रकाशित पोथी "सोशल मीडिया" प्राप्त भेल अछि जे कि वर्ष 2016 मे प्रकाशित भेल अछि। एहि पोथीक संपादकीय हिसाबें विद्यापति सेवा संस्थान, दरभंगा द्वारा आयोजित 44म मिथिला विभूति पर्व समारोहमे आयोजित सेमिनार "सोशल मीडियाक विविध आयाम" केर लेख सभकेँ समेटि ई पोथी बनल अछि मुदा एहि पोथीक अधिकांश आलेख पढ़ि ई

अनुभव होइत अछि जे ई लेख सभ ओहन लोक लिखने छथि जे कि रिटायरमेंटक बाद फेसबुक माध्यमसँ जुड़लाह। आ निश्चित रूपसँ तँइ अधिकांश लेख काँच रहि गेल अछि। प्रायः सभ आलेख सोशल मीडियाक नीक-बेजाए केर सुइपर जा कऽ अटकि गेल अछि। आ किछु आलेखमे फल्लाँ बर्खमे कतेक यूजर फेसबुक वा ह्वाट्सएप केर छल सेहो देल अछि। मुदा आब पाठक जाहि मनःस्थितिमे अछि ताहिमे ई तथ्य सभ कम नै बहुते कम छै। किछु आलेख अंग्रेजीमे अछि मुदा तथ्य ओतबे अछि। संपादन एकटा कला छै। बहुत लोक (संपादक पढ़ी) कहै छथि जे आलेख भेटल आ हम ओकरा प्रकाशित केलहुँ लेखमे की तथ्य छै से लेखक जानथि बात सही मुदा कोन लेखकसँ कोन विषयपर लिखाबी इएह भेलै संपादन कला। जे किछु हो मुदा एहि पोथीक उल्लेख करब जरूरी छल एहिठाम। हमर प्रस्तुत पोथी एहि विषयपर पहिल पोथी हेबाक कारणे एकर रूप अति लघु अछि। मैथिलीमे 100 पन्नाक पोथीपर जोर रहै छै पुरस्कारक नियम हिसाबें आ ताही लेल विषयसँ हटि कऽ सेहो तथ्य देबाक बाध्यता भऽ जाइत मुदा हमरा लग पुरस्कारक बाध्यता नै अछि तँइ हमर एहि पोथीमे वेब पत्रकारितापर छोड़ि आन विषय भेटबे नै करत। एहि पोथीक किछु अंश सभ आलेख रूपमे पत्रिका सभमे प्रकाशित भेल अछि। ओहि आलेख सभमे जे गलती बुझाएल तकरा एहि पोथीमे संशोधित केलहुँ।

3) नवम्बर 2012 मे हम 'विदेहक वेब पत्रकारिताक विशेषांक' केर घोषणा फेसबुकपर केने रहियै आ ओकर जे टापिक बनेने रहियै से देशक कोनो विकसित भाषाक समकक्ष रहै। मुदा ओहि समयमे की एखनो एहि टापिकपर लीखए बला नै छथि। बादमे हम अपने एहि लिस्टमेसँ किछु टापिकपर लिखलहुँ आ तकरा अइ पोथीक प्रारंभिक रूप मानू। अही सामग्रीमेसँ किछु सामग्री विकीपीडिया पेज "इन्टरनेटक संसारमे मैथिली भाषा"पर देलेहुँ। एहि विकिपीडिया पेजक लिंक ई अछि--

https://mai.wikipedia.org/s/s6h आ विदेहक 313म अंक 1 जनवरी 2021 कैं अही सामग्रीसँ पत्रकारिता विशेषांक प्रकाशित केलहुँ।

← Ashish Anchinhar 

 **Ashish Anchinhar** ···

5 Nov 2012 •

विदेह बहुत किछु करैत एला, बहुत किछु करत मुदा एखन हम जाहि विषयपर विदेहसँ आसा लगेने छी ओ थिक विदहेक कोनो एकटा अंक (२०१३ केर मार्च-अप्रिलमे, वा ताहिसँ पहिने जँ मैटर आबि जाइ तँ) बेब पत्रिकारिता विशेषांक केर रूपमे रहए। एखन हम विषय दए रहल छी जिनका जाहिपर रूचि चढ़ए ताहिपर लीखू आ संपादक जीकेँ पठा दिऔन्ह। ओना किछुए आलेख मैथिली बेब पत्रिकारितापर अछि जँ अहाँ सभ सहयोग करबै तँ विदेह ऐमे आगू आएत-----। ई विषय एना अछि--------

1) मीडिया - भेद आ प्रभेद
2) विभिन्न मीडियाक माँझ बेब पत्रकारिता
3) बदलैत समयमे बेब मीडिया
4) बेब मीडिया आ मैथिली
5) मैथिलीकेँ विकासमे बेब मीडियाक योगदान
6) भारतमे इंटरनेटक विकास
7) बेब मीडिया आ सोशल नेटवर्किंग साइट
8) लोकतंत्र आ बेबमीडिया
9) सर्वहारा बनाम ब्राम्हणवादः बेबमीडियाक संदर्भमे
10) बेबमीडिया आ प्रवासी मैथिल
11) मैथिली ब्लागिंग, साइट स्थिति आ संभावना
12) इंटरनेरटमे मैथिलीक वर्तमान स्थिति

 Write a comment...  

← Ashish Anchinhar 

13) मैथिली भाषाक विकाससँ जुड़ल तकनीक आ संभावना
14) प्रौद्योगिकी सापेक्ष विकास यात्राः मैथिली आ नेट
15) ब्लागिंग आ व्यगतिगत पत्रकारिता
16) इंटरनेट (ब्लाग आ साइट) केर माध्यमसँ होइत शोध कार्य
17) मैथिलीक बेब पत्रकारिता
18) मैथिलीक ब्लाग आ ई पत्रिका
19) मैथिलीक अध्ययन आ अध्ययापनमे इंटरनेटक भूमिका
20) मैथिली भाषासँ जुड़ल साफ्टवेयर
21) मैथिली टाइपिंगसँ जुड़ल साफ्टवेयर आ ओकर संभावना
22) बेब मीडिया समाजिक सरोकार आ व्यवसायक रुपमे
23) सोशल नेटवर्किंग केर इतिहास
24) बेब मीडिया आ अभिव्यक्ति केर दुरुपयोग
25) बेबमीडिया सरकारी नियंत्रणमे
26) बेब मीडिया स्वतंत्रता बनाम स्वच्छंदता
27) बेब मीडियाक माध्यमे उपल्बध मैथिली पोथी
28) बेब मीडिया आ कापीराइट
29) मैथिली बेब मीडिया आ रोजगार
30) मैथिलीकेँ विश्व भाषा बनेबामे बेबमीडियाक योगदान
31) भारतक बदलैत शिक्षा पद्धति आ इंटरनेट
32) समाजिक न्याय आ बेबमीडिया
33) युवा आ बेबमीडिया
34) बेब मीडियाक सिद्धांत आ बेबहार

ई विषय सभहँक लेल हम अविनाश वाचास्पति जीक अभारी छी। सभ प्रबुद्ध मैथिली पाठक आ लेखकसँ आग्रह जे ओ ऐमेसँ अपन पसंदीदा विषयपर आलेख पठाबथि।

 Write a comment...  

4) एहि पोथीमे जे मैथिली वेब पत्रकारिताकक प्रारंभिक स्वरूप फड़िछाएल गेल अछि से विदेहक अंक 230 (15/7/2017)मे "कतेक रास बात" इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि" केर शीर्षकसँ प्रकाशित भेल अछि।

5) इंटरनेटक बहुत रूप छै जेना वेबसाइट, ब्लाग, पोर्टल, ह्वाट्सएप आ अन्य सोशल मीडिया। कियो कहता जे वेबसाइट रूपमे हमर पहिल अछि तँ कियो कहता ब्लाग रूपमे हमर पहिल अछि मुदा ई पोथी हम इंटरनेटपर फोकस केने छी ओकर कोनो खास रूपपर नै। तँइ हमरा नजरिमे जे तारीखक हिसाबसँ पहिल हेतै तकरे पहिल मानल जेतै चाहे ओ वेबसाइट

रूपमे हो कि ब्लाग रूपमे कि पोर्टल सहित आन कोनो रूपमे। एहन तँ नै छै जे ब्लागपर देलासँ न्यूज नै रहै छै आ पोर्टलपर देलासँ न्यूज बनि जाइत छै। माध्यम कोनो हो ओकर स्रोत इंटरनेट हेबाक चाही। जेना प्रिंटक क्षेत्रमे होइ छै मने चाहे लुगदी कागजपर छपल हो कि एकदम कड़कड़ौआ कागजपर कि आन कोनो कागजपर ओकरा प्रिंटक रूप मानल जाइत छै तेनाहिते वेबसाइट हो कि ब्लाग, पोर्टल, ह्वाट्सएप वा अन्य सोशल मीडिया सभ इंटरनेट छै। हँ, कियो आन अलगसँ मैथिली वेबसाइट केर इतिहास लीखि सकै छथि वा मैथिली ब्लाग केर इतिहास लीखि सकै छथि आ ताहिमे अपन अपन रूपकेँ पहिल वा दोसर कहि सकै छथि मुदा जखन समग्र इंटरनेटक बात एतै तखन पहिल ओ हेतै जकर तारीख पहिनेक हो आ से वेबसाइट रूपमे हो कि ब्लाग रूपमे कि पोर्टल सहित आन कोनो रूपमे।

6) एकटा तमाशा आर उठल छै। ई तमाशा छै पत्रकारिताकक परिभाषाकेँ लऽ कऽ। किछु केर मानब छनि जे मात्र समाचार बला क्षेत्र भेल पत्रकारिता आ साहित्य बलाकेँ पत्रकारिता नै मानल जाए। एहन मानबामे कोनो दिक्कत नहि हमरा मुदा ओहने लोक सभ जखन मैथिली पत्रकारिताक बर्ख जोड़बै छथि तखन ओ सीधे मैथिल हित साधन, मिथिला मिहिरसँ होइत आन साहित्यिक पत्रिका केर नाम गनाबै छथि। वएह लोक चंद्रनाथ मिश्र 'अमर'जी द्वारा लिखित "मैथिली पत्रकारिताक इतिहास" केर गुणगान करै छथि। तखन हमरा लगैए जे एहन लोककेँ या तँ पत्रकारिताक परिभाषा नै बूझल छनि अथवा एहन लोक अपन सुविधा-अवसरिक अनुसार परिभाषा बनेबाक लेल उताहुल रहै छथि।

जँ कोनो पत्रिका ई निर्णय लैए जे हम समाचार तँ छापब मुदा मात्र साहित्य केर, तखन ओकरा पत्रकारितामे लेल जेतै कि नहि?

समाचार केन्द्रित आन उपविधा सेहो छै जेना खेल समाचार, क्राइम न्यूज, विज्ञान समाचार। जँ कोनो क्राइम रिपोर्टर ई घोषित कऽ दै छै मात्र अपराधे

समाचार बला पत्र-पत्रकारिताक श्रेणीमे अबैए तखन कि हेतै। या एहने घोषणा खेल समाचार बला कऽ दै तखन?
पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित जे किछु हो चाहे समाचार वा कि साहित्य ई सभ पत्रकारिताक क्षेत्रमे अबैत छै।
7) प्रयास रहल अछि जे प्रारंभ (2000) सँ 2007 केर अंत धरिक हरेक ब्लाग, साइट आदिक उल्लेख करी (जँ छूटल अछि तँ ई हमर गलती मानू) मुदा बर्ख 2008 केर बादसँ लऽ एखन धरि लेल हम स्वविवेक केर सहारा लेलहुँ अछि। एखन मैथिलीमे सैकड़ाक संख्यामे ब्लाग-वेबसाइट अछि। जँ फेसबुक ग्रुप आदि सेहो जोड़ब तँ ई संख्या हजारमे सेहो पहुँचत। एहिमे बहुत एहन अछि जे कि मात्र व्यक्तिगत रूपमे लोक सभ द्वारा बनाएल गेल अछि। बहुत वेबसाइट संस्था सभहँक अछि। जँ हम सभ वेबसाइट-ब्लाग आदिक विवरण ली तँ ई एकटा असाध्य काज हएत कारण दिनानुदिन बहुतो ब्लाग-वेबसाइट खुजैए बहुतो बंद होइए आ बहुतोपर कोनो सक्रियता नै भऽ रहल अछि। तँइ 2008 केर बाद हम ओहन सेलेक्टिभ ब्लाग-वेबसाइट आदिक विवरण देलहुँ अछि जकर काज मैथिली लेल माइलस्टोन साबित भेल। ओहन सभ ब्लाग-वेबसाइटक विवरण एहि पोथीमे नै देल गेल अछि जे कि व्यक्तिगत अछि (मने विआह, मूड़न, आफिसक फोटोसँ भरल बला), जकर समाग्री आन-आन ठामसँ कॉंपी-पेस्ट कए कऽ देल गेल छै। मने जे ब्लाग-वेबसाइट किछु मौलिक संकल्पना प्रस्तुत केलक तकरे स्थान एहि पोथीमे देल गेल छै। जे ब्लाग-वेबसाइट हमरा जानकारीमे नै अछि मुदा ओकर नीक काज छै तइ लेल हम पाठक वर्गसँ सहायता चाहैत छी। पाठक हमरा सूचित करथि ओहि ब्लाग-वेबसाइट केर बारेमे हम ओकरा जरूर सुधारबै। एकटा आर बात, बहुत संभव जे वर्तमानमे नीक काज सभ भऽ रहल हो इंटरनेटक माध्यमसँ मुदा तकर चर्च एहिमे हम नहि केने हएब। एहन संभव छै कारण हमर एहि पोथीक पहिल उद्येश्य अछि "मैथिली वेब

पत्रकारिता" केर पहिल चरणपर फोकस करब मने प्रारंभिक अवस्थाक वर्णन। हमर प्रयास रहत जे भविष्यमे हम दोसरो चरणमे भेल नीक काज सभकेँ आन पोथीमे समेटी। मैथिली आलोचना ओ साहित्यिक इतिहासक बहुत रास पोथीमे देखल जाइए जे आलोचक-इतिहासकार जै लेखककेँ पसंद नै करै छथि वा जिनकासँ हिनका मतांतर छनि तिनकर नामे नै लै छथि आ हुनकर काजक सम्यक मूल्यांकन नै करै छथि। प्रस्तुत पोथीमे हम एहन दुर्भावनासँ बचलहुँ अछि। जिनकासँ हमरा मतातंर अछि तिनकर आलोचना केलहुँ मुदा हुनकर काजक उल्लेख जरूर अछि। एहि विषय केर विद्यार्थी नहियो रहैत हम एहि विषयपर लिखलहुँ तँइ स्वाभाविक छै जे बहुत गलती एहिमे अहाँ सभकेँ भेटत। ओना अहाँ सभ कहि सकैत छी जे जखन अहाँ एहि विषयसँ नै छी तखन एहिपर लिखबाक कोन काज? बात अहाँक सही मुदा हम एहिपर एकैटा कारणसँ लिखलहुँ आ ओ थिक एहि विषयपर जानकारी राखए बला सभ मात्र अपनाकेँ पहिल घोषित कऽ देने छथि वा ओकर उपक्रममे लागल छथि। आ मानि लिअ जे जँ अपना आपकेँ पहिल मानए बला ई पोथी लिखने रहतथि तँ एहिमे की भेटैत अहाँ सभकेँ? अतबे ने जे हम पहिल काज केलहुँ आ ओहिसँ पहिने ई काज भेले नै छलै आ ई तेहन काज छै जे भविष्योमे कियो ने कऽ सकत। अहाँ सभ बुझितहुँ जे एतबे जानकारी छै मुदा हम एहि विषयक छीहे नै तँ पहिल आ दोसर हेबाक इच्छा पोसनेहे नै छी आ तँइ एहि पोथीक सभ सूचना तटस्थ भावसँ भेटत। हमरे जानकारी अंतिम अछि सेहो कोनो बात नै मुदा हम अपना भरि प्रयास केने छी आ छुटल तथ्य लेल अहाँ सभसँ सहयोगक कामना करैत छी। ओना अपनाकेँ पहिल घोषित करबाक आरोप हमरोपर लागि सकैए मुदा हमरासँ पहिने काज भेल छै तकर उल्लेख केने छी आ हम किए पहिल से समग्र रूपसँ ई पोथी पढ़ि बुझि जेबै अहाँ सभ। एकटा आर बात हमर एहि कथित पोथीक बगए-बानि देखि किछु लोक कहता जे पोथी एहन नै होइत

छै मने संदर्भ सभ स्क्रीनशाट रूपमे नै दऽ कऽ खाली रेफरेंस देल रहितै तँ ओ पोथी होइतै। एहिपर हमर कहब बस एतबे जे पोथीक उद्येश्य छै सही तथ्य परसब ताहिमे हमरा संतोष अछि जे हम सफल भेल छी आ दोसर बात ई जे हमरा बाद जे एहि विषयपर पोथी लिखता हुनका लग ई सुविधा रहतनि जे ओ संदर्भ रूपमे पोथीक नाम दऽ अपन बात राखि लेता, वर्तमानमे हमरा लग ई सुविधा नै अछि। किछु विद्वान एहू बातपर आपत्ति कऽ सकै छी जे शोधक भाषामे प्रथमपुरुष नै एबाक चाही मने "हम ई देखलहुँ" बदला "एहि पाँतिक लेखक देखलाह" हेबाक चाही। आब अहाँ कहू जे प्रथमपुरुष हटलै कहाँ? एना कहियौ वा कि ओना हेतै प्रथमेपुरुष। तँइ प्रस्तुत पोथीक भाषा सरल आ स्पष्ट रूपमे प्रथमपुरुष केर प्रयोग भेल अछि।

8) एहि पोथीमे वर्णित सभ ब्लाग-वेबसाइटकेँ विषयक हिसाबसँ बाँटल गेल अछि। जे एना अछि-- 1) भाषा- साहित्य, 2) समाद, 3) नाटक, फिल्म एवं गीत संगीत, 4) ई-कामर्स, 5) धर्म, एवं 6) अन्य

9) एहि पोथीक मुख्य उद्येश्य वेब पत्रकारिताकक इतिहास अछि तँइ इंटरनेटक जन्म, उपयोग-दुरुपयोग आ अन्य विषय संक्षिप्त रूपमे देल गेल अछि। हमरा विश्वास अछि जे एहि विषयपर जल्दिये कियो ने कियो पोथी लिखता।

10) इंटरनेटक अन्य प्रारूप जेना सोशल साइट, ह्वाटसएप आदिक विवरण अलगसँ देल गेल अछि। जाहिसँ अध्येता ओ पाठककेँ सुविधा हेतनि।

11) उम्मेद अछि जे पाठक एहि पोथीमे आएल कोनो प्रकारक गलतीकेँ हमरा सूचित करताह जाहिसँ हम ओकरा यथा समय ठीक कऽ सकब। जाहि ठाम लिंक देल गेल छै ताहि ठामक पाँतिक किछु शब्दक बीच बेसी स्थान छूटल छै। ओकरा एक पाँति बना पढ़ी से आग्रह। हम चाहितहुँ तँ सभ लिंक वा चित्रकेँ एकठाम दऽ सकै छलहुँ मुदा हमर सोच अछि जे पाठककेँ एकै ठाम तर्क आ सबूत भेटनि। जँ कोनो तथ्यात्मक गलती छै तकर

आलोचनाक स्वागत करब हम मुदा ई अनिवार्य जे हमर ओहि आलोचनामे सबूत सेहो रहबाक चाही। बहुत गोटे छथि मैथिलीमे जे बिना सबूतक आलेख लीखै छथि। एहन-एहन आलोचककेँ एखने हम सावधान कऽ दैत छियनि जे ओ सबूत जुटा लेथि। एकटा आर बेमारी छै- बिना सबूतकेँ आलेख लीखि हुनका अपेक्षा रहैत छनि जे अनचिन्हार ई बात मानि लिअ नै तँ हम लोककेँ कहबै जे अनचिन्हार उकटा-पैंची करैत छै, अनचिन्हारकेँ बाजऽ नै अबैत छै.... आदि-इत्यादि। तँ एहन-एहनकेँ हम सूचित करबनि जे हम अपन इमेजक चिन्ता नै तथ्य आ मात्र तथ्यक चिंता करैत छियै। तथ्य होइन तँ आबथि आलोचनामे..।

12) एहि पोथी लेल हम बहुत संदर्भसँ सहायता लेलहुँ अछि जकर नाम निच्चा अछि—

a) विदेह www.videha.co.in

b) सोशल मीडियाः संपर्क क्रांति का कल, आज और कल (स्वर्ण सुमन, प्रकाशक-हार्पर हिंदी, 2014)

c) सूचना प्रविधिको शक्ति र नेपालमा यसको उपयोग (नेपाली पोथी, लेखक-विनय कुमार कसजू, सितंबर 2003)

d) कंप्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में क्रांति -इंटरनेट (विजय कुमार मलहोत्रा)

e) एप्स आ फॉण्टक संबंधी किछु जानकारी लेल हम रोशन चौधरीजी आभारी छी

f) यूट्यूब प्रभाग लेल बहुत सहायता प्रणव झाजीसँ भेटल

g) विभिन्न विषयक विकीपीडिया

13) मैथिलीमे प्रायः हरेक साहित्यिक विधा लेल एकै साहित्यिक इतिहास लिखाइत रहल अछि। मने एकै पोथीमे हरेक विधाक इतिहास। ओना चंद्रनाथ मिश्र 'अमर' जी पहिल लोक छथि जे एक विधा पत्रकारिता केर अलगसँ इतिहास लिखलाह। ओकर बाद मेघन प्रसाद काज केलाह कथा

लेल। ई अलग बात जे मेघनजी ओकर नाम देलाह "कथाकोश" मुदा छै ओ कथा केर इतिहासे। तकर बाद आन कोनो विधा लेल अलगसँ एहन काज नै भेल। एही क्रममे 2013 मे इंटरनेटक माध्यमसँ सार्वजनिक भेल हमर पोथी "मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास' सेहो अछि । फेसबुक पोस्ट देखबाक लेल एहिपर क्लिक करू तकर बाद 2017 मे हमरे द्वारा लिखल पोथी "मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास" सेहो इंटरनेटक माध्यमसँ सार्वजनिक भेल, फेसबुक पोस्ट देखबाक लेल एहिपर क्लिक करू। हमर एहि दू पोथीक बाद प्रायः सभ लोक एहि दू-चारि बर्खमे हरेक विधाक इतिहास लीखए लगलाह अछि। कवितासँ लऽ कऽ कथा-उपन्यास, सिनेमा आदिक इतिहास आबए लालग अछि। ई सुखद संकेत अछि। वस्तुतः 2017 सँ लऽ कऽ एखन धरि एहि पोथीमे बहुत रास सूचना जोड़ल गेल अछि। ई-पोथी केर तँ इएह फायदा छै जे प्रिंट हेबा धरिमे एहिमे अहाँ संशोधन कऽ सकैत छी।




Ashish Anchinhar




Ashish Anchinhar

Dec 1, 2017 ·

"मैथिली वेब पत्रिकारिताक इतिहास" नामक पोथी लिखब पूरा भऽ गेल। जल्दिये सामने आएत

14) हमर "मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास" सेहो मैथिली गजलक व्याकरण- इतिहासपर पहिल पोथी छल आ इंटरनेटपर सार्वजनिक होइते ओकर मैटर चोरा कऽ किछु गोटे पी.एच.डी केर डिग्री लऽ लेलाह तँ किछु गोटे अपन पोथीमे हमर आलेख उतारि पुरस्कार लऽ लेलाह। वेब पत्रकारिताकपर ई पोथी सेहो मैथिलीक पहिल पोथी अछि आ हमरा विश्वास अछि जे एकरो सार्वजनिक होइते देरी नै बहुत तँ किछुए गोटा अपन पी.एच.डी लेल इएह विषय चुनता फेरो बिना हमर नाम लेने , बिना हमरा क्रेडिट देने पूरा पोथीक समाग्री अपन शोधमे प्रयोग कए कऽ प्रोफेसर बनि जेता। किछु गोटे एही पोथीक आलेख अपन पोथीमे छापि पुरस्कार सेहो लऽ लेता। मैथिली लेल ई नव विषय नै। एहि भाषामे 100 मेसँ 97-98 टा शोध विश्वविद्यालयक शोध निर्देशकक हाथमे प्रचुर टका दऽ कऽ लिखबाएल जाइत छै (ओना ई प्रकिया एक तरहें झाँपल रहैत छै तँइ अइ आरोप लेल सबूतक कमी रहिते छै)। एहन स्थितिमे हमरा ई संतोष अछि जे मैथिलिए नै हम कोनो भाषा केर एकेडमिक नै छी। ने तँ विद्यार्थी तौरपर आ ने शोधार्थी तौरपर (जँ रहितहुँ तँ ईहो पोथी नै होइत से हमर विश्वास अछि)। ई तँ नियमे छै जे जाहिठामसँ तथ्य लेने छियै तकरा क्रेडिट भेटबाक चाही। ई बात अलग जे अधिकांश मैथिल क्रेडिट देबामे बैमानी करै छथि।

15) जे वास्तविक विद्वान छथि से क्रेडिट दै छथि जाहिमे एकटा मिथिलेश कुमार झा छथि। India seminar नामक पत्रिका केर 742म अंक जून 2021, जे कि Language in in Digital World नामक विषयपर छल ताहिमे हिनकर ई आलेख पढ़ू जकर शीर्षक अछि Maithili in the digital space मैथिलीमे किछुए एहन पोथी अछि जे परम्परागत अर्थमे प्रकाशित नै अछि मुदा ओ रेफरेंस रूपमे खूब लेल जाइत अछि। हमर ई पोथी ओहि कोटिमे आएल से हमरा लेल सुखद अछि। एहि आलेख केर लिंक अछि https://www.india-seminar.com/2021/742/742_mithilesh_kumar_jha.htm

आशीष अनचिन्हार

अध्याय-2

इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल- एकटा संक्षिप्त सूची

एहि पोथीमे बहुत रास बातपर चर्चा भेल छै आ ताहि चर्चामे इंटरनेटपर मैथिलीक जे पहिल अछि तकर संक्षिप्त सूची एना अछि-

1) इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि "भालसरिक गाछ" जे बर्ख 2000 सँ छल आ जकर संचालक छलाह गजेन्द्र ठाकुर।

2) मिथिलाक्षर केर पहिल फॉण्ट सी.के.राउत 2003 मे "तिरहुता" केर नामसँ बनेने छथि। C.K Raut (चंद्रकांत राउत) वर्तमानमे नेपाल देशक युवा नेता छथि आ एहि पोथीक माध्यमसँ नेपाल केर प्रधानमंत्री हेबाक शुभकामना दैत छियनि।

3) समदिया मैथिलीक पहिल समादपरक ब्लाग अछि जकरा गजेन्द्र ठाकुर 2004 मे बनेने छलाह।

4) मैथिलीक यूनीकोड लेल सभसँ पहिने भारत सरकारक दिससँ ओम विकासजी 2-7-2005 मे प्रयास केलाह आ सफलता भेटलनि अंशुमान पांडेय जीकेँ बर्ख 2009 मे।

5) मैथिलीक पहिल उपलब्ध यूट्यूब चैनल vijay7701 नामसँ जे 3 Feb 2007 केँ शुरू भेलै।

6) मैथिली गीत-संगीतपर पहिल ब्लाग अछि "मैथिली लोक गीत" जकरा राजीवरंजन लाल जी बर्ख 2007 मे बनेने छलाह।

7) विदेह मैथिलीक पहिल ई-पत्रिका अछि, जे बर्ख 2008सँ एखन धरि अछि आ जकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।

8) विदेह पत्रिका मैथिलीक एहन पहिल पत्रिका अछि जकरा ISSN (International Standard Serial Number) भेटलै।

9) विदेह मैथिलीक पहिल एहन पत्रिका अछि जे कि एकसँ बेसी लिपिमे प्रकाशित होइत अछि।

10) मैथिलीक पहिल डिजिटल पुस्तकालय विदेह द्वारा बर्ख 2008 मे शुरू भेलै।

11) इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल सर्वलोकप्रिय ब्लाग "मैथिल आर मिथिला" छल जे बर्ख 2008 स्थापित भेल छल। जकरा जितमोहन झा बनेने छलाह।

12) इंटरनेटपर अनुवाद लेल पहिल ब्लाग http://Madhubani-art.blogspot.com अछि जे गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

13) इंटरनेटपर बाल साहित्य लेल "नेना-भुटका" नामसँ ब्लाग आएल अछि जे कि 2009 सँ अछि आ जकरा गजेन्द्र ठाकुर बनेने छथि।

14) मैथिलीमे पहिल बेर वेब संगोष्ठीक रूपमे विदेह द्वारा निर्मलीमे गोष्ठी तीन सालक बीच लगातार करबाएल गेल छल सितम्बर 2008 सँ दिसम्बर 2011 धरि।

15) मैथिली विकीपीडिया लेल पहिल प्रयास गजेन्द्र ठाकुर द्वारा बर्ख 2008 मे भेल, 2013 धरि विभिन्न अनुवादक काज भेलै आ 2014 मे मैथिली विकीपीडियाकेँ मंजूरी भेटलै। विकीपीडिया एकटा Community project छै जाहिमे सभ काज बिना पाइकेँ समाज लेल कएल जाइत छै।

16) विदेह मैथिलीक पहिल एग्रीगेटर छै जाहिठाम मैथिलीक आन-आन इंटरनेटक साइट केर सूची भेटत।

17) इंटरनेटपर मैथिलीमे एक विधापर आधारित पहिल ब्लाग "अनचिन्हार आखर" अछि जे कि मात्र गजलपर केंद्रित अछि। ई अप्रैल 2008मे आशीष अनचिन्हार द्वारा बनाएल गेल छल।

18) गूगल ट्रांसलेशन लेल पहिल प्रयास 2011 मे गजेन्द्र ठाकुर द्वारा भेलै

आ मइ 2022 मे गूगल एकरा मंजूरी देलकै। गूगल ट्रांशलेशन एकटा Community project छै।

19) Microsoft आ जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) द्वारा Bing Translator केर मैथिली भाषा लेल JNU केर संस्कृत प्रोफेसर डा. गिरीशनाथ झा जी द्वारा Translator केर काज संपन्न भेल। हिनके निर्देशनमे एकटा आनलाइन शब्दकोश सेहो अछि। ई Paid project छै जाहिमे काज करए बलाकेँ एक निश्चित राशि भेटैत छै। हिनकर काजक चर्चा आगू विस्तारसँ हएत। Paid project दू तरहक होइत छै। पहिल एक आदमीक हाथमे project आ बजट दऽ देल जाइत छै। काज संपन्न भेलापर project देनिहार ओकर योगदानकेँ अंकित करैत छै। दोसर Paid project प्राइभेट नौकरी जकाँ होइत छै। पाइ भेटत मुदा नाम project देनिहारक होइत छै। पोथी पढ़ैत काल स्वतः बूझि जेबै जे के सभ कोन तरहक काज केने छथि।

20) मैथिली सिनेमापर केंद्रित पहिल ब्लाग "मैथिली फिल्म्स" अछि जे जून 2011 मे आशीष अनचिन्हार द्वारा बनाएल गेल छल।

21) मैथिली नाटकपर केंद्रित पहिल ब्लाग "विदेह मैथिली नाट्य उत्सव" अछि जे अगस्त 2011सँ अछि आ जकरा गजेन्द्र ठाकुर बनेने छथि।

22) पहिल बेर 2012 मे मोजिला फायरफॉक्समे मैथिली शामिल भेल जकर नेतृत्व संगीता कुमारी आ राजेश रंजन केने छथि।

23) मैथिलीक पहिल एप्प Songs for Mithila अछि जकरा apkdotin, apkdotin@gmail.com द्वारा 18 Feb 2013 केँ रिलीज कएल गेलै।

24) मिथिला हाट मैथिलीक पहिल ई-कामर्स साइट हेबाक पात्रता रखैए।

25) इंटरनेटपर मैथिलीमे धर्मसँ संबंधित पहिल उपस्थिति "मैथिली पतरा" अछि जे रोशन चौधरी द्वारा बनाएल गेल अछि।

26) विदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग) जकर लिंक अछि http://videha-sadeha.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
27) विदेह:ब्रेल: ब्रेल लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लाग अछि, जकर लिंक अछि http://videha-braille.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
28) विदेह रेडियो:मैथिलीक पहिल पोडकास्ट साइट जकर लिंक अछि http://videha123radio.wordpress.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
29) विदेह मैथिली संकेत लिपि-पहिल मैथिली संकेत लिपि ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-sign-language.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
30) विदेह ब्राह्मी- ब्राह्मी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-brahmi.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
31) विदेह खरोष्ठी- खरोष्ठी लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-kharoshthi.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
32) विदेह कैथी लिपिमे- मैथिलीक कैथी लिपिमे पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-kaithi.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
33) विदेह नेवाड़ी लिपिमे- मैथिलीक नेवाड़ी लिपिमे पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-newari.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।
34) विदेह आइ.पी.ए. लिपिमे- मैथिलीक आइ.पी.ए.मे पहिल ब्लॉग जकर

लिंक अछि https://maithili-ipa.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।

35) विदेह- उर्दू नस्तालिक लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-urdu.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।

36) विदेह- तिब्बती लिपिमे मैथिलीक पहिल ब्लॉग जकर लिंक अछि https://maithili-tibetan.blogspot.com/ एकर संस्थापक गजेन्द्र ठाकुर छथि।

37) Music Maithili मैथिलीक पहिल Music Streaming अछि जे कि वेब आ एप दूनू रूपमे उपल्बध अछि। आ ई 3 मइ 2022 सँ अछि।

38) पहिल टेक साइट मैथिलीक https://technicalhojo.com/maithili/ अछि।

39) मैथिली स्वास्थ्य परिचर्चा, मैथिलीक पहिल ब्लाग अछि जाहिमे पूर्णतः रोग आ तकर निदानपर चर्चा भेटत। एकर संचालक छथि रमाकर चौधरी जी।

40) मैथिलीक पहिल चित्र कथा प्रीति ठाकुर द्वारा रचित “गोनू झा आ आन मैथिली चित्रकथा”अछि जे कि बर्ख 2008 मे प्रकाशित भेल छल।

41) ब्रेल लिपिमे मैथिलीक पहिल पोथी गजेन्द्र ठाकुरजी केर छनि।

42) तिरहुता लिपिमे सभसँ बेसी पोथी गजेन्द्र ठाकुरजीक छनि।

43) मैथिलीक पहिल संपादक गजेन्द्र ठाकुर छथि जे एकसँ बेसी लिपिमे पत्रिकाक अंक प्रकाशित करै छथि।

44) गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा पहिल podacast चैनल बादमे आडियो बुक केर रूप धेलक। मैथिलीक उपल्बध प्राचीन आडियो बुक अरिपन फांउडेशन केर यूट्यूब चैनलपर भेटैए जकर लिंक अछि

https://youtube.com/@aripanafoundation5780

उपरमे देल पहिल केर सूचीसँ अलग आर किछु एहन पहिल चीज सभ अछि जकर वर्णन पोथीक भीतर अछि।

अध्याय-3

अंतर्जाल (इंटरनेट) केर परिचय

अंतर्जाल (इंटरनेट), एक दोसरसँ जुड़ल संगणकक एकटा विशाल विश्व-व्यापी नेटवर्क वा जाल छै। एहिमे बहुतो संगठन, विश्वविद्यालय, आदिक सरकारी आ प्राइभेट (निजी) संगणक जुड़ल छै। अंतर्जालसँ जुड़ल संगणक एक दोसरासँ इंटरनेट नियमावली (Internet Protocol)क माध्यमे सूचनाक आदान-प्रदान करैत छैक। इंटरनेटक माध्यमे भेटए बाल सुविधामे वेबसाइट, ई-मेल सुविधा प्रमुख अछि। एकर अतिरिक्त सिनेमा, गीत-संगीत, खेल आदि सेवाक सुविधा सेहो इंटरनेटक माध्यमसँ प्राप्त कएल जाइत छै।

इंटरनेटक संक्षिप्त इतिहास

1969- इंटरनेट अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा UCLA आ स्टैनफोर्ड अनुसंधान संस्थानक कंप्यूटर्स केर नेटवर्किंग कए कऽ इंटरनेटक संरचना कएल गेलै।

1979- ब्रिटिश डाकघर पहिल अंतरराष्ट्रीय कंप्यूटर नेटवर्क बना कऽ नव प्रौद्योगिकी केर उपयोग केनाइ शुरू केलक।

1980- बिल गेट्स केर आईबीएम कम्पनीक कंप्यूटर्सपर एकटा माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम लगेबाक लेल बातचीत पक्का भेल।

1984- एप्पल पहिल बेर फ़ाइल आ फ़ोल्डर, ड्रॉप डाउन मेनू, माउस, ग्राफिक्स आदिक प्रयोगसँ युक्त "आधुनिक सफल कम्प्यूटर" लांच केलक।

1989- टिम बेर्नर ली इंटरनेटपर संचार माध्यमकेँ सरल बनेबाक लेल ब्राउज़र, पन्ना आ लिंक केर उपयोग कए कऽ वर्ल्ड वाइड वेब बनेलक।
1996- गूगल स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालयमे एकटा अनुसंधान परियोजना शुरू केलक जे कि दू साल बादसँ काज करए लागल।
2009- डॉ स्टीफन वोल्फरैम "वोल्फरैम अल्फा" लांच केलाह।

भारतमे इंटरनेट 80क दशकमे एलै (1986), जखन एर्नेट (Educational & Research Network)केँ सरकार, इलेक्ट्रानिक्स विभाग आ संयुक्त राष्ट्र उन्नति कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रोत्साहन भेटलै। सामान्य उपयोग लेल 15 अगस्त 1995सँ इंटरनेट शुरू भेलै जखन कि विदेश सचांर निगम लिमिटेड (VSNL) द्वारा गेटवे सर्विस शुरू भेलै। वर्तमान भारतमे आब अधिकांश काज जेना बैंकिंग, ट्रेन इंफॉर्मेशन-रिजर्वेशन आदि इंटरनेट द्वारा भऽ रहल छै। इंटरनेट आ मात्र शहरी नै गामोक लोक प्रयोग कऽ रहल छथि जे भविष्यक लेल नीक अछि। इंटरनेटक प्रयोग करबामे एखन भारत विश्वक चारिम आ एशियाक तेसर देश अछि। भारतक 10 सँ 30 सालक उम्र वर्ग बला युवा बेसी इंटरनेटक उपयोग कऽ रहल छथि। इंटरनेटक प्रयोगमे आश्चर्यजनक रूपसँ बढ़त देखल गेल अछि। बर्ख 2000सँ 2009 केर मध्य पूरा दुनियाँमे इंटरनेट प्रयोग करए बला लोकक संख्या 394 मिलियनसँ बढ़ि कऽ 1.858 बिलियन भऽ गेल। बर्ख 2010 मे दुनियाँक कुल जनसंख्याक 22 फीसदी लोक लग इंटरनेट पहुँचि गेल रहै आ एहि समय धरि 1 बिलियन गूगल सर्च रोज होइत छलै, 300 मिलियन प्रयोगकर्ता ब्लाग पढ़ए लागल, आ 2 बिलियन भीडियो रोज यूट्यूबपर देखल जाए लागल। बर्ख 2014मे पूरा दुनियाँमे इंटरनेट प्रयोग करए बलाक संख्या 3 बिलियन (43.6 प्रतिशत) पहुँचि गेल छल मुदा एहिमेसँ लगभग दू-तिहाई हिस्सा धनी ओ विकसित देशक छल।

इंटरनेटक बहुत रास फायदा छै ताहिमेसँ किछु प्रमुख फायदा एना अछि-
1) इंटरनेटक सहायतासँ हम सभ कोनो प्रकारक जानकारी प्राप्त कऽ सकै छी।
2) इंटरनेटसँ बिना कोनो लेन देनकेँ मेल (चिट्ठी) पठा सकै छी।
3) इंटरनेटक सहयातसँ विभिन्न प्रकारक मनोरंजन जेना फिल्म, संगीत, खेल आदि कऽ सकै छी।
4) इंटरनेटक सहायतासँ आब टिकट बुकिंग, बैंकक काज, शिक्षा, दोकानदारी, नौकरी आदि केर सेहो सुविधा लऽ सकै छी।
5) आजुक राजनीति सेहो इंटरनेटसँ प्रभावित अछि। मिश्रमे इंटरनेटक सहायतासँ क्रांति सेहो भऽ गेल छै। सोशल नेटवर्किंग केर सहायतासँ समाजक भिन्न भिन्न लोकसँ जुड़ि सकै छी, समाजसेवा कऽ सकै छी।

उपरक लाभक अतिरिक्त इंटरनेटक हानियो बहुत छै ताहिमेसँ किछु प्रमुख हानि एना अछि-
1) इंटरनेटक आदति लागि गेलाक बाद एहिसँ समयक नोकसान सेहो होमए लगैत छै। एकर लक्षण इंटरनेट एडिक्शन डिसआर्डर केर रूपमे अबैत छै। इंटरनेटक बिना उदास अनुभव करब, पाँचसँ पंद्रह घंटा धरि आनलाइन रहब, घरसँ कम निकलब, कंप्यूटरक समाने वा मोबाइल लऽ कऽ भोजन करब। वास्तविक समाजिक जीवनसँ कटि जाएब, दिन भरिमे सैकड़ो बेर अपन ई-मेल चेक करब आदि इंटरनेट एडिक्शन डिसआर्डर केर लक्षण अछि। वस्तुतः ई आने नशा जकाँ सेहो नशा अछि।
2) जँ अहाँ आनलाइन काज बेसी करैत छी तँ अहाँक गोपनीय सूचना हैक होबाक बेसी संभावना अछि जाहिसँ अहाँकेँ बड़का नोकसान भऽ सकैए जेना कोनो गलत आदमी द्वारा बैंकसँ पाइ निकालि लेब वा दोकानदारी कऽ लेब आदि। एहि तरहँक धोखाधड़ीसँ बचबाक लेल कुछ काज बरोबरि करैत

रहू जेना कि- अपन पिन नम्बर आ पासवर्ड किनको नै कहू। पासवर्ड बरोबरि बदलैत रहू। पासवर्ड वा पिन नम्बर कोनो स्थितिमे फोनमे वा ई-मेलमे सेभ कए कऽ नै राखू। स्पैम बला ई-मेलकेँ बिना जबाब देने खत्म कए दियौ। सार्वजनिक स्थान बला वाइ-फाइ केर उपयोग नहिए करी तँ नीक।

3) पोर्नोग्राफी, ई इंटरनेटक सभसँ बड़का खतरा छै आ बच्चा लेल विशेष रूपें। मात्र बच्चे नै युवा आ विवाहित सेहो एहि जालमे फँसल छथि। पोर्नोग्राफमे दवाइ आ तकनीकक सहायतासँ असंभव सन यौन क्रिया देखाएल जाइ छै जकरा युवा आ विवाहित सेहो प्रयोग करए लागै छथि जाहिमे असफल हेबाक कारणे यौन असंतुष्टि, पारिवारिक विघटन आदि घटना घटै छै।

4) सोशल साइटपर बेसी सक्रिय भेलासँ वास्तविक समाजिकता खत्म भेल जा रहल छै। खास कऽ फेसबुक नामक सोशल साइट मानव जातिक धैर्यकेँ समाप्त कऽ रहल छै जाहिसँ असमाजिकतामे अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी भेलैक अछि। फेसबुकक "लाइक" बटन आब आदमीक जीवनक बटखारा बनि चुकल अछि। ई लाइक आब "संपति" जकाँ गिनती होइत अछि। जँ अहाँक पोस्टपर लाइक बेसी अछि तँ अहाँ सेलिब्रेटी भेलहुँ आ जँ लाइक कम अछि तँ साधारण लोक। हमरा मोन पड़ैए 2012- 2013 केर समय जखन हम इंटरनेटपर गजल सिखबैत छलियै। ओहि समयमे एकटा नीक गजल लिखनाहरकेँ जखन हम बहरक गलती दिस धेआन दिआबैत छलिअनि ओ हमरा चट कहैत छलाह जे फेसबुकपर हमर गजलपर एतेक लाइक-कमेंट अबैए जँइ लोककेँ पसीन पड़ै छै तँइ ने। हुनकर बातपर हम चुप भऽ जाइत छलहुँ। फेर एहनो समय एलै जे 2016-2017 मे हमरेसँ सीखि एकटा आरो गजलकार गजल प्रस्तुत करए लगलाह आ नव गजलकारक गजलपर हुनकर गजलसँ दुगुन्ना तिगुन्ना लाइक आबए लागल। आ तकर बादसँ ओ पहिल गजलकार महोदय सदमामे छथि। हुनकर गजल लिखनाइ आब कम

भऽ चुकल अछि। ई कोनो एहन खास बात नै भेलै खास बात तँ ओ छै जे "लाइक" बटन केर अविष्कारक Justin Rosenstein किछु दिन पहिने फेसबुक आ अपना द्वारा बनाएल लाइक बटनकेँ समाज लेल घातक मानलथि आ अपनाकेँ एहिसँ दूर कऽ लेलथि। ई पूरा समाद विश्व भरिमे पसरल आ अहाँ सभ एकरा एहि ठाम देखि सकै छी http://www.independent.co.uk/life-style/gadgets-and-tech/facebook-like-inventor-deletes-app-iphone-justin-rosenstein-addiction-fears-a7986566.html

5) इंटरनेट विचार शून्यताकेँ बढ़वा दै छै। साधारण आदमीकेँ इंटरनेटक बड़का मंच देलकै मुदा आब एहि मंचक उपयोग राजनीतिक पार्टी सभ द्वारा खूब भऽ रहल अछि जाहिसँ एहि मंचपर फेक न्यूज, फेक इतिहास, गारि आदिक प्रयोग भऽ रहल अछि आ जनता एहि घटनामे मात्र उपकरण बनि केखनो एहि पार्टीक पक्षमे केखनो ओहि पार्टीक पक्षमे भऽ अपनेमे गारि-मारि कऽ रहल अछि। फेक न्यूजपरसबाक लेल आ ओहिपर गारि पढ़बाक लेल अधिकांश राजनीतिक दल द्वारा काल सेंटरसँ पेड सर्भिस लेल जाइत छै आ ई काल सेंटर किछु सही लोकककेँ नौकरी दऽ लाखों फर्जी आ.इ.डी बनबाक कऽ ई काज पसारै छै। फेक न्यूज दंगे टामे नै बिमारी वा आन कोनो घटनासँ सेहो संबंधित रहैत अछि।

6) इंटरनेटसँ दंगा पसरबाक काज सेहो होइत छै। हालमे भारतक यू.पीमे दंगा पसारबाक काजमे इंटरनेटक फेक न्यूजक बड़का योगदान छै। आरो दंगा सभमे एकर भूमिका छै। दंगाक अतिरिक्त साइबर आतंकवाद सेहो होइत छै। साइबर आतंकवादक मतलब भेलै जे कोनो भायरसक माध्यमसँ कोनो देश, राज्य, कोनो कंपनी, कोनो व्यक्ति केर सूचना चोरी कऽ लेब। साइबर आतंकक सबसँ बड़का दिक्कत छै जे एहिमे के आतंकवादी छै मने

के भायरस या बग बना कऽ पठा रहल छै तकर पता नै लागै छै। साइबर आतंकवादक संगठित रूप सूचना युद्धमे बदलि जाइ छै आ कोनो एक देश अपन दुश्मन देशपर साइबर हमला करै छै। मोन राखू बम-गोली आदि बलासँ अलग ई साइबर आतंकवादी होइ छै आ सभसँ बेसी खतरनाक होइ छै।

7) इंटरनेट ज्ञानीक संग-संग अज्ञानी सेहो बना दै छै। इंटरनेटपर सभ सूचना भेटि जेबाक कारणे लोक आब मोन राखबाक झंझटि नै राखैए। सरल गुणा-भाग धरि सेहो आब मुँहजबानी नै होइ छै। तँइ आजुक युवाक समान्य ज्ञान सेहो कम भेल जा रहल छनि। एकरा दोसर तरहें एना देखू जे इंटरनेटपर सभ सूचना जमा भऽ जाइत छै चाहे अहाँ ई साबित करियौ जे धरती गोल छै वा कियो साबित करै जे धरती वर्गाकार छै। सर्च करए बला जखन सर्च करै छै तखन संबंधित विषय केर दूनू पक्ष सर्च रिजल्टमे आबि जाइत छै। आब सूचना ताकए बला फेरमे पड़ि जाइत छै जे सही कोन छै। आ एहन स्थितिमे अधिकतर ओ गलत पक्षकेँ सही मानि लै छै आ ओकर प्रचार करए लागै छै। एखनुक समाजमे पसरल बेसी अज्ञनता इंटरनेटे बला छै आ से साहित्य, विज्ञान, इतिहास समेत सभ विषयमे छै।

इंटरनेटक हानि कम करबाक लेल किछु सुधार प्रस्ताव---

1) इंटरनेट आ ओहिपर पसरल सामग्रीकेँ नियंत्रित करबाक लेल जिला, राज्य आ केंद्रीय स्तरपर निगरानी टीम बनाएल जाए। पोर्नोग्राफिक सामग्री लेल विशेष टीम गठित कएल जाए।

2) साइबर कानूनकेँ सरल आ फास्ट बनाएल जाए।

3) इंटरनेटपर एकांउट आदि बनएल लेल कानूनी प्रकिया हेबाक चाही मने ओकरा स्कूलक परिचयपत्र, कार्यस्थलक परिचयपत्र वा भोटर आ.डी कार्ड,

पैन कार्ड आदिसँ जोड़ि देबाक चाही।

4) एहि सभहँक अतिरिक्त अभिवाभक सेहो अपना स्तरपर रोकथाम कऽ सकै छथि जेना कि बच्चा सभ लेल इंटरनेटक समय नियत कऽ देब, इंटरनेटक खराप पक्षकेँ बच्चाक सामनेमे खुलि कऽ कहब आदि।

Artificial Intelligence (AI)-भारत सरकार अपन बजट 2018-19 मे उल्लेख केने छल जे केंद्र सरकारक थिंक टैंक नीति आयोग जल्दिए नेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम (एनएआईपी) केर रूपरेखा तैयार करत। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अछि?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क शुरुआत 1950 केर दशकमे भेलै। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसक अर्थ अछि कृत्रिम तरीकासँ विकसित बौद्धिक क्षमता। एकर माध्यमसँ एकटा कम्प्यूटर सिस्टम अथवा रोबोटिक सिस्टम बनाओल जाइत अछि, जकरा ओहि तर्क वा भावनाक आधारपर चलेबाक प्रयास कएल जाइत अछि जाहि तर्क अथवा भावनाक आधारपर मानव मस्तिष्क काज करैत अछि। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसक जनक जॉन मैकार्थीक अनुसार ई मशीन द्वारा प्रदर्शित बुद्धिमत्ता अछि।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभिन्न प्रकारक होइत छै जेना-

1) पूर्णतः प्रतिक्रियात्मक (Purely Reactive)

2) सीमित स्मृति (Limited Memory)

3) मस्तिष्क सिद्धांत (Brain Theory)

4) आत्म-चेतन (Self Conscious)

कहियो ई अहाँक अनुभव भेल हएत जे गूगलपर अहाँ जे चीज तकने हेबै तेहने सन चीज अहाँक फेसबुक वा यूट्यूबपर सामने आबि जाएत। इएह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस छै जे जीवनक हरेक क्षेत्रमे काज कऽ रहल छै। Google voice assistant आ Amazon Alexa सेहो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केर उदाहरण अछि। ChatGPT एकर टटका

उदाहरण अछि। एखन भारतमे AI4Bharat नामक संस्था AI लेल नीक काज कऽ रहल अछि जे कि Department of Computer Science and Engineering, IIT Madras, Tamil Nadu - 600036 (आ 28 जुलाई 2022 कें स्थापित Nilekani Centre) केर प्रयास अछि जकर लिंक अछि https://ai4bharat.iitm.ac.in/ ई मैथिली सहित विभिन्न भारतीय भाषामे Artificial-Intelligence पर काज कऽ रहल छै। ई हरेक भाषाक लोककेँ तनखापर राखै छै वा एकटा निश्चित पाइ दैत छै। एकर किछु प्रमुख काज एना अछि-

Translation (माने कोनो एक भाषाक शब्दकेँ दोसर भाषामे की अर्थ छै से कहब जेना- पानि छै मैथिली मुदा एकरा अंग्रेजीमे कहबै Water)।

Transliteration (एकर मतलब छै लिप्यंतरण, एक भाषाक जे शब्द छै तकरा आन लिपिमे कोना लिखल जेतै जेना खगता देवनागरीमे छै आब एकरा रोमनमे लिखबै तँ हेतै Khagta)।

Speech Recognition (अवाजकेँ टेक्सटमे बदलब)।

Language Understanding (कोनो भाषा, ओकर शब्द, व्याकरण आदिकेँ चीन्हब)।

Language Generation वा Natural Language Generation (कोनो भाषाकेँ लिखित आ वाचिक दूनू रूपकेँ मशीनक डाटाबेससँ निर्माण करब)।

Sign Language (बौक ओ बहीर लोक लेल हाथ अथवा शरीरक आन भागक इशारासँ भाषाक निर्माण करब)।

Speech Synthesis (लिखित भाषाकेँ वाचिक रूपमे आनब)।

निलेकनी सेंटर केर स्थापनाक एक सालक भीतर 26 मई 2023 कें

IndicTrans2 अंग्रेजी आ 22 भारतीय भाषा लेल जारी भेल (सिन्धी आ कश्मीरी लेल अरबी आ देवनागरी दुनू लिपिमे आ मणिपुरी लेल बांग्ला आ मेतेइ दुनू लिपिमे मुदा मैथिली लेल मात्र देवनागरी लिपिमे)। मैथिली ट्रांशलेशन लेल जे काज भेल अछि ताहिमे गूगल ट्रांसलेट तेसर, बिंग-माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर दोसर आ AI4BHARAT केर अनुवाद शुद्धताक हिसाबे पहिल स्थानपर अछि। अक्षरमुख ट्रांसलिटरेशन देवनागरी सहित विभिन्न लिपि कें तिरहुतामे बदलैत अछि आ अइ तीनू अनुवाद टूलमे तिरहुताक अनुपस्थितिक क्षतिपूर्ति करैत अछि। निच्चा AI4BHARAT केर किछु लिंक अछि-

https://models.ai4bharat.org/#/nmt/v2 (Maithili Translation Version 2)

https://github.com/AI4Bharat/IndicTrans2

https://arxiv.org/abs/2305.16307

https://github.com/AI4Bharat (GitHub AI4Bharat)

https://ai4bharat.iitm.ac.in/models (AI4Bharat Models)

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfEOrRdR4SxFbzFD9CSR1scrrEUMdbsg7wsbZ6Vfxn6FQoq8A/viewform?pli=1 Audio Transcriber Maithili Apply)

वर्तमानमे एखन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसमे प्रगति भेल अछि मुदा ई प्रगति लाभकारी आ हानिकारक दूनू अछि। उम्मेद अछि जे जेना-जेना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केर प्रगति हएत तेनाहिते मैथिलीमे एहि विषयपर विस्तृत चर्चा हएत।

अध्याय-4

मैथिल द्वारा इंटरनेटक एक्टिभिटी

ई. 2000 मे http://maithili.org/ साइट अंग्रेजी भाषामे सक्रिय छल। ई साइट प्रवासी अमेरिकन द्वारा संचालित छल (खास कऽ नेपालक मैथिल बेसी) एहि साइटपर किछु मैथिली गीत ओ दूर्वाक्षत मंत्रक आडियो-भीडियो छल। बादमे ई बंद भेल आ संभवतः एकरे दोसर रूप http://maithili.net/ 2002 मे आएल (दूनू साइट केर संचालक अलग सेहो भऽ सकै छथि)। अही क्रममे हम http://maithils.home.att.net/ कैँ राखब जे कि 2003 सँ एखन धरि अछि। मुदा एकर सभहक भाषा मुख्यतः अंग्रेजी छल मैथिली नै। मुदा ई एक्टिभिटी मैथिलक एकटा विशाल वर्गकैँ जोड़ने छल ओहि समयमे। अही समयमे इंटरनेटपर उदय भेलीह "मैथिली" जकर चर्चा विस्तारसँ निच्चामे अछि।

मैथिलीमे इंटरनेट

मैथिलीमे इंटरनेटसँ हमर मतलब अछि जे इंटरनेट मैथिली भाषामे कहिया आ कोना आएल। इंटरनेटसँ मिथिला-मैथिली-मैथिलकैँ कोना प्रभावित केलक आदि-आदि। हमर एखन धरिक शोधक आधारपर गजेन्द्र ठाकुर द्वारा संचालित "भालसरिक गाछ" (याहू सिटीज) इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि जे कि बर्ख 2000 मे शुरू भेल रहै। जकर लिंक http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/ अछि। आब हम अपन एहि मतकैँ समर्थनमे विभिन्न तर्क राखि रहल छी जकरा

अहाँ “मैथिली वेब पत्रकारिताकक प्रारंभिक स्वरूप” कहि सकैत छी। आन तथ्य देबासँ पहिने हम याहूसिटीज / ब्लागरसँ संबंधित किछु घोषणा देखा रहल छी जे कि याहूसिटीज / ब्लागर केर आफिसियल पेजसँ लेल गेल अछि-

1) 1999मे याहूसिटीज (Yahoo! GeoCities) चालू भेलै आ 2001मे प्रोफिट नै हेबाक कारणे एकरा लगभग बंद कऽ देल गेलै (फ्री एकांउट बला सभकेँ स्टेप बाइ स्टेप बंद कएल गेलै) मैथिलीक पहिल इंटरनेटीय उपस्थिति जे कि भालसरिक गाछ नामसँ सन 2000 सँ याहूसिटीजपर छल तकरो एकांउट बंद भऽ गेलै (जँ कियो चाहता तँ एकर रेकार्ड याहूसँ मँगबा सकै छथि)। एकर बादमे 2009सँ याहूसिटीज अमेरिका समेत सभ देशसँ अपन पेड सर्भिस सेहो हटा लेलक आ आब मात्र जापानमे एखन एकर सर्विस बाँचल छै। ई तँ बहुत पहिनेक बात छै हाल-फिलहाल (2014)मे सभ गोटा आरकुटकेँ बंद होइत देखने हेबै। आरकुटपर जिनकर-जिनकर प्रोफाइल रहए से आब नै भेटि सकैए। हँ जे आर्कइभ बना लेने हेता से फाइल रूपमे अपन डाटा रखने हेता। याहूसिटीज केर विकिपीडिया वा आन संदर्भसँ हमर तथ्यकेँ जाँचल जा सकैए।

2) May 01, 2008सँ ब्लागर फ्यूचर पोस्ट केर सुविधा देलकै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2008/05/blogger-now-schedules-future-dated.html एहि सुविधासँ लोक पोस्टकेँ ड्राफ्टमे भविष्यक तारीख संग राखि दै छथिन आ ओ पोस्ट नियत तारीखमे अपने-आप पोस्ट भऽ जाइत छै। एहि फीचरमे जे कैलेंडर देल गेल छै तकरे सहायतासँ आजुक पोस्टकेँ दू साल पाछूक तारीखमे लऽ जा सकै छी तेनाहिते दू साल पहिनुक पोस्टकेँ आजुक तारीखमे आनि सकै छी मुदा ई मात्र पोस्टक तारीख वा सालमे हेड़ा-फेरी कऽ सकै छी कोनो पोस्टक

URL केर तारीख,महीना वा सालमे नै। URL बला तारीख,महीना वा साल वएह रहतै जहिया पोस्ट प्रकाशित भेल रहै।

3) December 10, 2008सँ ब्लागर दूटा ब्लाग केर मर्जिंग मने जोड़ि देबाक सुविधा देलकै एकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2008/12/your-blog-your-data.html एहि सुविधासँ लोक अपन अलग-अलग ब्लागकेँ एकठाम जोड़ि सकै छलाह।

4) February 03, 2010सँ ब्लागर पेज शुरू करबाक सुविधा देलकै एकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2010/02/create-pages-in-blogger.html एहि सुविधासँ लोक अपन ब्लागक विभिन्न सूचना पाठक लग दै छथि। पेज बनेलापर खाली अक्षर वा अक्षर-अंकक लिंक बनै छै मुदा तारीख,महीना वा साल नै रहै छै।

5) July 17, 2012सँ ब्लागर कस्टम लिंक बनेबाक सुविधा देलकै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी https://blogger.googleblog.com/2012/07/customize-your-posts-with-permalinks.html कस्टम लिंक मने अहाँ अपना मोनक हिसाबें कोनो पोस्टक URL बना सकै छी मुदा URLमे पोस्टक प्रकाशन दिन बला तारीख,महीना वा साल रहत। पोस्टक ओरिजिनल पोस्ट डेट वा पोस्टक साल नै बदलल जा सकैए जकरा अहाँ सभ एहि लिंकपर देखि सकै छी http://blogger-hints-and-tips.blogspot.com/2009/12/changing-date-for-post.html

उपरक तथ्य सभकेँ नीक जकाँ अहाँ सभ मोन राखू आ निच्चा देल गेल मैथिलीक आरंभिक ब्लाग / वेबसाइट सभहँक पहिल पोस्ट आ ओकर

तारीख सभकेँ अहाँ अपने जाँचू जाहिसँ ई स्पष्ट हएत जे कोन पत्रिका पहिल अछि आ के दोसर। एहि अंतर्गत हम छह टा ब्लाग / वेबसाइट राखब-
1) भालसरिक गाछ (याहू सिटीज आ ब्लागर दूनू बला), 2) पल्लवमिथिला 3) समदिया, 4) अपन मिथिला, 5) प्रकरांतर, 6) कतेक रास बात
आगू बढ़बासँ पहिने ई कहि दी जे एहि पाँचो ब्लागमे तीन टा एहन लिंक अछि जकर आर्काइभ उपल्बध नै अछि मुदा चर्चा हम सभ लिंक केर करब चाहे ओकर आर्काइभ हो या नै हो। आर्काइभ नै हेबाक मततलब ई नै छै जे कोनो चीजक अस्तित्वकेँ नकारि देल जाए।

भालसरिक गाछ

गजेन्द्र ठाकुर जी याहूसिटीजपर बहुत रास मैथिलीक साइट बनेने छलाह मुदा ताहिमेसँ "भालसरिक गाछ" केर लिंक (जे सन 2000 सँ याहूसिटीजपर छल) बाँचल अछि। एकर लिंक http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/ अछि। याहूसिटीजपर ई बंद भेलाक बाद 5 जुलाई 2004केँ एही नामसँ ब्लागरपर सेहो गजेन्द्र ठाकुर द्वारा ब्लाग बनाएल गेलै आ जनवरी 2008मे एकर नाम विदेह देल गेलै। बादमे 2004 बला भालसरिक गाछकेँ सेहो विदेहक संग जोड़ि देल गेल छै एवं आब ई http://www.videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html लिंकपर आर्काइभ सहित अछि। एहिठाम मोन राखब जरूरी जे याहूसिटीज बला ब्लाग केर आर्काइभ उपल्ब्ध नै अछि। प्रसंगवश ईहो कहि दी जे 2008 मे विदेहकेँ जे ISSN भेटलै तकर आधार "भालसरिक गाछ" केर सामग्री भेलै आ तँइ ISSN केर सूचीमे विदेह 2004 वर्षसँ भेटत। ISSN विषयपर विशेष चर्चा आगू भेटत। भालसरिक

गाछ (2004 बला) आ विदेह केर उपस्थिति इंटरनेट आर्काइभपर सेहो छै जकर फोटो पोथीक अंतमे परिशिष्टमे देल गेल अछि।

पल्लव मिथिला

पल्लवमिथिला नामक वेबसाइट जे कि 2059 माघे संक्रान्ति- (2003 जनवरीमे) धीरेन्द्र प्रेमर्षिजी द्वारा बनाएल गेल। एकर लिंक अछि- www.pallavmithila.mainpage.net वर्तमानमे ई वेबसाइट बंद अछि। एहि वेबसाइट केर मूल पेज www.mainpage.net सेहो याहूजियो सिटीज जकाँ बंद भऽ गेलै। संगे-संग एहू वेबसाइट केर आर्काइभ उपल्बध नै अछि। विनय कुमार कसजू केर नेपाली पोथी "सूचना प्रविधिको शक्ति र नेपालमा यसको उपयोग" जे कि सितंबर 2003 मे प्रकाशित भेलै ताहिमे "पल्लव मिथिला”क चर्चा छै।

समदिया

ईहो ब्लाग गजेन्द्र ठाकुर जी द्वारा 9 अगस्त 2004मे बनाएल गेल छल समादक वास्ते मुदा पहिल पोस्टक बाद लगभग चारि साल ई बंद रहल फेर 2008सँ एकर प्रकाशन शुरू भेल आ फेर-आस्ते-आस्ते 2015 धरि चलैत रहल। एहि ब्लागक पहिल पोस्टक लिंक अछि- http://esamaad.blogspot.com/2004/08/blog-post.html

अपन मिथिला

मिथिलासँ संबंधित (साहित्य नै) विवरण लेल प्रणव झा "अपन मिथिला" नामसँ 2004 मे साइट बनेने छलाह मुदा बेवसाइट प्रदाता बंद भऽ गेल। एकर लिंक एना अछि http://1asphost.com/aapanmithila

ई कोन मासमे शुरू भेल तकर विवरण नै अछि कारण एहू बेवसाइटक आर्काइभ नै बाँचल अछि। एकर भाषा अंग्रेजी रहल हएत कारण प्रणवजी सूचित केलथि जे एहिमे देवनागरी लिपिमे किछु नै छल।

प्रकरांतर

एहि ब्लागक पहिल पोस्ट 12 फरवरी , 2005 कैँ अछि जकर लिंक http://prakarantar.blogspot.com/2005/02/blog-post.html अछि। ई ब्लाग किनका द्वारा बनाएल गेल से अज्ञात अछि मुदा कमेंट सभसँ पता चलैए जे कोनो ठाकुरजी छथि (शायद विजय ठाकुर जिनक मैथिली दर्पण, तात्काल आदि ब्लाग सेहो छनि)। जे हो मुदा एकर लिंकसँ एहि ब्लागक तारीख पता चलि रहल अछि। मात्र दू टा पोस्टक बाद ई ब्लाग बंद भऽ गेल मने ओहिपर पोस्ट एनाइ बंद भऽ गेल। एहि ब्लागक अंतिम पोस्ट 19 फरवरी , 2005मे आएल।

कतेक रास बात

कतेक रास बातक लिंक http://vidyapati.blogspot.com/ अछि आब एकर पता http://www.vidyapati.org/ अछि मुदा दूनू लिंकसँ खुजैत छै)। एहि ब्लाग 5 टा संचालक छथि--आदि यायावर (मूल नाम: पद्मनाभ मिश्र), केशव कर्ण, राजीव रंजन लाल, कुन्दन कुमार मल्लिक आ सुभाष चन्द्र। कतेक रास बात नामक ब्लाग केर सभसँ पहिल पोस्ट जे देखा रहल अछि **(देखू चित्र- 1, चित्र सभ निच्चा अछि)** ताहिमे झोल-झाल छै। एकर URLमे http://www.vidyapati.org/2013/07/blog-post_28.html देखा रहल छै (देखू चित्र-1 केर उपर घेरामे) मतलब ई पोस्ट 2013 केर जुलाइ मासमे भेल छै। मुदा एकर प्रकाशन केर तारीख

July 01,1999 तारीख देखा रहल छै (देखू चित्र-1 केर नीचा घेरामे)। आ एहि पोस्टसँ पहिने आरो कोनो पोस्ट नै छै से न्यूअर पोस्ट देखलासँ पता चलि जाइत छै। एहि पोस्टक बाद जे पोस्ट अछि से सूचनाक रूपमे अछि आ तकर URL http://www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html अछि **(देखू चित्र- 2)** मने ई पोस्ट 2005 केर अगस्त मासमे भेल अछि (देखू चित्र-2 केर उपर घेरामे) मुदा फेर एहूक प्रकाशन तिथिमे गड़बड़ी कएल गेल अछि आ प्रकाशन तारीखकेँ November 28, 2004 बना देल गेल अछि (देखू चित्र-1 केर नीचा घेरामे)। एहि पोस्टक बाद बला जे पोस्ट अछि तकर URL http://www.vidyapati.org/2005/09/blog-post.html अछि मने ई पोस्ट 2005 केर सितंबर मासमे प्रकाशित भेल आ एकर प्रकाशन तारीख September 02, 2005 अछि मने एखन धरिमे इएह पोस्ट सही अछि **(देखू चित्र- 3)**। सितंबर 2005 केर बाद जुलाइ 2006मे पोस्ट भेल जकर URL अछि http://www.vidyapati.org/2006/07/blog-post.html आ एकर प्रकाशन तारीख अछि July 12, 2006 एहि आ एकर बाद बला पोस्टक URL आ प्रकाशन तारीख मीलै छै। जे गड़बड़ी छै से पहिलुक दूटा टामे आ से मात्र इतिहासमे गलत तरीकासँ पहिल स्थान बनेबाक लेल। जँ कतेक रास बातक एहि चारि टा पोस्टक तारीखकेँ सजाएल जाए तँ ई निश्चित भऽ जाइ छै जे एहि ब्लागक पहिल पोस्ट 1 अगस्तसँ लए कऽ 31 अगस्त धरिक बीचमे भेल छै (सुविधा लेल अगस्त-2005 नाम हम देलहुँ)। एकटा आर रोचक तथ्य ई जे कतेक रास बात केर परिचय **(पेज रूपमे, देखू चित्र-4)**मे एहि ब्लागक संचालक लीखै छथि "प्रिय पाठकगण;एहि ब्लोगऽक शुरुआत हम 2004 मे केलहुं. ताबय धरि हमरा जानकारी मे मैथिली भाषा इन्टरनेटपर नहि छलए"। ई कोन

जानकारीक दाबी भेलै। 2003मे प्रिंट पोथीमे पल्लव मिथिला बारेमे लिखाएल छै तखन आर हिनका कोन जानकारी चाही। भऽ सकैए जे संचालक सभ कहथि जे पल्लव मिथिला नेपालक अछि मुदा मैथिली तँ नेपालोमे छै आ ओनाहुतो इंटरनेटक कोन देश हेतै। इंग्लैंडमे चलि रहल मैथिलीक वेबसाइट वा ब्लागकेँ मैथिली भाषाक कहल जेतै या इंग्लैडक भाषाक। भऽ सकैए जे संचालक सभ कहथि जे हम ब्लाग 2004मे बनेलहुँ मुदा ओकर पहिल पोस्ट अगस्त 2005 मे भेल। एक मिनट लेल ई बात मानल जा सकैए मुदा जखन 2000 सँ लऽ कऽ 2003 धरिक सबूत उपल्बध छै तखन 2004 बला पहिल कोना भऽ जेतै? कतेक रास बात दिसम्बर 2013 धरि चलैत रहल ओहि केर बाद ओहिपर कोनो सक्रियता नै अछि। एहि ब्लागक संस्थापक कुमार पद्मनाभजीक प्रोफाइलसँ ज्ञात होइए जे ओ इंटरनेटक माहिर छथि आ हुनकर शिक्षा-दीक्षा ओही क्षेत्रमे भेल छनि तँइ ई मानब असंभव जे कुमार पद्मनाभजी एहन काज केने हेता। तखन बँचल हुनक सहयोगीगण। मुदा एकटा संचालक ओ संपादकक तौरपर नैतिक रूपसँ स्वीकार करहे पड़तिन जे हुनकर सहयोगीगण तथ्यकेँ तोड़ि मरोड़ि कऽ गलत काज केलथि।

गजेन्द्र ठाकुर अपन पोथी "कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक" (संस्करण 2009)मे एकटा आलेख देला जकर शीर्षक छै " भाषा आ प्रौद्यौगिकी (संगगणक, छायाकंन, कुंजीपटल, टंकण तकनीक) अंतर्जालपर मैथिली आ विश्वव्यापी अंतर्जालपर लेखन आ ई प्रकाशन" जे कि बादमे अंतिका पत्रिकाक अंतर्जाल विशेषांकमे "अंतर्जाल आ मैथिली" नामसँ सेहो प्रकाशित भेलै (संयुक्तांक रूपमे अक्टूबर-दिसम्बर 2009, जनवरी-मार्च 2010)। एहि आलेखमे गजेन्द्रजी "भालसरिक गाछ" संबंधमे चर्चा केने छथि जाहि के बाद भ्रम पोसए बला "पहिल" लोक सभहँक भ्रम टूटल आ तकरे फलस्वरूप ओ सभ गलत तथ्य प्रकाशित केलाह जे हम एतेक सालमे शुरू

केने रही तँ हम ओतेक सालमे शुरू केने रही। ठाकुरजीक ई आलेख ओहि समयमे पहिल ओहन आलेख रहै जाहिमे अंतर्जालक संबंधमे विस्तारसँ चर्चा रहै एते धरि जे बिना कोनो सर्टिफिकेट लेने अपनासँ कोना वेबसाइट बना सकै छी तकरो विधि ओहि आलेखमे छै। पाठक ई आलेख हुनक पोथी वा अंतिका पत्रिकाक "अंतर्जाल विशेषांक"मे पढ़ि सकै छथि। मैथिलीमे सभ ई मानै छथि जे हम जहियासँ काज शुरू केलहुँ सएह पहिल भेल। इतिहासमे तकनाइ, अध्ययन केनाइ हुनका पसंद नहि छनि (एकटा टटका उदाहरण हमरा भेटल जे एक वेबसाइट जे कि अगस्त 2012सँ चालू भेल हुनक दावा छनि जे हम अपन वेबसाइटपर पहिल बेर साक्षात्कार श्रृंखला चालू केलहुँ जे कमसँ कम कोनो वेब पत्रिकामे नै छल। आब देखू जे समदिया अक्टूबर 2011सँ "हम पुछैत छी" नामक साक्षात्कार श्रृंखला चलेलक आ एहिमे कुल सत्तावनसँ बेसी व्यक्तित्वक साक्षात्कार प्रस्तुत कएल गेल अछि। आब कहू पहिनेसँ के चला रहल अछि। एही ठाम अध्ययनक जरूरति पड़ै छै। बिना पढ़ने आ जनने पहिल केर बीमारी पोसने मैथिलीक सेवक सभ बहुत पसरल छथि)। हम पुछैत छी शीर्षक सभ साक्षात्कार एहि लिंकपर पढ़ि सकै छी- http://esamaad.blogspot.com/p/blog-page_22.html एतेक देखेलाक बाद हम "कतेक रास बात" केर संचालक सभसँ पूछए चाहैत छी जे जँ प्रकाशने तारीखकेँ मानक बूझी तखन मैथिली किएक ओ हिंदी आ भारतक पहिल ब्लाग हेबाक दाबी किए नै कऽ रहल छथि। हिंदीक पहिल ब्लाग "9-2-11" अछि जे कि आलोक कुमार जी 21 अप्रैल 2003 के शुरू केने छलाह। कतेक रास बातक तँ प्रकाशन तिथिक हिसाबसँ "9-2-11"सँ चारि साल पुरान अछि तखन "कतेक रास बात" केर संचालक सभ क्लेम करथु भारतक पहिल ब्लाग हेबाक। मुदा "कतेक रास बात" केर संचालक सभ नै कऽ सकताह कारण हुनका बूझल छनि अपन बैमानीक बारेमे। "कतेक रास बात" केर संचालक

सभ किछु ओहन नवसिखुआ सभकेँ बड़गला सकै छथि के मात्र एकांउटिंग उद्येश्यक संग कंप्यूटर चलबै छथि मुदा जे कंप्यूटरसँ नीक जकाँ परिचित छथि तिनका ओ कोना बड़गला सकै छथि। हम एहि लेखक माध्यमे "कतेक रास बात" केर संचालक सभकेँ चुनौती दै छियनि जे प्रकाशन तारीखक हिसाबसँ ओ अपन ब्लागकेँ भारतक पहिल ब्लाग घोषित करबाबथि आ से केलासँ ओ मैथिलिओक पहिल ब्लागर बनि जेता। एहि बीच 2018 मे फेसबुकपर हमरा ओ पद्मनाभजी बीच एही बात लऽ कऽ बहस भेल जकरा एहि लिंकपर देखल जा सकैए-- https://www.facebook.com/sanjeev.mithilakinkar/posts/10214777761532420

एहि बहसमे पद्मनाभजीक कहब रहनि जे जहिया हम ब्लाग चालू केने रही तहिया हमरा नै बूझल छल जे आनो कोनो ब्लाग वा साइट छै तँइ हमरे ब्लागकेँ पहिल मानल जाए। ई तर्क कतेक उचित से तँ पाठके कहता।

उपरक तथ्य सभसँ पता चलल हएत जे इंटरनेटपर --

1) भालसरिक गाछ (याहू सिटीज) 2000सँ अछि जकर लिंक http://www.geocities.com/bhalsarik-gachh/ अछि।

2) पल्लवमिथिला 2003सँ अछि जकर लिंक www.pallavmithila.mainpage.net अछि।

3) समदिया 2004सँ अछि जकर लिंक http://esamaad.blogspot.com/2004/ अछि।

4) अपन मिथिला 2004 सँ अछि जकर लिंक http://1asphost.com/aapanmithila अछि।

5) प्रकरांतर 12 फरवरी, 2005 केँ अछि जकर लिंक http://prakarantar.blogspot.com/2005/02/blog-post.html अछि।

6) कतेक रास बात अगस्त-2005सँ अछि जकर लिंक http://www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html अछि।

जँ भाषाक हिसाबें "अपन मिथिला"कैँ छोड़ियो दी तैयो ई निश्चित रूपेण कहल जा सकैए जे भालसरिक गाछ (याहू सिटीज) बला इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि। तकर बाद पल्लवमिथिलाक स्थान दोसर अछि। समदियाक स्थान तेसर अछि। प्रकरांतर केर स्थान चारिम अछि। आ अंतमे कतेक रास बात केर पाँचम स्थान अछि। बहुत संभव अछि जे इंटरनेटक अथाह दुनियाँ केर किछु तथ्य हमरासँ छुटि गेल हो तँइ जँ अहाँ सभ ओकर सूचना दऽ एहि लेखकेँ परिमार्जन करेबै तँ ई भविष्य आ इतिहास दूनू लेल नीक रहतै। आशा अछि जे कोनो गलती दिस निधोख भऽ अहाँ सभ सुझाव देब।

अध्याय-4, परिशिष्ट-1 चित्र सभ निच्चा अछि।

www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html

चित्र-2

कतेक रास बात

संपर्क करू
editor@vidyapati.org

मुख्य पृष्ठ | परिचय | कविता | कथा/कहानी | हास्य-व्यंग | लेखक/ कवि | आमंत्रण | सम सामायिक | संस्मरण | Contact

मैथिली भाषा

प्रिय मैथिल बन्धु:

ई सुचना प्रौद्योगिकीक युग मे अपन देवनागरी लिपि वा तिरहुता लिपि मे मैथिली भाषाक एहि जाल-स्थल सँ अनुपस्थिति एकटा सोचनीय विषय भ' गेल अछि. हम त सुरु केलहुँ मुदा एकरा आगु बढेबाक उत्तरदायित्व अपने सभ' लोकनिक थीक. **हम ताकि रहल छी किछु युवा मैथिल कें जे एहि दिशा मे कार्य करथि.**

जे कियो मैथिल बन्धुगण एहि मे भाग लेबाक इच्छा राखति छथि हुनकर हम करेजाक पेनीक सतह सँ स्वागत करैत छिहन्हि. हमरा एहि ई-मेल पर सम्पर्क काएल जाओ

mishrapadmanabh@email.yahoo.com

You might also like:

किछु टटका रचना

पाठक लोकनि सँ आग्रह जे कतेक रास बात'क नव रुप रेखा केहेन लागल, टिप्पणी द्वारा सुचित करब.

टटका कविता
1.किछु त हम करब --किशन कारीगर
2. स्वागत बसंत --करण समस्तीपुरी
3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर --आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका

www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html

अपने सभ' लोकनिक थीक. **हम ताकि रहल छी किछु युवा मैथिल कें जे एहि दिशा मे कार्य करथि.**

जे कियो मैथिल बन्धुगण एहि मे भाग लेबाक इच्छा राखति छथि हुनकर हम करेजाक पेनीक सतह सँ स्वागत करैत छिहन्हि. हमरा एहि ई-मेल पर सम्पर्क काएल जाओ

mishrapadmanabh@email.yahoo.com

You might also like:

3. अंतर --सुभाष चंद्र
4. कालजयी -विवेकानंद ठाकुर

टटका कथा
1. विवाह'क तेसर सप्ताह --आदि यायावर
2. स्टेशन पर'क हरियर दुबि आ लाल गुलमोहर --आदि यायावर

टटका व्यंग
1. बुढ़'क अर्थशास्त्र --खट्टर काका

जलकुम्भी भाग-२ (लेखिका- अल्पना) | अतुल्य-प्रकाश उर्फ बब्लू (एक कहानी) | जलकुम्भी (उपन्यास, अँक-२, भाग-२)

- Kumar Padmanabh जी द्वारा प्रेषित Sunday, November 28, 2004

7 comments:

nikhil said...

I appreciate the work you want people to do. I will try sending you a link of a software which can convert litterals in English to that in Devnagri lipi, such that when we type "KUCH" it type the coressponding word in Devnagri which means "something". I will send you the link in next comment.

16 July, 2006 00:07

प्रशंसक बनु

Join this site
with Google Friend Connect

Members (168) More »

Already a member? Sign in

टटका टिप्पणी

कथा'क अगिला अंश एतय पढ़ू http://www.vidyapati.... - आदि यायावर

www.vidyapati.org/2005/08/blog-post.html

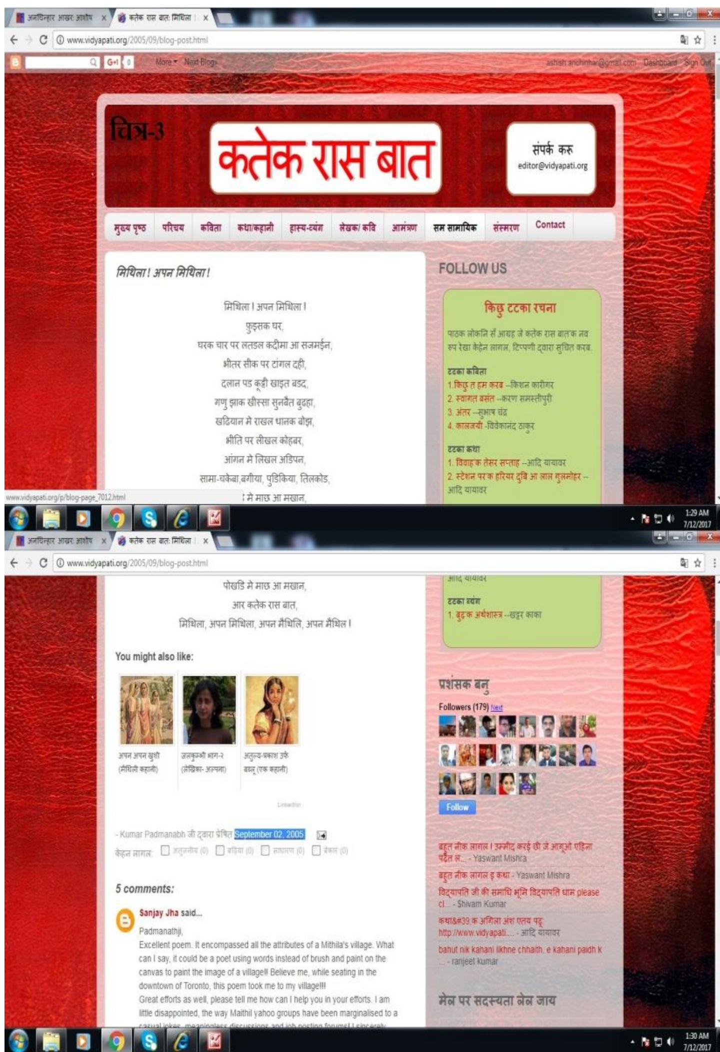
sandy said...

i dont have much idea as to how to write in devnagri on from this keyboard with roman letters ...nikhil ...i would really appreciate it if u could provide the software.

25 February, 2007 00:02

मेल पर सदस्यता लेल जाय

अपन ई-मेल पता भरु


चित्र-3
कतेक रास बात
संपर्क करू
editor@vidyapati.org
मुख्य पृष्ठ
परिचय
कविता
कथा/कहानी
हास्य-व्यंग
लेखक/ कवि
आमंत्रण
सम सामयिक
संस्मरण
Contact
मिथिला ! अपन मिथिला !
मिथिला ! अपन मिथिला !
फुइसक घर,
घरक चार पर लतडल कदीमा आ सजमईन,
भीतर सीक पर टांगल दही,
दलान पड कूडी खाइत बडद,
गणु झाक खीस्सा सुनबैत बुढहा,
खढियान मे राखल धानक बोझ,
भीति पर लीखल कोहबर,
आंगन मे लिखल अडिपन,
सामा-चकेबा,बगीया, पुडिकिया, तिलकोड,
पोखडि मे माछ आ मखान,
आर कतेक रास बात,
मिथिला, अपन मिथिला, अपन मैथिलि, अपन मैथिल !
FOLLOW US
किछु टटका रचना
टटका कविता
टटका कथा
टटका व्यंग
You might also like:
- Kumar Padmanabh जी द्वारा प्रेषित September 02, 2005
5 comments:
Sanjay Jha said...
Padmanathji,
Excellent poem. It encompassed all the attributes of a Mithila's village. What can I say, it could be a poet using words instead of brush and paint on the canvas to paint the image of a village!! Believe me, while seating in the downtown of Toronto, this poem took me to my village!!!
Great efforts as well, please tell me how can I help you in your efforts. I am little disappointed, the way Maithil yahoo groups have been marginalised to a
प्रशंसक बनू
Followers (179)
Follow
मेल पर सदस्यता लेल जाय



http://**videha**.com/

भालसरिक गाछ- प्रथम मैथिली ब्लॉग / मैथिली ब्लॉगक एग्रीगेटर

101 0 0 0

258 capture(s) from **2004** to **2016** | Site stats

http://**videha**-aggregator.blogspot.com/

maithili blog aggregator मैथिली भाषाक जालवृत्तक एग्रीगेटर

1 1 0 0

2 capture(s) from **2016** to **2016** | Site stats

DONATE

Explore more than 720 billion web pages saved over time

videha

Results: 50 100 500

http://**videha**.listen2myradio.com/

***videha** radio*

1 0 0 0

4 capture(s) from **2011** to **2016** | Site stats

पद्मनाभजीक संग भेल बहसक मुख्य अंश--

संजीव मिथिलाकिङ्कर

1 October 2018 ·

● इंटरनेटपर मैथिली...

- ■ www.videha.co.in
- ■ maithili-katha.blogspot.com
- ■ desilbayna.blogspot.com
- ■ maithili-haiku.blogspot.com
- ■ manak-maithili.blogspot.com
- ■ maithilikavita.blogspot.com
- ■ maithilifilms.blogspot.com
- ■ pradhanmaithili.blogspot.com
- ■ pankajjha23.blogspot.com
- ■ maithilbhooshan.blogspot.com
- ■ videha-aggregator.blogspot.com
- ■ maithilijokes.blogspot.com
- ■ maithilivideos.blogspot.com
- ■ maithili-drama.blogspot.com
- ■ girijanandsinha.blogspot.com
- ■ adi-maithili-kavita.blogspot.com
- ■ maithili-kavita.blogspot.com
- ■ maithili-samalochna.blogspot.com
- ■ hellomithilaa.blogspot.com
- ■ mithilasamad.blogspot.com
- ■ www.samaysaal.com
- ■ gaam-ghar.blogspot.com

- www.hellomithila.com
- maithilicinema.blogspot.com
- maithilionline.blogspot.com
- maithili-darpan.blogspot.com
- maithilipoetry.blogspot.com
- www.maithili-samalochna.blogspot.com
- maithilimandan.blogspot.com
- www.vidyapati.org
- mithila-mihir.blogspot.com
- videha-video.blogspot.com
- mai.wikipedia.org
- videha-sadeha.blogspot.com
- mailorang.blogspot.com

See Translation

Kumar Padmanabh सबसँ पहिल वेबसाइट एतेक पाछु में

Ashish Anchinhar कोन सभसँ पहिल साइट अछि

Ashish Anchinhar की भेल प्रकाशजी Prakash Jha, जँ तारीखे बदलि लोक अपन साइटकेँ पहिल घोषित कऽ सकै छथि तँ हमहीं किए पाछू रहू। देखियौ मैथिलीक पहिल साइट "अनचिन्हार आखर" जे 1999 सँ शुरू भेल.....

Kumar Padmanabh ई त' बहुत नीक गप्प जे 2003 सँ पहिने देवनागरी लिखबाक लेल कोनो टूल बनलो नइँ छल. हिंदीक पहिल ब्लाग 2003क पूर्वार्ध मे आएल छल. नवम्बर 2003 मे हम http://vidyapati.blogspot.com बनेलहुँ. नवम्बर 2003

मे Dhanakar Thakur खड़गपूर आएल छलाह. हुनका लेल दोसर वेबसाइट 2004 मे बनेलहुँ. 2003 सँ 2005 धरि हमर वेबसाइट'क अलावा हमरा कोनो दोसर नइँ देखा पड़ल. भ' सकैत छैक हम ताकि नइँ सकलहुँ. अपने गलती मानैत छी. 2005-2007 धरि एकोटा साहित्यिक वेबसाइट नइँ छल. ओना 10-15 टा आन वेबसाइट सब छल. 2009-2011 धरि बहुत वेबसाइट आएल. ओकर बाद हम अपन हाथ पाएर समेटि लेलहुँ.



VIDYAPATI.ORG

कतेक रास बात

कतेक रास बात

Ashish Anchinhar श्रीमान् जी अहाँ ठीके नै ताकि सकलहुँ नै तँ बहुत रास भेटल रहैत लिंक दऽ रहल छी लेख पढ़ि लेब आ तकर बाद हमर तर्क कटबाक प्रयास करब--- https://sites.google.com/.../videha/Home/Videha 230.pdf...

लेख केर नाम अछि "कतेक रास बात" इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति नै अछि" उम्मेद अछि पढ़ि कऽ हमर तर्क काटब

Kumar Padmanabh 1999 सँ दोसर मैथिलीक वेबसाइट छल,

ई त बहुत बढियाँ. मुदा हमर उत्सुकता अछि जे जखन देवनागरीक कोनो टूले नइँ बनल छल तखन देवनागरी मे कोनो पोस्ट होएत छल. ओहि जमाना मे वेबसाइट बनेनाय बहुत कठिन छल. जिनका वेबसाइट बनबए आबैत छलनि लाखोँ मे कमबैत छलाह. गुगल 2003 मे ब्लोगर शुरु केलक. ओहि सँ पहिने नहि छल.

Kumar Padmanabh गुगल साइट आ गुगल ब्लाग 2003 सँ पहिने नहि छल.

Kumar Padmanabhhttps://en.wikipedia.org/wiki/Blogger_(service)

EN.WIKIPEDIA.ORG

Blogger (service) - Wikipedia

Blogger (service) - Wikipedia

Kumar Padmanabh हमरा मानबा मे कोनो आपत्ति नहि जे अहाँक आकि कोनो आन वेबसाइट 2003 सँ पहिने छल. कनि तर्क सँगत जानकारी दैतहुँ त' हमहुँ लोक सबकेँ कहितहुँ. ई त' बहुत नीक गप्प हेतैक जे 1999 सँ मैथिलीक वेबसाइट छल.

Ashish Anchinhar श्रीमान् तामसे आन्हर नै होउ। उपर हम लेखक लिंक देने छी से तँ पहिने पढ़ू ने, तकर बाद तर्क करब

Ashish Anchinhar

Kumar Padmanabh हम पढिए के लिखने छी. मुदा जखन गुगल ब्लाग 2003 मे बनेने अछि आ गुगल . साइट 2008 मे बनेने अछि ओहि सँ पहिने कोना सम्भव अछि. एतबी कहबाक

अछि. https://en.wikipedia.org/wiki/Google_Sites

EN.WIKIPEDIA.ORG

Google Sites - Wikipedia

Google Sites - Wikipedia

Ashish Anchinhar सिरिमान जी, विदेहक 230म अंकमे जे आलेख हम लिंकमे देने छी से पढ़ू आ तकर बाद अपन तर्क दियौ

Kumar Padmanabh 2003-2004 मे हम धनाकर ठाकूर लेल geocitiesपर बनेने छलहुँ.

Ashish Anchinhar बनेने हेबै मुदा ओहिसँ पहिने 2000 कियो आर बना लेने रहै, धीरेन्द्र प्रेमर्षि सेहो 2003 जनवरीमे बनेने रहथि से नेपाली वेब पत्रिकापर लिखाएल पोथीमे सेहो उल्लेख छै, ओ पोथी सेहो 2003 मे प्रकाशित भेलै तखन अहाँक साइट कोना पहिल भेल, पूरा पढ़ू आ तकर बाद तर्क दियौ

Kumar Padmanabh वएह त' कहैत छी. भ' सकैत छैक किओ बनौने हेताह. हमर जानकारी मे नइँ होएत. 2003 जनवरी मे तकनीकी रुपेँ सम्भव छलए. यूनिकोड आबि गेल छलए. मुदा 1999 मे तकनीकी रुपेँ सम्भव नहि छल. हँ अग्रेजी मे मैथिलीक बहुत साइट छल.

Ashish Anchinhar सरकार लगैए हमर लेख नै पढ़लहुँ आ खाली एहिठामक हमर कमेंट पढ़ि रहल छी। लेख पढ़ू। पूर्ण रूपेन साबित भऽ गेल छै जे अपनेक साइट (कतेक रास बात) मैथिलीक पहिल साइट नै अछि, जँ आगू बात बढ़ेकाक हो तँ ओहि आलेखमे जे हमर आपत्ति अछि तकरा तर्कसँ खारिज करू

Kumar Padmanabh अहाँ त' स्क्रीन शाट देने छीयै जे अहाँक ब्लोग 1999 सँ अछि. मुदा गुगल 2003 मे ब्लागर बनेने अछि. गुगल साइट सेहो 2008 मे बनल अछि. कोना मानि ली. हिंदीक पहिल ब्लाग सेहो 2002-2003 मे बनल छल. हमर दिमाग एहि सँ बेसी नहि लागि रहल अछि. मुदा हमरा स्वीकार करबा मे कोनो अशौकर्य नहि अछि. हमरा बड्ड नीक लागत जँ बुझि मे आबए जे 2003 सँ पहिने कोनो वेबसाइट छल. ओना अहाँ पहिल बेर कतेक रास बात कैँ 2008 मे डिसकवर केलहुँ. अहाँक टिप्पणी हमर ईमेल मे एखन धरि सुरक्षित अछि.

Ashish Anchinhar कतेक बुझाबी अहाँ के..। अहाँ एहि लिंकपर जा कऽ लेख किए ने पढ़ै छी https://sites.google.com/.../videha/Home/Videha230.pdf...

रहलै हमर कमेंटक गप्प तँ भाषा बुझबामे एखन अहाँ अपरिपक्व छी। पहिने देल लिंकपर जा कऽ लेख पढ़ू

Kumar Padmanabh जी की करबै, हम ठीके अपरिपक्व छी. नहि बुझि मे आबि रहल अछि. तकनीकी गप्प आओर बेसी नहि बुझि मे आबि रहल अछि. इएह उपसँहार भेल एतेक गप्प आ तर्कक. रहय दियौ. हम पहिने कहि देने छलहुँ जे हमरा स्वीकार करबा मे कोनो आपत्ति नइँ. स्वीकार केलहुँ.

Ashish Anchinhar अहाँ लेख पढ़ू तकर बाद तर्क करू आ हमर तर्कक़ैँ खारिज करू

Ashish Anchinhar संजीव सिन्हा संजीव मिथिलाकिङ्कर जी हम अहाँसँ आग्रह करैत छी जे अहाँ एहि लिंकपर जा कऽ लेख पढ़ू आ तकर

बाद कुमार साहेबजीकेँ कहियौन https://sites.google.com/.../videha/Home/Videha230.pdf...

कुमार साहेब पता नै लेख पढ़बामे किए संकोच कऽ रहल छथि।

Dhanakar Thakur 18.1.2004 Kharagpur W.B. Maithili Padmnabh came at station for making website of AMP

Ashish Anchinhar अरे भाइ जे 2000 मे साइट बनलै से पहिल हेतै कि 2004 बला, उपरमे लिंक देल गेल अछि हमर लेखकेँ मात्र तर्कसँ खारिज करू

Ashish Anchinhar Dhanakar Thakurhttps://sites.google.com/.../videha/Home/Videha230.pdf... एहि लिंकपर जा कऽ हमर लेख पढ़ू आ ओकर तर्ककेँ काटू

Dhanakar Thakur dekhk prayas kayl. sankshep me likak chahee je kee bat. Kono lekh me Introduction aa summary and conclusion hoit chhai- ham kichhu minut me confise bhelanhu.

Dhanakar Thakur Padmnabh Maithilipremi chhathi aa mithilavasi b ahut din chalelah .

Dhanakar Thakur Maithiliee me hamar 1973 k science artcle(Vishanu: Vish va Nav Jibank

nirman) Viruses k oopar BSC(Hons) standard k Ranchi College magzine 1973 m,e chhapal chhal(aab uplabdh nahi) ek prati bhetal achhal se kinko lkag chali gel.

Ashish Anchinhar मैथिलीप्रेमी छथि ताहिमे केकरा संदेह छै मुदा तँइ हुनक 2005 मे बनाओल साइट पहिल भऽ जेतै आ 2000 बला नै से कोना मानल जाएत। लेख नीकसँ पढ़बै तँ कोनो दिक्कत नै रहत

Dhanakar Thakur Maithileek kaj karait rahu-bi9na sochne je ham pahile. Hamra sab din ee batr uthait achhi_ Mithila rajya sangharsh samiti 8.1.1995 k banaulanhu ham_ aab kiyo claim karit chhathi 1985 me o..

Ashish Anchinhar ई महान उपदेश पद्मनाभ बाबूकेँ दियौन वएह जबरदस्ती आफन तोड़ने छथि

Dhanakar Thakur Ham Maithilik kaj me ona 1992 s chee aa CHHOT RAJYA Vikas lel awashyak 20.9.1992 k Ranchee express daily me chhapal achhi. takar baad lagatar chee.

Ashish Anchinhar जे क्लेम करै छथि तिनकासँ सबूत माँगू जेना हम पद्मनाभजीसँ माँगि रहल छियनि

Dhanakar Thakur Ashish Anchinhar Padmnabh swaym IT expert chhathi.

Ashish Anchinhar ई कोन तर्क भेल? मने आइ.टी एक्सपर्ट

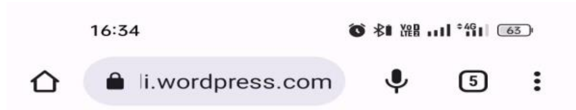
भेलासँ ई मानि लेल जेतै जे ओ पहिल साइट बनेने छथि। की अहाँ मानै छी जे पद्मनाभजी विश्वक पहिल आ अंतिम आइ.टी एक्सपर्ट छथि

एहि कमेंटक बाद आर कोनो कमेंट ने उम्हरसँ आएल आ ने हम केलहुँ। पाठक जखन एहि बहसकेँ पढ़ि रहल हेता तखन एकटा बात नोटिस केने हेताह जे पद्मनाभजी बेर-बेर कहि रहल छथिन जे 2003 सँ पहिने देवनागरी लिखबाक कोनो टूल नै छल। आ तकर जबाब हम नै देने छियै कारण ओकर खगता हमरा नै बुझाएल। खगता अइ दुआरे नै बुझाएल जे पाठक सभकेँ पता छनि जे 1997 मे कृतिदेव आ सुशा फाण्ट देवनागरी लेल बनि चुकल छलै आ प्रारंभिक साइट-ब्लाग सभ ओही फाण्टसँ संचालित छलै। स्वाभाविक तौरपर जकरा सिस्टममे ई फाण्ट सभ नै छलै ओकरा देवनागरीक बदला अल्फा-बीटा-गामा सन साइन बनि कऽ आबि जाइत छलै। एखनो सएह होइत छै। एकटा आर बात नोटिस केने हेबै जे बहसमे पद्मनाभजी एकटा लिंक ई कहि कऽ देने छथि जे 2003 सँ पहिने ब्लागर नहि रहै जखन कि ओहि लिंकमे ई लीखल छै जे ब्लागर पहिनेसँ रहै मुदा गूगल ओकरा 2003 मे कीनि लेलकै।

आब पाठक पद्मनाभजीसँ प्रश्न करथि जे ओ एना इतिहासकेँ किएक भ्रमित करबापर लागल छलाह।

एहि ठाम पहुँचि पाठककेँ एकटा आर सूचना दी जे पद्मनाभजी द्वारा 'यायावर' नामसँ एकटा आर ब्लाग अछि जकर पहिल पोस्ट 22 सितम्बर 2006 मे भेल। एकर पहिल पोस्ट केर लिंक अछि https://maithili.wordpress.com/2006/09/22/5/ मुदा जँ अहाँ ठीकसँ चेक करबै तँ ई पहिल पोस्ट केर दोसरो लिंक छै पेज बला https://maithili.wordpress.com/page/11/ माने एकै पोस्ट केर दू टा लिंक अछि।

एहिमे तँ पद्मनाभजी आर हास्यास्पद तर्क दऽ रहल छथि। डोमेन नेम मैथिली छै तँ ओकरा भाषा मैथिलीसँ कोन मतलब भेलै? एहि तर्कक हिसाबसँ हिनके ब्लाग 'कतेक रास बात' मैथिलीक भइए ने सकैए। डोमेन नेम किछु भऽ सकै छै। ओना हम उपर मे देने छी जे बर्ख 2000 मे http://maithili.org/आ तकर बाद http://maithili.net/ आएल रहै प्रवासी अमेरिक मैथिल सभहक प्रयाससँ। जे सचर पाठक छथि जे बुझि सकै छथि जे पद्मनाभजी बादमे एहि सूचनाकेँ पेज बना कऽ देलथि। ई ब्लाग वस्तुतः 2006 केर अछि। पाठक लेल एकर फोटो दऽ रहल छी। जँ यायावर नामक ब्लाग 2003 सँ छै तखन पद्मनाभजीकेँ "कतेक रास बातमे ई लिखबाक की जरूरति छलनि जे "एहिसँ पहिने (2004 सँ पहिने) इंटरनेटपर मैथिली नहि छलै|”



मैथिली: स्वंयसेवी साहित्य....

चन्दा...मैथिली साहित्य'क..... प्रिय मैथिल बन्धु; हमर नाम पद्मनाभ मिश्र थीक.एहि ब्लोगक शीर्षक पढ़ि कनिएँ अजीब सन जरूर ... Continue reading →

September 22, 2006 1 Reply

एहि ब्लॉग पर हम यात्रा वृताँत प्रस्तुत करैत रहब. ई ब्लाग हम 2003 मे बनेने छलहुँ. maithili सब डोमेन भेट गेल छलए जाहि सँ पुष्ट होएत अछि जे एहि सँ पहिने किओ मैथिली मे ब्लाग नहि बनेने छलथि. पहिने एहि ब्लाग पर सम समायिक पोस्ट होएत छल. आब ई हमर यात्रा वृताँत लेल होएत.

अध्याय-5

2004 सँ 2007 क बीचक किछु ब्लाग/साइट, मोजिला फायरफॉक्स, Bing translator, ISSN आदि।

उपरक छह टा प्रारंभिक ब्लागक अतिरिक्त किछु एहन ब्लागक सेहो अछि जे कि 2004 सँ 2007 क बीचक अछि ताहिमेसँ किछु एना अछि (एहिमे गजेन्द्र ठाकुर द्वारा बनाएल ब्लागक लिस्ट एहिठाम हम नै दऽ रहल छी कारण ओ सभ लगभग 20 टा छै। पाठक एकरा विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण बला पन्नापर जा कऽ देखि सकै छथि। ठीक ओही पन्नापर मैथिलीमे बनल सभ ब्लाग-साइट केर लिंक सेहो भेटत) —

"हरिमोहन झा के लिखल किछु प्रसिद्ध रचना" एहि नामक ब्लाग राजीव रंजन लाल जी द्वारा जुलाइ 2006 मे बनाएल गेल जाहिपर हरिमोहन झाजीक एकटा कथा देल गेल अछि। एकर लिंक अछि- http://paanch-patra.blogspot.com/

मिथिला मिहिर January 10, 2007 सँ अछि जकर लिंक http://mithila-mihir.blogspot.com/ अछि आ ई अविनाश दास द्वारा संचालित अछि।

"गरम छै" एहि नामक ब्लाग इंद्रकांत लालजी द्वारा मार्च 2007 मे बनाएल गेल जाहिपर कुल दस टा पोस्ट अछि। एकर लिंक अछि- http://haasparihaas.blogspot.com/2007/03/ , "मैथिली कविता केर संग्रह" ईहो ब्लाग राजीवे रंजन लाल जी द्वारा मई 2007 मे बनाएल गेल छल जाहिमे कुल तीनटा कविता अछि। एकर लिंक अछि-- http://maithilipoetry.blogspot.com/2007/05/

बताह मैथिल नामक ब्लाग September 2007 सँ अछि। एकर लिंक http://batahmaithil.blogspot.com/ अछि। एकर संचालक पंकज कुमार झा छथि। ई ब्लाग एहि ब्लागपर मिश्रित विषय केर पोस्ट सभ रहैत अछि मने ई ब्लाग कोनो विषयकेँ अनुसरण नै करैत अछि। एहि ब्लागक अंतिम पोस्ट जनवरी दू हजार सोलहमे भेलै।

2009 केर बाद मैथिली वेब पत्रकारितामे रोशन चौधरीजीक आगमन भेल आ ई मैथिली लेल फलदायी भेल। एखन धरि रोशनजी द्वारा मैथिली लेल बहुत रास बेबसाइट बनाओल गेल (साइटक संग ओकर काज सेहो लीखल गेल अछि)। जँ रोशनजी द्वारा कएल गेल काज देखी तँ किछु काज जरूरे महत्वपूर्ण अछि जेना मैथिली लिपि, मैथिली पतरा, mithilahost, मिथिलाफेस आ मिथिला.ओआरजी। एकर सभहँक विवरण आगू सूचीक हिसाबे देल जा रहल अछि। रोशनजीक परिचय हुनकर व्यक्तिगत साइट http://www.roshanchoudhary.in/पर छनि।

संगीता कुमारी आ राजेश रंजन जी प्रयास तँ बहुत पहिनेसँ कऽ रहल छलाह मुदा हुनकर नेतृत्वमे बर्ख 2012 मे मोजिला फायरफॉक्समे मैथिलीकेँ स्थान भेटलै। एहि समादकेँ एहि लिंकपर पढ़ि सकैत छी https://blog.mozilla.org/l10n/2012/08/28/maithili-localization/ एहि परियोजनामे जे लोक सभ सहयोग केलाह से Maithili (mai) team छलाह आ एहि टीममे Rakesh Roshan <roshanr15@gmail.com>, Sadan Jha <sadanjha@gmail.com>, Nikhil R K, Pratibha Kumari आदिक नाम अछि। ई Paid Project छलै।

Microsoft Bing Translator केर मैथिली भाषा बला भाग एकटा Paid Project छै जे Microsoft द्वारा जवाहर लाल नेहरू

विश्वविद्यालय (JNU)केँ देल गेलै आ JNU दिससँ ओहि विश्वविद्यालय केर संस्कृत प्रोफेसर डा. गिरीशनाथ झा एकरा प्रारंभ ओ संपूर्ण केलथि। Bing Translator https://www.bing.com/translator 19 मइ 2023 सँ सुचारू रूपे शुरू भेल। एहि लिंकपर जा कऽ अनुवाद केर सुविधा लऽ सकैत छी। हिनकर दोसर काज मैथिली लेक्सिकन शब्दकोश http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili अछि। JNU आ गिरीशनाथजी सँ जे-जे काज मैथिली लेल भेल अछि तकरा एहि लिंकपर जा कऽ देखि सकैत छी। http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp

आगू बढ़बाकसँ पहिने एक बेर ISSN केर विस्तृत चर्चा कऽ ली। ISSN (International Standard Serial Number) विश्वस्तरपर संचालित होइत छै जे ISSN International Center नामक संस्था द्वारा संचालित छै। ई प्रिंट आ इलेक्ट्रानिक दूनू लेल उपल्बध छै। ISSN पत्र-पत्रिका लेल तँ ISBN पोथी लेल होइत छै। ISSN लेबाक लेल नियम छै जे पत्र-पत्रिका जहियासँ शुरू भेल अछि तकर पहिल अंक दऽ कऽ ई नम्बर लऽ सकैत छी। माने जँ अहाँक पत्रिका 1990 मे छपल मुदा ताहि समयमे अहाँकेँ पता नै छल आ 2023 मे पता चलल जे ISSN होइत छै तँ अहाँ आवेदन केलहुँ आ ओकर पहिल अंक 1990 देलियै। आ जँ अहाँ 1990 बला अंक केर प्रति लगा देलियै तखन अहाँक पत्रिकाकेँ 1990 सँ ISSN देल जाएत। जाहि बर्खक सबूत देबै ताही बर्खसँ ओकरा देल जाएत। 2008 मे जखन भालसरिक गाछ केर नाम बदलि विदेह कएल गेलै। आ बदलल नामक संग ओही बर्ख ISSN केर लेल जखन आवेदन कएल तखन ओकर सामग्रीक आधार भालसरिक गाछ भेलै। तँइ ISSN साइटपर नाम विदेह रहलै मुदा बर्ख 2004 छै। विदेह केर पहिल पाँच-छह टा अंकमे

भालसरिक गाछ केर सामग्रिए उपयोग कएल गेल छै। एहि ठाम हम ISSN केर साइटसँ सूची दऽ रहल छी जकरा ISSN भेटल छै । संगे-संग ईहो कहब उचित रहत जे 2008मे विदेहकेँ भेटलाक बादे गजेन्द्र ठाकुरजीक सहायतासँ आन पत्रिका अपना लेल ISSN लेलक।

7/12/22, 8:17 PM National Science Library - Our Team

About ISSN | Apply Online | Application Status | Search ISSN | Guidelines | FAQs | Contact Us

Assigned ISSN(s)

Keyword

SUBMIT

Search sample
Title : Indian Journal of Fibre and Textile Research
ISSN : 0975-1025
Place : New Delhi

Total records= 5

S No.	ISSN	Title	Place	Starting year of publication	Frequency	Language	Print/Online
1	2229-5291	Maithili	Darbhanga	2006	1/12	English	Print
2	2229-547X	Videha	New Delhi	2004	24/12	Maithili	Online
3	2347-4319	Shodharthi	Bhagalpur	2012	1/12	Maithili	Print
4	2348-5744	Maithili lok Manch	New Delhi	2014	4/12	Maithili	Print
5	2582-1660	TEER BHUKTI	Delhi	2018	Quarterly	Maithili	Print

शायद ISSN बला बीच-बीचमे अपन रूटीन औडिट करैत छै ई चेक करबाक लेल जे पत्रिका केर स्थिति की छै। 2021 मे विदेहक चेक सेहो भेल रहै जकर फोटो सेहो दऽ रहल छी-

Linking ISSN (ISSN-L): 2229-547X
ISSN : 2229-547X
Title of cluster (medium version): Videha
Key-title: Videha
Title proper: Videha
Country: India
Medium: Online
Last modification date: 06/02/2021
Type of record: Confirmed
ISSN Center responsible of the record: ISSN National Centre for India
URL: http://www.videha.co.in

http://nsl.niscair.res.in/ISSNPROCESS/applyissn.jsp ई लिंक अछि ISSN लेल।

अध्याय 6

मैथिलीक पहिल वेब संगोष्ठी

मैथिलीमे पहिल बेर वेब संगोष्ठीक रूपमे विदेह द्वारा निर्मलीमे गोष्ठी तीन सालक बीच लगातार करबाएल गेल छल सितम्बर 2008 सँ दिसम्बर 2011 धरिमे जकर समाद एहि लिंकपर देखि सकैत छी http://esamaad.blogspot.com/2012/01/blog-post_08.html ई गोष्ठी मैथिली लेल गूगल ट्रांसलेटर टूलकिट विकीपीडिया मैथिली आदि सभपर छल।

एखन बहुत रास लोक कहै छथि जे पहिल वेब संगोष्ठी दिल्ली कि मुंबइ कि कलकत्तामे भेलै हुनका ई बूझि लेबाक चाही जे पहिल केर घोषणा करबासँ पहिने इतिहास केर जानकारी आवश्यक। बिना जानकारी लेने अपने काजकेँ पहिल मानि लेब अल्पज्ञता थिक। ई भ' सकैए जे बाद बला लोक धूमधामसँ मनौने होथि वा हुनक गोष्ठीमे वक्ताक संख्या बहुत बेसी होइन वा हुनकर ओहि गोष्ठीक उद्घाटन प्रधानमंत्री केने होथि मुदा तँइसँ पहिल केर अस्तित्वपर प्रभाव नै पड़तै। हँ, ई छूट बाद बला सभ ल' सकै छथि जे ओ अपन गोष्ठीसँ पहिने कोनो विशेषण लगा लेथि जेना "हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर एक हजार कुर्सी लगाएल गेल छल, हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर प्रधानमंत्री एलाह, हमर गोष्ठी पहिल एहन गोष्ठी अछि जाहिमे पहिल बेर प्लास्टिक कपमे चाह पिआएल गेलै" आदि आदि। मुदा हुनका बिना अध्ययन ओ सबूतक ई कहबाक अधिकार नै छनि जे हमर गोष्ठी मैथिलीक पहिल वेब संगोष्ठी छल। उम्मेद अछि जे प्रारंभिक स्वरूप फड़िछा गेल हएत। तँ आउ आब हम किछु वेबसाइट, ब्लाग आदिक परिचय करबा रहल छी।

अध्याय-7
भाषा-साहित्य खंड

साहित्य खंडमे हम जाहि ब्लाग ओ बेवसाइटकेँ राखि रहल छी ओ अछि-- कतेक रास बात, विदेह, मैथिल आर मिथिला (बादमे मिथिला दैनिक), अनचिन्हार आखर, ई-मिथिला, बताह मैथिल, मिथिला-विदेह-वज्जि आदि। निच्चा एकर विवरण देल जा रहल अछि-

कतेक रास बात (http://www.vidyapati.org)--- एहि ब्लाग केर माध्यमसँ लगभग 200-250 रचना मैथिलीकेँ भेटि चुकल छै। एहि ब्लागपर मुख्यतः आदि यायावर, आदि यायावर (मूल नाम: पद्मनाभ मिश्र), केशव कर्ण (करण समस्तीपुरी) , राजीव रंजन लाल, कुन्दन कुमार मल्लिक, सुभाष चन्द्र, रोशन कुमार झा, अविनाश, अजित कुमार झा, अल्पना, इंद्र कान्त लाल, ज्योति प्रकाश लाल, मीनू राजीव लाल, विजय ठाकुर सहित अनेको नव-पुरान लेखक केर रचना भेटत। एहि ब्लागपर उपन्यास जलकुम्भी (पहिल किस्त आदि यायावर) एकटा नीक प्रयोग अछि। एकर पहिल किस्त लिखलाक बाद आदि यायावरजी आन लेखककेँ आमंत्रित केला आ बादक किस्त सभ विभिन्न नामसँ भेटैत अछि। जँ एहि उपन्यास आन भाग सभ अलग-अलग लोक लिखने हेता तखन ई नीक प्रयोग हएत मुदा जँ ई नाम सभ संपादके बला अछि तखन एकरा मात्र प्रिंट पत्रिका बला मजबूरी मानल जाए (प्रिंट पत्रिकामे रचना नै एलापर संपादके छद्म नामसँ अपन रचना प्रकाशित करए लागै छथि) एहि ब्लागपर मुख्यतः कथा ओ संस्मरण साहित्य केर बेसी सृजन भेल अछि।

विदेह (http://www.videha.co.in) - विदेहक पूर्व रूप

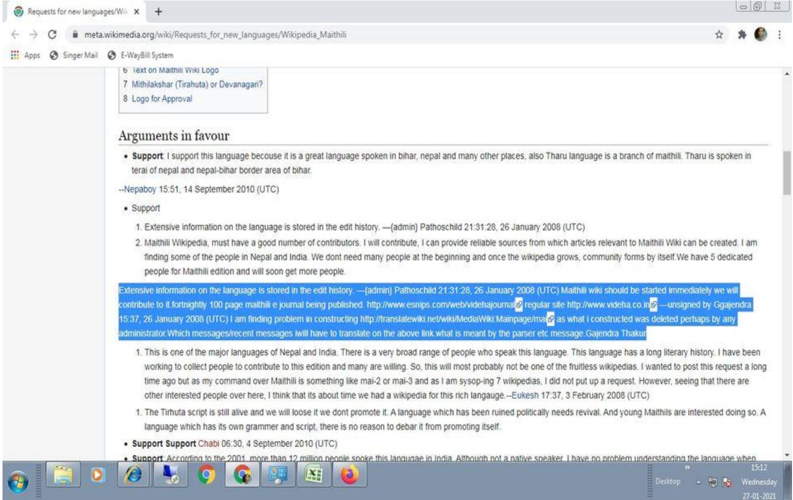
भालसरिक गाछ केर चर्चा पहिने केने छी हम। विदेहक रूपमे पहिल अंक 1/1/2008कैँ प्रकाशित भेल आ ई हरेक मासक 1 आ 15 तारीखकैँ प्रकाशित होइत अछि। 1/7/2023 धरि विदेहक कुल 373 अंक प्रकाशित भऽ चुकल अछि। इंटरनेटक संसारमे विदेहक अलग ओ बेछप स्थान छै। इंटरनेटक संसारमे विदेहक अलग ओ बेछप स्थान छै। अही संदर्भमे ईहो जानब उचित जे विदेहक स्थापनाक बहुत बर्खक बाद, विदेह द्वारा अनेक कएल अनेक काजक बाद साहित्य अकादमीकैँ लगलै जे विदेहक चर्चा हेबाक चाही तँ 28 June, 2021 कैँ अकादमी अपन Webline Literature Series जकर शीर्षक छलै 'Influence of Maithili Literature on Indian Literature' ताहिमे अकादमी सचिव श्री के.श्रीनिवास राव अपन स्वागत भाषणमे विदेह चर्चा केलथि। अकादमीक एहि कार्यक्रमकैँ अहाँ सभ एहि लिंकपर देखि-सूनि सकैत छी https://www.youtube.com/watch?v=JfESX_Hk0nE

विदेहक किछु काज निच्चा देल जा रहल अछि----

1) विकीपीडिया एकटा Community project छै। माने सामूहिक काज। मुदा सामूहिक काजकैँ शुरू करए बला कियो एक आदमी होइत छै आ तकरा संगे पूरा समूह वा समाज होइत छै। इतिहासमे काज शुरू करऽ बलाक नाम तँ देल जाइत छै मुदा क्रेडिट पूरा समाज-समूहकैँ देल जाइत छै। मैथिलीमे एखन अहाँ जाहि विकीपीडियापर लेख सभ पढ़ि रहल छी। तकर श्रेय विदेहक संपादक गजेन्द्र ठाकुर केर छनि। 2008 मे ओ एहि लेल विकीपीडियापर आवेदन केलखिन आ विकीपीडिया केर निर्देशक हिसाबे काज करबाक लेल विदेहक आन सदस्यक संगे पूरा समाज संग एलाह।

मैथिली विकीपीडिया केर मंजूरी 2014मे भेटलै मुदा ओहिसँ पहिने एहि लेल जे पेटीशन, जतेक शब्दक अनुवाद आ पृष्ठ जरूरी छलै से विदेहक निर्देशनमे विदेहक तात्कालीन सदस्य उमेश मंडल द्वारा संपन्न कएल गेल। ओहि समयक मैथिली विकीपीडियाक लगभग 70% पृष्ठ Umeshberma (उमेश मंडल) केर नामसँ बनल भेटत। गजेन्द्र ठाकुरजीक संचालनमे विदेहक सदस्य सभ ई काज 2008सँ लऽ कऽ 2013 धरि केलक तकर बाद ओ मंजूरी लेल आगू बढ़ि सकलै। एहि ठाम ईहो लीखब बेसी उचित हएत जे बर्ख 2011 केर आपस-पाससँ एहि काजमे गजेन्द्र ठाकुरजीक संग राजेश रंजनजी सेहो एलाह जाहिसँ काज तीव्र गतिसँ बढ़ल। निश्चिते आनो लोक जुड़लाह कारण ई ओपन प्लेटफार्म छै। विकीपीडिया अपन सूचनामे गजेन्द्रजीक काजक उल्लेख केने अछि आ जकरा एहि लिंकपर देखि सकैत छी- https://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

अधिकांश मैथिल इतिहासमे नै जाइ छै। 2014 मे मैथिली लेल विकीपीडिया मंजूर भेलै आ विकीपीडिया, गजेन्द्र ठाकुर, राजेश रंजन आदिक सहमतिसँ 2014 मे बिप्लब आनंदकेँ मैथिली विकीपीडियाक कमान देल गेलै। ई अलग बात छै जे बिप्लब आनंद नेपाल केर छथि आ नेपालक किछु लोककेँ बुझाइत छै जे विकीपीडिया 2014 मे बनलै। 2008 सँ 2013 धरिक विकी काजकेँ हम एहि पोथीक अंकमे एक अलग अध्याय देब।


Requests for new languages/Wi

meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

Apps Singer Mail E-WayBill System

6 Text on Maithili Wiki Logo
7 Mithilakshar (Tirahuta) or Devanagari?
8 Logo for Approval

Arguments in favour

- **Support**: I support this language becouse it is a great language spoken in bihar, nepal and many other places, also Tharu language is a branch of maithili. Tharu is spoken in terai of nepal and nepal-bihar border area of bihar.

--Nepaboy 15:51, 14 September 2010 (UTC)

- Support

1. Extensive information on the language is stored in the edit history. —{admin} Pathoschild 21:31:28, 26 January 2008 (UTC)
2. Maithili Wikipedia, must have a good number of contributors. I will contribute, I can provide reliable sources from which articles relevant to Maithili Wiki can be created. I am finding some of the people in Nepal and India. We dont need many people at the beginning and once the wikipedia grows, community forms by itself.We have 5 dedicated people for Maithili edition and will soon get more people.

Extensive information on the language is stored in the edit history. —{admin} Pathoschild 21:31:28, 26 January 2008 (UTC) Maithili wiki should be started immediately we will contribute to it fortnightly 100 page maithili e journal being published. http://www.esnips.com/web/videhajournal regular site http://www.videha.co.in —unsigned by Ggajendra 15:37, 26 January 2008 (UTC) I am finding problem in constructing http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai as what i constructed was deleted perhaps by any administrator.Which messages/recent messages will have to translate on the above link.what is meant by the parser etc message.Gajendra Thakur

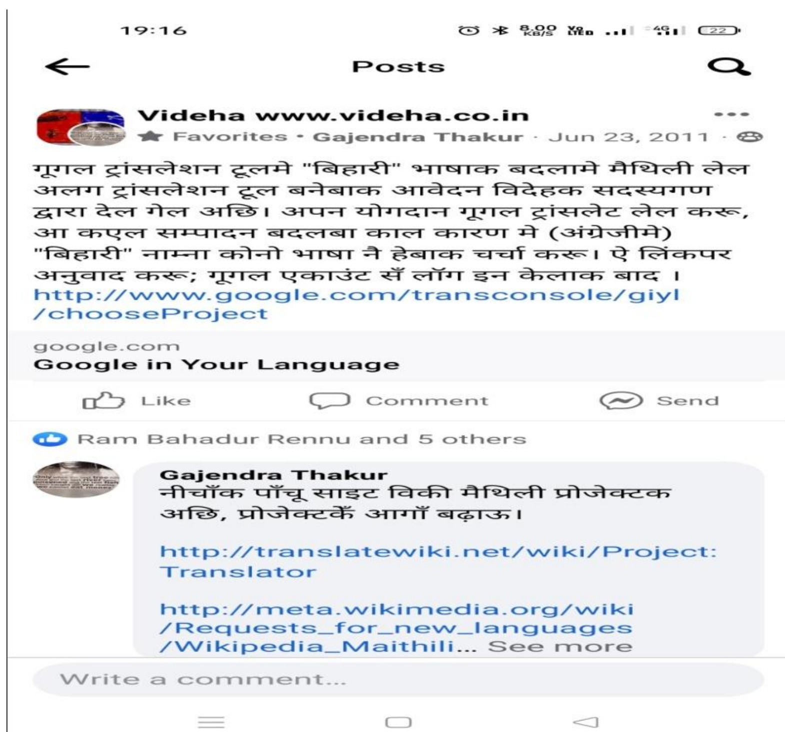
1. This is one of the major languages of Nepal and India. There is a very broad range of people who speak this language. This language has a long literary history. I have been working to collect people to contribute to this edition and many are willing. So, this will most probably not be one of the fruitless wikipedias. I wanted to post this request a long time ago but as my command over Maithili is something like mai-2 or mai-3 and as I am sysop-ing 7 wikipedias, I did not put up a request. However, seeing that there are other interested people over here, I think that its about time we had a wikipedia for this rich langauge.--Eukesh 17:37, 3 February 2008 (UTC)

1. The Tirhuta script is still alive and we will loose it we dont promote it. A language which has been ruined politically needs revival. And young Maithils are interested doing so. A language which has its own grammer and script, there is no reason to debar it from promoting itself.

- **Support Support** Chabi 06:30, 4 September 2010 (UTC)
- **Support** According to the 2001 ... more than 12 million people spoke this language in India. Although not a native speaker, I have no problem understanding the language when

Desktop 15:12 Wednesday 27-01-2021

2) google translation लेल गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा 2011 मे आवदेन देल गेल रहै आ ओकर प्रारंभिक अनुवाद विदेहक सदस्य सभ द्वारा भेल रहै। विकीपीडिये जकाँ google translation सेहो सामूहिक काज छै आ बादमे निश्चिते आनो लोक जुड़लाह कारण ई ओपन प्लेटफार्म छै। गजेन्द्रजी द्वारा 2011 मे देल पोस्ट केर लिंक एना अछि https://www.facebook.com/groups/videha/posts/138489416229195/



विकीपीडिया आ गूगल ट्रांसलेशन दूनू सार्वजनिक मंच छै। गजेन्द्र ठाकुरजी आवदेन दऽ रस्ता खोललाह आ विदेह किछु समर्पित सदस्य सभ एकरा आगू बढ़लेक। बादमे आनो लोक एलाह मुदा जतेक लोक क्लेम करै छथि ततेक लोक काज नै केलथि। सार्वजनिक हेबाक कारणे लोक लग क्रेडिट लेबाक होड़ लागि जाइ छै।

3) विदेह एकटा "विदेह आर्काइभ" बना कऽ आनलाइन पुस्तकालय केर निर्माण केलक। "विदेह आर्काइभ" विदेह पत्रिका द्वारा संचालित छै जाहिमे मैथिलीक पोथी-पत्रिका, आडियो, भीडियो, मिथिला चित्रकला/ आधुनिक चित्रकला आ चित्र मिथिलाक वनस्पति एवं जीव-जंतु, मिथिलाक जीवन आदिक क्रमशः पी.डी.एफ फाइल आ फोटो सभ देल गेल छै। एहि

अर्काइभकेँ चित्र-शब्दकोश कही तँ गलत नै। एहि आर्काइभ केर किछु खंड केर वर्णन निच्चा अछि.....

a) मैथिली पोथी डाउनलोड Maithili Books Download लगभग 1500 पोथी एवं पत्रिकाक अंकक पी.डी.एफ फाइल एहिठाम राखल गेल अछि जकरा पाठक बिना कोनो कीमतकेँ डाउनलोड कऽ पढ़ि सकै छथि। ई एकटा विशिष्ट आनलाइन पुस्तकालय अछि। एहि पुस्तकालय केर मुख्य आकर्षण पंजी केर मूल पृष्ठ सभहँक स्पष्ट फोटो अछि। Internet Archive 1996 मे अमेरिकामे तैयार भेलै जे कि फ्रीमे किताब डाउनलोड करबाक सुविधा दै छै। मैथिलीमे 2008 ई सुविधा विदेह द्वारा देल गेलै मने 12 बर्खक बाद। जँ मैथिली हिसाबसँ देखी तँ आन भाषाक अपेक्षा कम्मे समयमे मैथिलीक पाठककेँ विदेह ई सुविधा देलकै एवं आधिकारिक रूपसँ पहिल एहन सेवा देबए बला बनल।

b) मैथिली ऑडियो संकलन Maithili Audio Downloads एहि खंडमे मिथिलाक सभ जाति आ धर्मक संस्कार, लोकगीत आ व्यवहार गीत, ममता गाबय गीत (मैथिली फिल्म), मैथिली लोकगीत एवं अन्यान्य आडियो राखल गेल अछि।

c) मैथिली वीडियोक संकलन Maithili Videos एहि खंडमे मिथिलाक वनस्पति स्लाइड शो, मिथिलाक जीव-जन्तु स्लाइड शो, मिथिलाक जिनगी स्लाइड शो, श्वेता झा चौधरी, तुनिशा प्रियम, प्रीति ठाकुर, तूलिका, उमेश कुमार महतो आदिम मिथिला चित्रकला, कैलाश कुमार मिश्र - यायावरी फोटो संगे-संग बहुत रास कर्यक्रमक फोटो सभ राखल गेल अछि।

d) "विदेह मिथिला रत्न" केर निर्माण कए कऽ आनलाइन रूपें मिथिला-मैथिली-मैथिलसँ संबंधित लोकक फोटो वृहत रूपें सार्वजनिक केलक। आधुनिक ऐतिहासिक पुरुष आ महापुरुषक चित्र भेट संभव मुदा पौराणिक

आ प्राचीन नायकक असंभव तँइ विदेह मिथिला रत्न नामक पृष्ठक जन्म भेल आ एहिमे ओहन-ओहन नायक काल्पनिक मुदा सत्यक बेसी लगीच बला चित्र सभकेँ देल गेल जकरा आधुनिक कालक आलोचक सभ उपेक्षित छोड़ि देने छलाह। मैथिल आलोचक सिद्ध सरहपादकेँ मैथिलीक आदि कवि तँ मानै छथि मुदा जखन चित्र बनेबाक समय एलै तखन ओ सरहपादक नै बना विद्यापतिक बनेलथि कारण सरहपाद निम्न जातिक छलाह। तेनाहिते मैथिलीक लोककथाक अनेको पात्रक चित्र जानि बूझि कऽ छोड़ि देल गेल छल। विदेह एकरा एकटा चुनौतीक रूपमे देखलक आ सभ उपेक्षित नायकक चित्र बनबेलक। एहि विदेह (पत्रिका) मिथिला रत्न नामक पृष्ठमे सरहपादसँ लऽ कऽ ज्योतिरिश्वर पूर्व विद्यापति धरि, बंठा चमारसँ लऽ कऽ कारिख पजियार, गोनू झासँ लऽ कऽ छेछन महराज धरिक चित्र भेटत। आधुनिक कालक चित्र सभ तँ सहजहिं भेटत। एहि पृष्ठक उपल्बधि अछि जे ओ ओहन नायकक चित्र उपल्बध करबेलक जकरा उपेक्षित छोड़ि देल गेल छल।

4) विदेह द्वारा मैथिलीक पहिल ब्लाग एग्रीगेटर केर निर्माण कएल गेल जकर नाम "विदेह सूचना संपर्क अन्वेषण" अछि। एहिमे मैथिलीक अधिकांश वेबसाइट, ब्लाग आ इंटरनेटक विभिन्न साइटक पता (URL) भेटत। ब्लाग एग्रीगेटर एहन स्थान थिक जाहिठाम हरेक ब्लाग-साइट केर पता रहै छै मने एकैठाम सभ ब्लाग-साइट उपल्बध भेटत। संगे-संग फीड बर्नरक सहायतासँ हरेक ब्लाग-साइटपर प्रकाशित सामग्री केर सूचना पाठक लग तुरंत पहुँचि जाइत छै। ब्लाग एग्रीगेटर कियो आ कतेको संख्यामे बना सकै छथि मुदा मैथिलीमे एकर पहिल प्रयास विदेह (पत्रिका) द्वारा भेलै।

5) विदेह बहुत रास साहित्यिक चोरक पर्दाफास केलक। विदेहसँ पहिने सभ कियो साहित्यिक चोरक पक्षमे छलाह या जानि बूझि कऽ अनठा दै

छलाह मुदा विदेह एहन-एहन चोर आ ओकर पक्षमे रहए बलाक बहिष्कार केलक।

6) विदेह सम्मान उर्फ समानांतर साहित्य अकादेमी सम्मान केर शुरुआत विदेह केलक। विदेह सम्मान विदेह पत्रिका द्वारा देबए बला वार्षिक सम्मान अछि जकरा समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान सेहो कहल जाइत छै। विदेह सम्मान मात्र साहित्य लेल नै बल्कि हरेक प्रकारक कला जेना नाटक, गीत, संगीत, नृत्य, मूर्तिकला, शिल्प आ चित्रकला लेल सेहो देल जाइत छै

7) विदेह प्रतिभाशाली लेखक सभकेँ आगू अनलक। एहिमे जगदीश प्रसाद मंडल, ललन कुमार कामत, दुर्गानन्द मण्डल, सन्दीप कुमार साफी, कपिलेश्वर राउत, नंद विलास राय, राजदेव मंडल, रामविलास साहु, उमेश पासवान, रामदेव प्रसाद मण्डल झारूदार, बेचन ठाकुर, उमेश मंडल, विन्देश्वर ठाकुर, मुन्नी कामत, जगदानन्द झा मनु, मुन्नाजी, ओम प्रकाश झा, अमित मिश्र, चन्दन कुमार झा आ एहि पाँतिक लेखक समेत आनो आनो नव लेखककेँ मैथिली साहित्यमे स्थापित करबामे प्रत्यक्ष सहयोग केलक।

8) "विदेह मिथिलाक खोज" नामक सिरीज प्रकाशित कऽ विदेह ऐतिहासिक आ पुरातात्विक चित्र सभकेँ एकट्ठा कऽ सार्वजनिक केलक। एहि पन्नापर विदेह मिथिलाक ऐतिहासिक आ पुरातात्विक चित्र सभ देल गेल अछि

9) विदेह भारत आ नेपालक मानक व्याकरणक मिलान कए कऽ एकटा उभय मानक भाषा बनेलक जाहिसँ कृत्रिम मानक भाषा खत्म भेल आ मैथिली ओहनो लोक धरि पहुँचल जकरा उच्चवर्ग उपेक्षित कऽ देने छलखनि। विदेहक एहि मानक भाषाकेँ "भाषा पाक" द्वारा अभिहित कएल जाइत छैक।

10) विदेहक हरेक अंककेँ मिथिलाक्षर (तिरहुता)मे प्रकाशन सेहो विदेहक

प्रसंशनीय काज अछि। बहुत लोक लिपि लेल कानै छथि मुदा कोनो प्रयास नै करै छथि मुदा विदेह चुप-चाप बिना कोनो कनने-खिजने अधिकांश अंकक प्रकाशन मिथिलाक्षर (तिरहुता)मे केलक। विदेह-सदेह केर अधिकांश अंक सभ सेहो मिथिलाक्षर (तिरहुता)मे प्रकाशित भेल छै। एकर पूरा विवरण "इंटरनेट आ मिथिलाक्षर" बला खंडमे भेटत।

11) विदेहक हरेक अंककेँ ब्रेल लिपिमे प्रकाशन सेहो विदेहक प्रसंशनीय काज अछि। विदेह-सदेह अधिकांश अंक सभ सेहो ब्रेल लिपिमे प्रकाशित भेल छै। श्रुति प्रकाशनक बहुत पोथी सेहो ब्रेल लिपिमे प्रकाशित छै आ एहि पोथी सभकेँ दरभंगा स्थित नेत्रहीन संस्थानक बच्चा सभहँक बीच पढ़बाक लेल सेहो बाँटल गेल छै।

12) पहिने विदेहक सभ अंक नागरी, तिरहुता आ ब्रेल लिपिमे प्रकाशित होइत छल आब एहिमे कैथी, नेवाड़ी, एवं आइ.पी.ए. लिपि सेहो जोड़ल गेल अछि, मने एखन विदेह कुल छह लिपिमे प्रकाशित होइए। एकर अतिरिक्त विदेहक किछु अंक रंजना (नेवारी केर एक आर रूप), ब्राह्मी, खरोष्ठी, उर्दू, तिब्बती एवं तिब्बती-उमे लिपिमे सेहो छपल अछि। कुल मिला कऽ देखी तँ विदेह बारह लिपि अपना लेल रखने अछि जाहिमेसँ कुल छह टा लिपिमे विदेह लगातार प्रकाशित भऽ रहल अछि। नोट- 2015सँ लऽ कऽ 2020 धरिक किछु अंक केर मिथिलाक्षर एवं ब्रेल लिपिमे अंक उपल्बध नै छै।

13) **मैथिली गजलमे विदेहक योगदान-** जखन कोनो विधा विशेष अपन चरमपर पहुँचै छै ताहिसँ पहिने ओकरा पाछाँ कोनो ने कोनो एकटा पत्र-पत्रिकाक सोङर लागल रहै छै। जँ 2008क बाद बला गजलकेँ देखी तँ निश्चित रूपसँ विदेह (पहिल ई पाक्षिक पत्रिका)क खुलल समर्थन देलक आ समय-समयपर गजलसँ सम्बन्धित विशेषांक निकालि गजलकेँ आगू बढ़ेलक। मैथिली गजलक विकासमे विदेहक फेसबुक भर्सन सेहो अति सहायक भेल अछि। विदेह केर गजलपरक काजक संक्षिप्त चर्चा एना

अछि-

a) विदेहक 21म अंक (1 नवम्बर 2008) मे राजेन्द्र विमल जीक 2 टा गजल अछि। राम भरोस कापड़ि भ्रमर आ रोशन जनकपुरी जीक 11 टा गजल अछि। संगे-संग धीरेन्द्र प्रेमर्षि जीक 1 टा आलेख मैथिलीमे गजल आ एकर संरचना। अछि संगे-संग ऐ आलेखक संग 1 टा गजल सेहो अछि प्रेमर्षि जीक। विदेहक ऐ अंकमे कतहुँ ई नै फड़िछाएल अछि जे ई गजल विशेषांक थिक मुदा विदेहक ऐसँ पहिनुक अंक सभमे गजलक हम कोनो तेहन विस्तार नै पबै छी तँए हम एही अंककेँ विदेहक गजल विशेषांक मानलहुँ अछि।

b) विदेहक अंक 96 (15 दिसम्बर 2011) मे मुन्नाजी द्वारा गजलपर पहिल परिचर्चा भेल। ऐ परिचर्चाक शीर्षक छल मैथिली गजल: उत्पत्ति आ विकास (स्वरूप आ सम्भावना)।

c) विदेहक अंक 111 (1/8/2012) जे की बाल गजल विशेषांक अछि।

d) विदेहक 15 मार्च 2013 बला 126म अंक भक्ति गजल विशेषांक छै। ऐमे आएल रचना सभहँक विवेचन एना अछि--

e) 15 नवम्बर 2013केँ विदेहक 142म अंक “गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा” विशेषांक छल।

14) मैथिलीमे रचनाकार केंद्रित विशेषांक प्रायः रचनाकारक मृत्युक बाद प्रकाशित करै छथि विभिन्न पत्रिका मुदा विदेहमे एहि चलनकेँ तोड़ि जीवित रचनाकारक उपर विशेषांक प्रकाशित कएल जाइत छै। विदेह संस्थाक उपर सेहो विशेषांक प्रकाशित केने अछि। विदेहसँ प्रकाशित विशेषांक केर सूची एना अछि (एहिठाम जे अंकक लिस्ट देल गेल अछि ताहि अंकपर क्लिक करबै तँ ओ अंक खुजि जाएत)-

1) हाइकू विशेषांक 12 म अंक, 15 जून 2008

2) गजल विशेषांक 21 म अंक, 1 नवम्बर 2008

3) विहनि कथा विशेषांक 67 म अंक, 1 अक्टूबर 2010

4) बाल साहित्य विशेषांक 70 म अंक, 15 नवम्बर 2010

5) नाटक विशेषांक 72 म अंक 15 दिसम्बर2010

6) समीक्षा विशेषांक 15 जनवरी 2011 अंक 74

7) नारी विशेषांक 77म अंक 01 मार्च 2011

8) अनुवाद विशेषांक (गद्य-पद्य भारती) 97म अंक

9) बाल गजल विशेषांक विदेहक अंक 111 म अंक, 1 अगस्त 2012

10) भक्ति गजल विशेषांक 126 म अंक, 15 मार्च 2013

11) गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक 142 म, अंक 15 नवम्बर 2013

12) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक 169 म अंक 1 जनवरी 2015

13) अरविन्द ठाकुर विशेषांक 01 नवम्बर 2015 अंक 189 विदेहक अरविन्द ठाकुर विशेषांक केर पोथी रूप "स्वतंत्रचेता- अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व" केर नामसँ प्रकाशित भेल अछि।

14) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल विशेषांक 01 दिसम्बर 2015 अंक 191

15) विदेह सम्मान विशेषाक- 200म अंक 15 अप्रैल 2016

16) विदेह सम्मान विशेषाक (भाग-2)- 205 म अंक, 1 जुलाई 2016

17) मैथिली सी.डी./ अल्बम गीत संगीत विशेषांक- 217 म अंक 01 जनवरी 2017

18) मैथिली वेब पत्रकारिता विशेषांक-313म अंक 1 जनवरी 2021

19) मैथिली बीहनि कथा विशेषांक-2, 317 म अंक 1 मार्च 2021

20) रामलोचन ठाकुर विशेषांक 01 अप्रैल 2021 अंक 319

21) राजनन्दन लाल दास विशेषांक 01 नवम्बर 2021 अंक 333

22) रवीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक 15 जून 2022 अंक 348

23) केदारनाथ चौधरी विशेषांक 15 अगस्त 2022 अंक 352

24) प्रेमलता मिश्र 'प्रेम' विशेषांक 01 नवम्बर 2022 अंक 357
25) शरदिन्दु चौधरी विशेषांक 15 नवम्बर 2022 अंक 358
26) कला-विमर्श विशेषांक 15 अप्रैल 2023 अंक 368 (सन्दर्भ- संजू दास, कृष्ण कुमार कश्यप, शशिबाला, एस.सी.सुमन आ श्वेता झा चौधरी)
27) अशोक विशेषांक 1 मइ 2023 अंक 369
28) रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर' विशेषांक 15 मइ 2023 अंक 370
29) मिथिला स्टूडेंट यूनियन-एम.एस.यू-MSU विशेषांक 1 जून 2023 अंक 371

एकर अतिरिक्तो विदेहक बहुत काज छै मुदा एहिठाम संक्षिप्त रूपमे वर्णन कएल गेल अछि।

मैथिल आर मिथिला (http://maithilaurmithila.blogspot.com/ आब मिथिला दैनिक http://www.mithiladainik.in/-- जनवरी 2008सँ शुरू भेल जकर संचालक जितमोहन झा जीतू छलाह (मिथिला दैनिक लेल वएह संचालक छथि)। एहि ब्लागपर मैथिली भाषाक सभ विधाक पोस्ट देल जाइत छल। वस्तुतः मैथिल आर मिथिला मैथिलीक भाषाक पहिल ब्लाग अछि जे कि अपन स्वरूप लऽ कऽ सर्वलोकप्रिय भेल आ मैथिली ब्लाग केर इतिहासमे लोकप्रियताक एकटा नव बाट मैथिलीकेँ देखेलक। एहि ब्लागक लोकप्रियता एहीसँ अनुमान कएल जा सकैए जे पहिले सालमे एकरा भिजिट करए बलाक संख्या एक लाख टपि गेल। एहि पाँतिकेँ लिखैत काल धरि एकर दोसर स्वरूप (मिथिला दैनिक)पर 38 लाखसँ बेसी भिजिट भेल अछि। मैथिलीक आरंभिक कालक के एहन ब्लागर हेता जे कि मैथिल आर मिथिलापर अपन रचना नै देने हेता, वा भिजिट नै केने हेता। मैथिल आ मिथिला गीतक संगीतक आडियो भिडियो सेहो अपन ब्लागपर

पोस्ट केलक (कुल 400सँ बेसी) आ ईहो एकरा लोकप्रिय हेबामे योगदान केलकै। कुल मिला कऽ ई ब्लाग मैथिलीक ब्लागिंग इतिहासमे मीलक पाथर अछि। एकर दोसर स्वरूप (मिथिला दैनिक) समाचार केंद्रित अछि आ तकरो विवरण आगू चलि समाद बला खंडमे हएत।

अनचिन्हार आखर (https://anchinharakharkolkata.blogspot.com)----11/4/2008कैँ “अनचिन्हार आखर” नामक ब्लाग इंटरनेटपर आएल। अनचिन्हार आखर केर छोटका नाम " अ-आ " राखल गेल अछि। ई ब्लाग आशीष अनचिन्हार द्वारा शुरू कएल गेल छल आ समय-समयपर आन-आन गजलकार सभकेँ जोड़ल गेल। वर्तमानमे ई ब्लाग आशीष अनचिन्हार आ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा संपादित भऽ रहल अछि। एहि ब्लागपर खाली गजल, शेरो-शाइरी ओ एहीसँ संबंधित रचना देल जाइत अछि। इंटरनेटक संसारमे मैथिली गजलकेँ स्थापित आ ओहिसँ बाहर लोकप्रिय करबाक श्रेय अनचिन्हारे आखरकेँ छै। इंटरनेटक संसारमे अनचिन्हार आखरक अलग ओ बेछप स्थान छै। अनचिन्हार आखरकक किछु काज निच्चा देल जा रहल अछि----

1) अ-आ प्रिंट वा इंटरनेटपर पहिल उपस्थिति अछि जे की मात्र आ मात्र मैथिली गजल एवं गजल अधारित विधापर केन्द्रित अछि।

2) अ-आ केर आग्रहपर श्री गजेन्द्र ठाकुर जी गजलशास्त्र लिखला जे की मैथिलीक पहिल गजलशास्त्र भेल।

3) अ-आ द्वारा "गजल कमला-कोसी-बागमती-महानन्दा सम्मान" केर शुरूआत भेल। जे की स्वतन्त्र रूपें गजल विधा लेल पहिल सम्मान अछि।

4) अ-आ केर ई सौभाग्य छै जे ओ मैथिली बाल गजल नामक नव विधाकेँ जन्म देलक आ ओकर पोषण केलक। मैथिली भक्ति गजल सेहो अ-आ

केर देन अछि। विदेहक अङ्क 111 पूर्ण रूपेण बाल-गजल विशेषांक अछि अङ्क 126 भक्ति गजल विशेषांक आ अङ्क 142 गजल आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक अछि।

5) एखन धरि करीब 30टासँ बेसी गजलकार मैथिली गजलमे एलाह। ई गजलकार सभ पहिनेसँ गजल नै लिखै छलाह। सङ्गे-सङ्ग करीब 5टा समीक्षक-आलोचक सेहो एलाह।

6) पहिल बेर मैथिली गजलक क्षेत्रमे एकै बेर 50 सँ बेसी आलोचना लिखाएल।

7) अ-आ मैथिली गजलकेँ विश्वविद्यालय ओ यू.पी.एस. सी एवं बी.पी.एस. सीमे स्थान दिएबाक अभियान चलौने अछि आ एकटा माडल सिलेबस सेहो बना कऽ प्रस्तुत केने अछि।

8) अ-आ प. जीवन झा जीक मृत्यु केर अंग्रेजी तारीख पता लगा ओकरा गजल दिवस मनेबाक अभियान चलौने अछि।

9) अ-आ 1905सँ लऽ कऽ 2013 धरिक गजल सङ्ग्रहक सूची एकट्ठा ओ प्रकाशित केलक व्याकरणयुक्त एवं व्याकरणहीन दूनू)।

10) अ-आ अधिकांश गजलकारक (व्याकरण युक्त एवं व्याकरणहीन दूनू) संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत केलक।

11) अ-आ 62 खण्डमे गजलक इस्कूल नामक श्रृखंला चलौलक जे की समान्य पाठकसँ लऽ कऽ गजलकार धरि लेल समान रूपसँ उपयोगी अछि।

12) अ-आ मैथिलीमे पहिल बेर आन-लाइन मोशयाराक आरम्भ केलक आ ई बेस लोकप्रिय भेल।

13) मैथिली गजल आ अन्य भारतीय भाषाक गजल बीच संबंध बनेबाक लेल "विश्व गजलकार परिचय श्रृखंला" शुरू कएल गेल।

अनचिन्हार आखरक एही काज सभकेँ देखैत मैथिली गजलक पहिल अरूजी

गजेन्द्र ठाकुर 2008क बाद सँ लऽ कऽ वर्तमान कालखंडकेँ "अनचिन्हार युग" केर नाम देलाह।

साकेतानंद

मैथिलीक वरिष्ठ लेखक साकेतानंदजी सेहो 2009 सँ ब्लागपर सक्रिय छलाह हुनकर ब्लाग केर लिंक अछि http://saketanands.blogspot.com/

बताह मैथिल

बताह मैथिल नामक साइट केर पता http://bataahmaithil.in/ अछि। एहि साइट केर संचालक धनंजय झा छथि। एहि साइटपर कंप्यूटर ओ इंटरनेटक तकनीकी जानकारीक संग हास्य ओ व्यंग्य मूलक पोस्ट सेहो रहैत अछि।

मिथिला-विदेह-वज्जि (http://mithilavidehavajjitirhut.blogspot.com)-- डा. शशिधर कुमर द्वारा संचालित ब्लाग अछि। एहि ब्लागक एकमात्र मुदा मैथिली लेल यूनिक विशेषता ई अछि जे एहिठाम मिथिलामे रहए बला सभ जीव-जंतुक उपर कविता बनाए ओकर सचित्र वर्णन अछि। संगे संग आनो मुद्दा ओ विषयपर ई ब्लाग अपन विचार प्रस्तुत करैत अछि।

ई-मिथिला (http://www.emithila.in)-- बालमुकुंद पाठक द्वारा संचलित ब्लाग थिक जे कि मैथिलीसँ संबंधित विभिन्न मुद्दाक पोस्टसँ सजल अछि। समान्यतः एहिठाम बालमुकुन्द, विकाश वत्सनाभ आ मुकुन्द मयंक द्वारा पोस्ट देल जाइत अछि। वर्तमान समयमे एहिपर पोस्टक संख्या

कम छै मुदा नीक सभ छै। आगू चलि ई आर झमटगर हएत से विश्वास अछि।

मैथिली लिपि https://lipi.maithili.org.in/ (वर्तमानमे एहिपर देवनागरी माध्यमे तिरहुता लिपि देल गेल अछि)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मैथिली सुंदरकांड http://www.sundarkand.maithili.org.in/ (एहिपर चंदा झा विरचित मिथिला भाषा रामायणसँ लेल गेल सुंदरकांड देल गेल अछि, ई साधारणे साइट जकाँ अछि)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मैथिली फकड़ा http://www.fakra.maithili.org.in/ (एहि साइटपर वर्णानुसार बहुत रास मैथिली फकड़ा देल गेल अछि)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

Maithili Grammar (मैथिली व्याकरण)- ई ब्लाग मैथिली व्याकरणपर एकटा नीक प्रयास अछि। एकर लिंक निच्चा अछि। ई सितम्बर 2016 मे शुरू भेल आ 2021 धरि पोस्ट अछि। एकर संचालक के छथि तकर सूचना एहि ब्लागपर नै अछि। https://maithiligrammar.wordpress.com/

उपरमे देल गेल ब्लाग-साइटक अतिरिक्त किछु एहनो ब्लाग-साइट अछि जे कि व्यक्तिगत मैथिली रचनासँ भरल अछि आ पाठक लेल आकर्षण बनल

अछि जेना धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक http://hellomithila.blogspot.com/, कीर्तिनाथ झा केर ब्लाग 'कीर्तिनाथक आत्मालाप' https://kirtinath.blogspot.com/ ओमप्रकाशजीक ब्लाग - http://opjha.blogspot.com/, राजीवरंजन मिश्रजीक ब्लाग http://rajeevranjanmishra.blogspot.com/, जगदानंद झा मनुजीक ब्लाग http://maithiliputr.blogspot.com/, कुंदन कुमार कर्णजीक ब्लाग http://www.kundanghazal.com/ आदि।

अध्याय-8

समाद खंड

समदिया, हेलो मिथिला, इसमाद, नवमिथिला, मैथिली जिंदाबाद, मिथिला मिरर, मिथिला दर्शन, मिथिला प्राइम, मिथिला दैनिक आदि। निच्चा एकर विवरण देल जा रहल अछि--

समदिया (http://esamaad.blogspot.com/)--- ई ब्लाग गजेन्द्र ठाकुर जी द्वारा 9 अगस्त 2004मे बनाएल गेल छल समादक वास्ते मुदा 2008सँ प्रियंका झा ओ पूनम मंडल संपादित कऽ रहल छथि। एहि ब्लागपर अंतिम पोस्ट 2015 केर अछि। एहि ब्लागपपर मिथिला-मैथिलीसँ संबंधित सभ प्रकारक समाद छपै छलै। एकर तीन टा वैचारिक केंद्र छलै "मिथिला आ मैथिलीक विकासपर आलेख", परिचर्चा:विदेह गोष्ठी, आ "हम पुछैत छी"। हम पुछैत छी साक्षात्कार श्रृखंला अछि। समादक अलावे। समदियाकेँ प्रोत्साहित करबाक लेल ई ब्लाग अगस्त 2011सँ "ऐ मासक सभसँ नीक समदिया सम्मान" शुरू केलक। ई सम्मान अपना तरहँक पहिल प्रयोग अछि जे कि बादमे आन मैथिली पत्रकारिताकमे सेहो शुरू कएल गेल। चूँकि ई प्रारंभिक समाद सेवा छल इंटरनेटपर तँइ एकर संसाधन सीमित छल मुदा कुल मिला कऽ समादक क्षेत्रमे ई पहिल प्रयोग छल।

हेलो मिथिला (http://www.hellomithila.com/)-- हेलो मिथिला ब्लाग हितेन्द्र गुप्ताजी द्वारा अगस्त 2007मे शुरू कएल गेल छल। एकर पहिल पोस्ट लिंक http://www.hellomithila.com/2007/08/blog-post.html अछि। शुरूआती दौरक किछु पोस्टमे गुप्ताजी कविता सभ

दैत रहला मुदा तुरत ई ब्लाग समादक ब्लागमे बदलि जाइत अछि। ओना समादक ब्लाग बनलाक बाबजूदो एहिमे साहित्य केर स्थान बनले रहलै।

इसमाद (http://www.esamaad.com/)- पहिने इसमाद पी.डी.एफ रूपमे इंटरनेट संस्करण छपैत छल। एकर पहिल अंक 15 जनवरी 2008कँ प्रकाशित भेल संगे-संग अपन साइटपर सेहो पोस्ट दैत छल। एहि अंकक समदिया दरभंगवी, प्रबंध समदिया ममता शंकर, समदिया कुमुद सिंह छलीह। समादक इंटरनेट संस्करण 28 फरवरी 2009 धरि चलल (अंक 24) आ तकर बाद ई पूर्णतः इंटरनेट पोर्टल इसमाद (http://www.esamaad.com/) मे बदलि गेल आ एहि ठाम आनलाइन खबरि प्रकाशित करए लागल। दरभंगाक मुद्दापर फोकस करब एहि पोर्टलक मुख्य विशेषता अछि तँ हिंदी समादक मैथिली अनुवाद करैत काल मैथिलीकँ हिंदियाइन बना देब एहि पोर्टलक कमजोरी अछि। इम्हर किछु लोक इ-पेपर "समाद"कँ 2007 सँ प्रकाशित हेबाक बात कऽ रहल छथि हुनका सभ लेल एकर पहिल अंक केर फोटो दऽ रहल छी-


1st-edition-w.pdf - Adobe Reader
File Edit View Document Tools Window Help

मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

पटना, 15 जनवरी, 2008 | सप्ताहिक | अंक-1 | साल-1 | इन्टरनेट संस्करण | पेज-6 | मूल्य- दू टाका

एकटा महाराज जे उद्यमी हेबाक पहिल प्रयास केलाह

आखिर कियेक नहि बनल मैथिली में विवाह अइसन सिनेमा

हाजिर छी हम

अपन बोली मे ल के

हर–हर गंगे

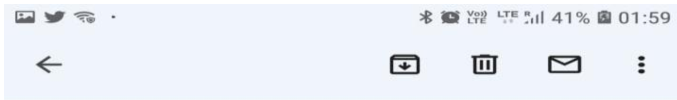
बहुत संभव जे ओ लोक सभ कहथि जे तैयारी 2007 सँ भऽ रहल छलै तँइ स्थापित सेहो 2007 हिसँ मानल जाए। मुदा सोचियौ जँ इएह तर्क सभ देबऽ लागै तखन? काल्हि गजेन्द्र ठाकुर सेहो क्लेम कऽ सकै छथि जे हम अगस्त 1995 मे सोचने रही मुदा शुरू 2008 सँ भेलै। तँइ समुचित इएह रहत जे पहिल अंककेँ स्थापना मानल जाए।

मिथिला प्राइम (http://www.mithilaprime.in) जुलाई 2012सँ मिथिला प्राइम मैथिलीमे समाद देनाइ शुरू केलक। एहि पोर्टलपर आदित्य झा द्वारा बेसी समाद प्रकाशित होइत अछि।

मिथिला मिरर http://www.mithilamirror.com मिथिला मिरर केर स्थापनाक समय मुख्य तीन गोटे सक्रिय छलाह- प्रदीप झा, ललित नारायण झा, राहुल राय। हिनका सभकेँ मोनमे विचार एलनि जे एकटा न्यूज पत्रिका प्रकाशित कएल जाए। बादमे पत्रिका छोड़ि आनलाइन चैनल खोलबापर ई सभ सहमत भेलाह। किछु नाममेसँ एकटा नाम ‘मिथिला मिरर’ पर ई सभ सहमत भेलाह। मिथिला मिरर केर प्रारंभिक काज लेल ई तीनू अपन-अपन सोर्सकेँ प्रयोग केलाह जेना प्रदीप झा केर सोर्स प्रभावी लोक सभ छलनि तँइ फंडिंग आ अन्य प्रभावी काज लेल ओ आगू बढ़लाह एवं तही कारणसँ तीनू गोटेक सहमतिसँ ओ सी.ई.ओ भेलाह सेहो भेलाह, ललित नारायण झा केर रुचि संपादन-रिपोर्टिंग आदिमे नीक छलनि तँइ ओ संपादक भेलाह आ कंटेंट जुटेलाह तँ राहुल राय उपसंपादक भेलाह आ अपन दोस्त शुभम राय केर सहायतासँ मिथिला मिरर केर लोगो, I-कार्ड आदिक व्यवस्था केलाह। मिथिला मिरर केर काज लेल राहुल राय अपन लैपटाप सेहो देलाह। कमलेश मिश्र संवाददाता रूपमे सेहो एलाह।

मिथिला मिरर केर संस्थापक के छथि ई विषय एहि तीन गोटे लग छोड़ि दी तँ नीक। मुदा जखन अहाँ सभ मिथिला मिरर केर संबंधमे जानए चाहब तँ प्रदीप झा, राहुल राय, शुभम राय कि कमलेश मिश्र केर नाम नहि भेटत। इतिहास एवं नैतिककता दूनू हिसाबें ई गलत छै। कहल जाइत छै जे विभिन्न कारणसँ प्रदीप झा, राहुल राय एवं कमलेश मिश्रा मिथिला मिररसँ अलग भऽ गेलाह। मुदा अलग भऽ गेलासँ प्रारंभिक संगी, वा स्थापनामे सहयोग देबऽ बलाक नाम हटा दी ई प्रचलन कोनो आन भाषामे नै छै। प्रदीप झा आ राहुल राय केर अलग भेलाक बाद मिथिला मिरर केर लोगो बदलि गेल मुदा ई एकटा समान्य बात छै। एहि संबंधमे हमरा राहुल रायसँ फेसबुक आ मेल केर किछु स्क्रीनशान भेटल अछि जे हम राखि रहल छी। एहि सभसँ पता चलत जे प्रदीप झा, राहुल राय, शुभम राय, कमलेश मिश्रा मिथिला मिरर केर इतिहास लेल ओतबे महत्वपूर्ण छथि जतेक कि ललित नारायण झा।

एहि समाद सेवाक पहिल संपादकीय 15 December 2013 केँ लिखल गेल छै। वर्तमानमे एकर संचालक छथि ललित नारायण झा। आगू चलि लगभग 2017 मे एही नामसँ प्रिंट पत्रिका सेहो ललित प्रकाशित केलाह। मिथिला मिरर (सभ माध्यम) मैथिली समादकेँ प्रोफेशनल बनेलक। एकर यूट्यूब चैनल सेहो अछि जकर ओहि खंडमे वर्णन हएत।





Shubham Roy 30/11/2013

to lalit, Rahul



From	Shubham Roy • roy.shubham87@gmail.com
Reply to	Shubham Roy • roy.shubham87@gmail.com
To	lalit narayan jha • jhanarayanlalit@gmail.com
Cc	Rahul Roy • rahulkroy1989@yahoo.com
Date	30 Nov 2013, 17:16
	See security details

Rahul Check kk kahu






Lalit Narayan Jha ► Dhirendra Premarshi · Follow
Sep 20, 2014 ·

भाईजी गोर लगै छी,
18 सितंबर 2014क दिल्लीक कंस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित मिथिला मिरर विशिष्ट सम्मान समारोह-2014 सफलता पूर्वक संपन्न भय गेल। समाजक विभिन्न क्षेत्र में योगदान दय रहल व्यक्ति कें मिथिला मिरर सम्मानित केलक। कार्यक्रम में मुख्य अतिथिक रूप में राज्य सभा सांसद प्रभात झा, जेडीयूक राज्य सभा सांसद अली अनवर अंसारी, लोक सभा सांसद गिरिराज सिंह, मनोज तिवारी, विधान पार्षद मदन मोहन झा आ दिल्लीक किराड़ी सं विधायक अनिल झा उपस्थित छलथ। जिनका लोकनि कें मिथिला मिरर सम्मान सं सम्मानित कैल गेलनि हुनकर नाम अहि प्रकारेण अछि।.......
1 श्री महेंद्र मलंगिया, मैथिलीक विराट नाट्य लेखन कें मैथिली नाट्य लेख क्षेत्र में,
2 श्री विजय चंद्र झा दिल्ली में मिथिला-मैथिलीक लेल समाज सेवा में,
3 श्री ए. एन. झा चिकित्साक क्षेत्र में वर्तमान में देशक सब सं पैघ न्योरो सर्जन आ मेदांता मेडिसिटी अस्पतालक विभागाध्यक्ष,
4 डा. शेफालिका वर्मा मैथिली साहित्य लेखन,
5 श्री संजय कुमार झा भारतीय प्रशासनिक सेवाक क्षेत्र में वर्तमान में चीफ विजिलेंश कमिश्नर वित्त मंत्रालय भारत सरकार,
6 श्री आर. डी. वर्मा व्यवसायक क्षेत्र में चेरयमैन वीएचआर ग्रुप,
7 श्री प्रकाश झा मैथिली रंगमंचक निर्देशन में,
8 श्री कौशल कुमार मैथिली फाउंट निर्माणक क्षेत्र में,
9 श्री संजय सिंह फिल्म आ थियेटर, फिल्म गैंग आॅफ वासेपुर में फज़लू भैया आओर फिल्म रॉकस्टार में रणबीर कपुरक संग आ देशक श्रेष्ठत्तम रंगमंच सं जुडल, राष्ट्रीय नाट्य अकादमी सं पासआउट,
10 श्री बिमल कांत झा, सहरसा में मिथिला-मैथिलीक सतत सेवक आ दिल्ली सरकार में रजिस्टारक पद पर कार्यरत्त,
11 श्री विष्णु पाठक मूल रूप सं बेगुसराय निवासी आ समाज सेवाक क्षेत्र में आगु रहैवला,
12 श्रीमती अनिता झा मूल सं बलाइन मधुबनीक रहैवाली आ खानदानी मिथिला पेंटिंग सं जुड़ल आ करीब 200 सं बेसी लोक कें प्रशिक्षण दय चुकल, हिनकर कृत फ्रांस के तत्कालिन राष्ट्रपति निकोलन सर्कोजी लग, शीला दीक्षित लग, नीतीश कुमार लग, दिल्ली मेट्रो में लागल अछि, मूल रूप सं तांत्रिकी पद्धति पर आधारित पेंटिंग में महाराथ हासिल,
13 श्री मेराज सिद्दकी मैथिली भाषाक लेल अग्रसर मुस्लिम युवा आ अंतरराष्ट्रीय दरिभंगा फिल्म महोत्सवक जनक,
14 श्री किसलय कृष्ण मैथिली फिल्म आ पत्रकारिता,
15 श्रीमती आशा झा टीवी एंकर वर्तमान में प्रतिष्ठित समाचार चैनल न्यूज़ नेशन में कार्यरत्त।
16 श्री विश्व मोहन झा मीडिया आओर विज्ञापनक क्षेत्र में सम्मान लय काल में डा. शेफालिका वर्मा उपस्थित नहि छलिह हुनका घर जा सम्मानित कैल जेतनि।

कार्यक्रम कें सफल बनेवा में संदीप फाउंडेशनक डॉरेक्टर डा. संदीप झा, वीएचआर ग्रुप आ स्मृति ट्रस्टक योगदानक संग मिथिला मिरर'क मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार झा, सहायक संपादक जुली रानी झा, सह संपादक राहुल कुमार राय, वेबसाइट संचालक नीरज कुमार झा, ग्राफिक डिजाइनर अंकिता झा, मिथिला मिरर'क नियमित स्तंभकार प्रवीण नारायण चौधरी, संजय झा 'नागदह' कें संग-संग अपन ओजपूर्ण आ दमदार आवाज़क धनीक किसलय कृष्णक अहम योगदान छलनि। संगहि संगीतमय प्रस्तुति में सांसद, गायक आ अभिनेता मनोज तिवारी, विकास झा, पवन नारायण, सुनील कुमार पवन आ आशुतोष झा'क गीत सं पूरा सभागार झूमैत रहल। भारत में मैथिली मीडियाक एहन प्रयोग कें सफल बनेवा लेल मिथिला मिरर'क संपादक ललित नारायण झा मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि आ सम्मानित मैथिल समाज कें धन्यवाद ज्ञापन करैत छथि।

 1

Share

नव मिथिला (http://www.navmithila.com/)-- 21 अक्टूबर 2014 धनतेरसक दिन शुरू भेल नव मिथिला कलकत्ता लेल एकटा प्रमाणिक समाद सेवा अछि। एकर शुरूआत प्रकाश झा द्वारा भेल अछि। एहिसँ पहिले 2007मे प्रकाशजी मिथिला लाइव (www.mithilalive.com) चलबैत छलाह जे कि एखन सक्रिय नै अछि।

मैथिली जिंदाबाद (http://www.maithilijindabaad.com/)-- 11 अप्रैल 2015सँ मैथिली जिंदाबाद प्रवीण नारायण चौधरीक अगुआइमे बिराटनगरसँ शुरू भेल। अगस्त 2016मे एकर ई-पेपरक पहिल अंक आएल।

मिथिला दर्शन न्यूज (http://maithili.mithiladarshan.news/)--- दिल्लीसँ संचालित मिथिला दर्शन न्यूज पिछला बरख 07 अप्रैल 2016कैँ

अस्तित्वमे आएल छल। तकरा बादसँ लगातार सक्रिय रहल। एहि न्यूज पोर्टल केर शुरू करबाक विचार सर्वप्रथम मैथिली सिनेमा हाफ मर्डर केर निर्देशक-निर्माता रमानाथ झाक मोन आएल छलन्हि। एहि पोर्टलक सदस्य एना छलाह- प्रधान सम्पादक: राहुल राय (मिथिला मिरर केर पूर्व उप-संपादक), प्रबंध सम्पादक: रमानाथ झा, संवाददाता- प्रभात झा, अंजू भाटी, सलाहकार: कार्तिकेय मैथिल, सागरनाथ झा, नीरज मिश्रा "मुन्नु ", जटाशंकर मिश्र, मनोज पांडे, मनीष झा, अमित पाठक आदि। कोनो बड़का न्यूज कंपनी जकाँ ईहो पोर्टल दू टा भाषाक चुनावपर आधारित रहैत छल। जँ अहाँ मैथिली चुनितहुँ तँ सभ समाद मैथिलीमे आबै छलै आ हिंदी चुनने समाद हिंदीमे। एहि पोर्टलकेँ अहाँ कम्पलीट न्यूज पोर्टल कहि सकै छियै जाहिमे बिहार (मिथिलाक अलावे अन्य राज्यपर बटन दबा कऽ ओहि राज्यक संबंधित समाद भेटैत छलै। एहि पोर्टलपर कारोबार, आध्यत्म सहित आनो विषयपर समाद रहैत छलै।। मैथिली भाषाक हिसाबे सेहो शुद्धता रहैत छल। वर्तमानमे ई बंद अछि।

2014 सँ लऽ कऽ 2015 केर अंत धरि मैथिल आर मिथिला ब्लाग केर रूप रंगमे अंतर अबैत रहल आ 2016 सँ ई मिथिला दैनिक रूपमे आबए लागल। मुदा नाममे दैनिक रहितो ई ओहि हिसाबक नहि रहल। एहि ठाम ईहो जानब उचित जे मिथिला दैनिक केर किछु लिंक 2008 एवं 2009 केर देखाइ पड़त। एकर कारण कहनेहे छी जे ई मैथिल आर मिथिलाक बदलल रूप अछि। 2016 मे एकर एप्प सेहो एलै आ किछु-किछु पोस्ट 2022 धरि होइत रहल। एकर लिंक अछि http://www.mithiladainik.in/

I Love Mithila, राजबिराज, सप्तरी, नेपालसँ प्रकाशित होबऽ बला

साहित्यिक आ समादक साइट अछि। एकर लिंक अछि https://www.ilovemithila.com/ ई 4 जुलाइ 2020 सँ एखन धरि चलि रहल अछि। नेपालीय मैथिली लेल ई एकटा पुल बनि कऽ आएल अछि आ एहि साइटक सहायतासँ अहाँ ओहि पारक प्रमाणिक जानकारी लऽ सकैत छी। मैथिलीक पहिल Music Streaming साइट केर निर्माता इएह I Love Mithila अछि।

अध्याय-9

नाटक, फिल्म एवं संगीत

नाटक, फिल्म एवं संगीत (youtube केर वर्णन अलग अध्यायमे भेटत)

मैथिली लोक गीत- http://maithilivideos.blogspot.com/2007/ - ई ब्लाग राजीव रंजन लाल ई द्वारा संचालित छल जकर पहिल आ अंतिम पोस्ट रवि, 25 मार्च 2007 के भेल।

Maithili Song- http://maithilisong.blogspot.com/ ई ब्लाग 2008 सँ अछि मुदा एकर संचालक के छथि से एहि ब्लागसँ स्पष्ट नै भऽ रहल अछि।

मैथिली सांगस हब (Maithili Songs Hub)-- एहि ब्लाग केर पहिल पोस्ट June 2009मे भेलै। एकर लिंक अछि http://maithilisongshub.blogspot.com/2009/06/blog-post.html ई पूर्णतः मैथिली गीत-संगीतपर आधारित अछि आ एहिमे आर कोनो विषय केर पोस्ट नै होइत अछि। ई ब्लाग कोनो कैसेट वा सी.डीक पूराक पूरा ब्लागपर दैत अछि जकरा श्रोता फ्रीमे डाउनलोड कऽ सकै छथि। ई हमरा लेल अफसोचक गप्प जे एहि ब्लागक संचालककेँ छथि से हमरा पता नै लागि सकल। सभ पोस्ट Maithil केर नामसँ पोस्ट होइत छै। एहि ब्लागपर अंतिम पोस्ट अगस्त 2015 केर अछि। नहियो किछु तँ एहि ब्लागपर 1000सँ उपर गीतक संकलन हएत जे कि मैथिलीक हिसाबें एकटा नमहर आ धैर्यपूर्वक कएल काज छै।

मैथिली फिल्म्स (http://maithilifilms.blogspot.com/)- ई ब्लाग हमरा द्वारा जून 2011मे शुरू भेल छल जाहिपर खाली मैथिली फिल्म, नाटक ओ गीत-संगीत संबंधित पोस्ट देल जाइत अछि। एकर पहिल पोस्ट 14 जून 2011कैं भेल छल जकर लिंक http://maithilifilms.blogspot.com/2011/06/ अछि।

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव (http://maithili-drama.blogspot.com/)-- ई ब्लाग अगस्त 2011मे शुरू भेल एकर पहिल पोस्टक लिंक http://maithili-drama.blogspot.com/2011/08/ अछि।

मैथिली सांग http://www.song.maithili.org.in/ (मैथिली सांग हब केर बाद ईहो एहन साइट अछि जे कि मैथिली गीत-संगीत डाउनलोड करबाक सुविधा दऽ रहल अछि। किछु अंशमे "मैथिल आर मिथिला" सेहो डाउनलोड सुविधा देने छै)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मैथिली सिनेमा (http://maithilicinema.blogspot.com/)- भाष्कर झा शुरू कएल ब्लाग अछि एकर पहिल पोस्टक लिंक http://maithilicinema.blogspot.com/2011/08/history-of-maithili-films-birds-eye.html अछि। ई ब्लाग अगस्त 2011मे शुरू भेल जकर प्रमाण पहिल पोस्टक लिंक अछि मुदा "कतेक रास बात" केर संचालक जकाँ भाष्कर झा सेहो तारीखकैं पाछू आनि अपन ब्लागकैं मैथिली फिल्म संबंधी पहिल ब्लाग-साइट घोषित कऽ रहल छथि (देखू चित्र निच्चा)। भाष्कर झा एकरा "First Portal of

Maithili Films, Artists, Songs, Music, Theater and Entertainment मैथिली फ़िल्म, कलाकार, गीत- संगीत, रंगमंच आ मनोरंजनक पहिल मैथिली पोर्टल" मानै छथि आ ब्लागपर लिखनेहों छथि। मुदा उपरमे हम सभ देखि चुकल छी जे मैथिली गीत-संगीत अधारित ब्लाग मैथिली गीत-संगीत अधारित ब्लाग "मैथिली लोक गीत" 2007 मे आ "मैथिली सांगस हब" 2009 मे बनि चुकल अछि। आ तँइ भाष्कर झाक ई कहब जे "मैथिली सिनेमा" मैथिली गीत-संगीतक पहिल पोर्टल अछि इतिहासकेँ झूठ करबाक एकटा साजिश अछि। एहने हाल हिनकर फिल्म संबंधी घोषणाक सेहो अछि। उपरमे अहाँ सभ देखबे केलहुँ जे "मैथिली फिल्म" नामक ब्लाग जून 2011मे बनि चुकल अछि तखन भाष्कर झाक दाबी कतेक सत्य। प्रस्तुत प्रमाणपर ई मानब उचित जे "मैथिली लोक गीत" मैथिलीक नाटक-फिल्म ओ गीत-संगीतक पहिल पोर्टल अछि। जकर वृहद् विस्तार "मैथिली सांग्स हब" अछि।



2008 मे http://maithili.tv/ नामक साइट छल मुदा ओ आब बंद अछि तँइ एकर सामग्री की छल से अज्ञात अछि। मुदा tv शब्द देखि हम एकरा एही खंडमे राखि रहल छी।

Music Maithili मैथिलीक पहिल Music Streaming अछि जे कि वेब आ एप दूनू रूपमे 3 मइ 2022 सँ उपल्बध अछि। एकर वेब लिंक अछि https://maithili.com.np/ आ ई नेपालसँ संचालित अछि।

अध्याय-10
ई-कामर्स, बाल संबंधी, फाइन आर्ट, धर्म एवं अन्य विषय

प्रोफेशनल तरीकाक बात करी तँ मिथिला हाट मैथिलीमे एखन धरिक सभसँ नीक ई कार्मसक वेबसाइट अछि। मिथिला हाट 15 मइ 2010 सँ अछि। एकर संचालक किशोर ठाकुर छथि। मिथिला हाट केर लिंक अछि https://mithilahaat.com/

सैप्पीमार्ट सेहो एकटा नीक विकल्प अछि ई कामर्स साइट केर। सैप्पीमार्ट केर लिंक अछि http://www.sappymart.com/ सैप्पीमार्ट केर संचालक मुकुंद मयंक छथि।

नेना भुटका नामसँ 2009 मे एकटा ब्लाग बनल जे कि बाल साहित्यपर केंद्रित अछि आ एकर लिंक अछि http://mangan-khabas.blogspot.com/2009/11/111.html ई ब्लाग गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा संचालित अछि। एहिपर बाल साहित्यक लगभग सभ विधा अछि। नेना भुटका नामसँ बहुत बादमे फेसबुकपर देवाशुं वत्स द्वारा फेसबुक ग्रुप बनाएल गेल जकर विवरण आगू देल जाएत। एहि केर अतिरिक्त बाल साहित्य केंद्रित वेबसाइट हमरा नजरिमे नै आएल। किछु मिथिला पेटिंग बला वेबसाइट अछि जेना-
https://kashyapartschool.wordpress.com/
http://www.mithilaarts.com/
http://mithilaartinstitute.org आदि।

मैथिली पतरा http://www.patra.maithili.org.in/ ("मैथिली पतरा" साइट मैथिलीक एहन पहिल साइट अछि जे कि पतराक आनलाइन केने अछि)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।
दुर्गासप्तशती http://durgasaptashati.in/ (वर्तमानमे ई साइट एखन नै अछि मुदा नामसँ बुझाइत अछि जे एहिपर दुर्गासप्तशतीक पाठ रहल हेतै) । ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मिथिला होस्ट http://www.mithilahost.in/ (2012 मे डोमेन रीसेल लेल रोशन चौधरीजी ई mithilahost साइट बनेला। एहिठाम अहाँ अपन मोनक साइट केर नाम चूनि बनबा सकैत छी)।

मिथिला फेस http://www.mithilaface.in/ (2010 मे ई मिथिलाफेस नामक सोशल नेटवर्किंग साइट बनेलाह मुदा किछु कारणवश ई नै चलि सकल)। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मिथिला http://www.mithila.org.in/ (विकी केर तर्जपर वा ओहिसँ किछुए हटि कऽ मात्र मिथिलापर केंद्रित साइट अछि ई। एकर परिचय साइटपर एना अछि "मिथिला नामक इ वेबसाइट मिथिला लेल अछि ! एतय अपने मिथिला सँ संबंधित सब तरहक विषय वस्तु लेल पेज बना सकैत छी, अपन गावँ-घर, पंचायत, ब्लाक, जिला, समुदाय, धर्म, दार्शनिक/धार्मिक स्थल, वयक्ति विशेष सब विषयके लेल पेज बना सकैत छी ! पहिले सँ लिखल गेल पेज के एडिट सेहो कए सकैत छी")। ई साइट रोशन चौधरीजी द्वारा बनाएल गेल अछि।

मैथिली चुटकुला http://maithilijokes.blogspot.com/ सगर राति दीप जरय http://sagarraatideepjaray.blogspot.com/ विदेह क्विज http://videhaquiz.blogspot.com/ आदि सेहो नीक ब्लाग अछि।

https://technicalhojo.com/maithili/ मैथिलीमे टेक संबंधी साइट अछिऐ एहिपर विभिन्न तरहक टेक सूचना ओ तरीका भेटत। एहि साइट केर संचालक के छथि से हमरा पता नहि लागल।

मैथिली स्वास्थ्य परिचर्चा, एहि ब्लागपर मैथिली भाषामे रोग आ तकर निदानपर चर्चा भेटत। एकर संचालक छथि रमाकर चौधरी जी। एकर लिंक अछि-

https://maithiliswasthyaparicharcha.blogspot.com/?m=1

अध्याय-11

इंटरनेट आ मिथिलाक्षर, मैथिली भाषाक फॉण्ट, मिथिलाक्षरमे पोथी आ पत्रिका

भाषामे पहिने बजनाइ क्रिया भेलै आ तकर बाद लिखनाइ। लिखबाक लेल बहुत तरीका प्रयोगमे भेलै आ तकर बाद समयानुसार लिखबाक लेल सामग्रीक सेहो बदलैत गेलै। लेख प्रतीक/शब्द शैली सेहो समायानुसार बदलैत गेलै। उदाहरण लेल देवनागरीमे आइसँ सत्तर-अस्सी बर्ख पहिने "अ" जेना लिखल जाइत छलै से आब नै लिखल जाइत छै। बहुत संभव जे सौ बर्ख बाद एखनुक लेख प्रतीक/शब्द शैली सेहो बदलि जाए। एकटा ईहो बात जे लेख प्रतीक/शब्द शैली सभ लेल एकै होइ छै मुदा हरेक लोकक लिखावट केर कारण हरेक लोकक अपन लेख प्रतीक/शब्द शैली बनि जाइ छै। देखैत हेबै जे लोक झटसँ कोनो लिखल देखि कहत जे ई फल्लाँ हाथक लिखल छै। फेर कहब लेख प्रतीक/शब्द शैली सभ लेल एकै होइ छै मुदा ओकर लिखावट अलग लोक होइते अलग भऽ जाइत छै। बहुत बेर अवस्था अथवा अन्य कारणसँ एकै लोकक लिखावट अलग-अलग भऽ जाइत छै। आधुनिक कालमे जखन कंप्यूटर एलै तखन लिखबाक झंझट एलै जे कंप्यूटरपर प्रचलित लेख प्रतीक/शब्द शैलीकेँ कोना आनल जाए। आ तकर समाधान फॉण्ट केर रूपमे भेलै। मने फॉण्ट कंप्यूटरपर लिखबाक एकटा साधन भेल। मुदा जे लोकक लिखबाक तरीका एक नै छै तेनाहिते विभिन्न समयमे फॉण्टमे सेहो विविधता आएल मने एकै लेख प्रतीक/शब्द शैली लेल बहुत फॉण्ट। कुल मिला कऽ फॉण्ट लिखबाक स्टाइल भेल। अंग्रेजी लिखबाक लेल ई फॉण्ट सभ अथवा एही समूहक फॉण्ट सभ लोक रोजे देखैए-- 1. Arial 2. Roboto 3. Times New Roman 4.

Times 5. Courier New 6. Courier 7. Verdana 8. Georgia तहिना हरेक भाषा लेल अलग-अलग नाम छै। कोन बात लीखि रहल छी ताहि हिसाबसँ फॉण्ट सेहो बदलि जाइत छै। बियाहक कार्ड जाहि फॉण्टमे लिखल जेतै ताहि फॉण्टमे नौकरीक आवेदन लिखबै तँ ओतेक नीक रिजल्ट नै भेटत। किछु उदाहरण--

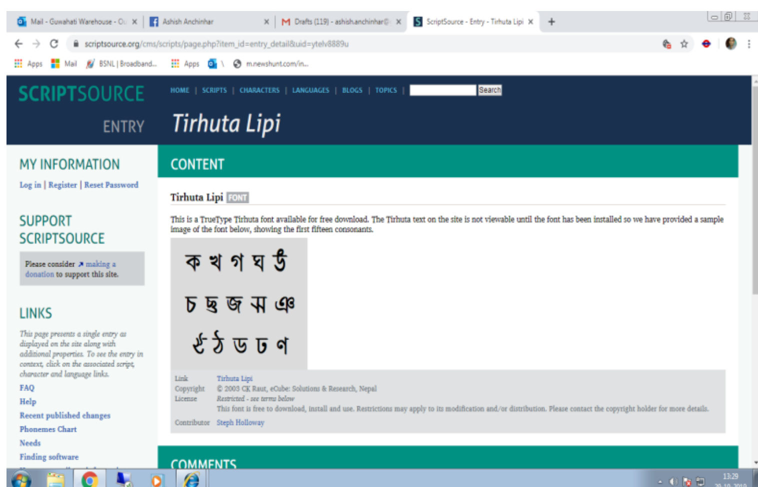
Calibri (Body) Font—A

Cambria (Headings) font – A

गौरसँ देखू दूनू फॉण्टमे एकै लेख प्रतीक/शब्द शैली छै मुदा दूनूक स्टाइल अलग भऽ गेल छै। जेना जतेक लोक ततेक लिखावट तेनाहिते जतेक लोक ततेक फॉण्ट। ई अलग बात जे फॉण्ट बनेबा लेल बेसी मेहनति लागै छै तँइ लोक कम्मे फॉण्टसँ गुजर चला लैत अछि। कुल मिला कऽ ई फॉण्ट कोनो भाषाक graphical प्रदर्शन छै से चाहे ओ कोनो माध्यमसँ किएक ने हो। वर्तमान समयमे कम्पयूटर अछि तँ सएह सही मैथिलीमे कंप्यूटरसँ पहिने छापाखाना लेल फॉण्ट बनलै आ ताहिमे पहिल श्रेय छनि आचार्य रामलोचन शरणजी केर। आचार्यजीक सीतामढ़ीमे जन्म आ दरभंगामे मृत्यु। "मैथिली रामचरित मानस" सहित तुलसीदासक समस्त रचनाक मैथिलीमे लेखन। मिथिलाक्षरमे मैथिलीक प्रकाशनक प्रारम्भ केनिहार। आचार्य रामलोचन शरणजी प्रकाशन संस्था पुस्तक भंडार लहेरियासराय पटना केर संस्थापक छलाह। एहि पुस्तक भंडारसँ आचार्यजी अपनो लिखल एवं आनो केर लिखल तिरहुताक पोथी प्रकाशित केलाह। एकर लगभग 20-30 बर्खक बाद जयकांत मिश्रजी Indian Institute of Advanced Study, शिमला लेल बनेलाह। तकर बाद टाइपराइटर लेल फॉण्ट बनलै मुदा मैथिलीक टाइपराइटर तिरहुतामे नै बनलै। अधिकांश भारतीय भाषा केर फॉण्ट छापाखाना, टाइपराइटर तखन कंप्यूटर धरि आएल छै मुदा तिरहुताक फॉण्ट छापाखानसँ सीधे कम्प्यूटरपर। फॉण्टक फार्मेट बहुत छै

मुदा तीन तरहक प्रमुख - 1) TTF TrueType Font (.ttf), 2) OTF format (OpenType .oft) आ 3) WOFF (Web Open Font Format) अछि (ई फॉण्ट सभ कोना काज करैए से एहि लेखक उद्येश्य नहि अछि एहि लेल हमर अन्य आलेख देखल जा सकैए)। एहन फाण्ट जे बिना कोनो दिक्कतकेँ हरेक कंप्यूटर एक समान रूपे देखाइ पड़ए से भेल यूनीकोड फाण्ट। यूनीकोडसँ पहिने अलग-अलग कंप्यूटरमे अलग-अलग फाण्ट रहै छलै आ तँइ दोसर फान्टक सामग्री तखने देखाइ पड़ै छलै जखन कि ओ टार्गेट फाण्ट ओहिमे देल जाए। मानू जे अहाँक कंप्यूटरमे सुशा फाण्ट अछि आ अहाँ ओहिमे टाइप कऽ हमरा पठेलहुँ मुदा हमर कंप्यूटरमे सुशा फाण्ट नै अछि तँइ ओ हमरा नै देखाएत। देखाए लेल हमरा सुशा फण्ट अपना कंप्यूटरमे इंस्टाल करए पड़त। मुदा यूनीकोड एहि समस्याकेँ खत्म कऽ देलकै। आब अहाँ कोनो फाण्टमे लीखू जँ दोसर कंप्यूटरमे यूनीकोड छै तँ ओ देखाइ पड़तै। यूनीकोडक इएह सभसँ बड़का फाइदा छै आ तँइ हरेक समर्थ भाषाक यूनीकोड फाण्ट बनल छै। आ एक बेर कोनो भाषाक यूनीकोड फाण्ट बनि गेलाक बाद ओही आधारपर एकै भाषाक विभिन्न लेख प्रतीक/शब्द शैली बला फाण्ट बनाएल जा सकैए जे कि समान रूपसँ हरेक कंप्यूटरमे देखाइ पड़तै। माइक्रोसाफ्टमे वएह फॉण्ट डिफाल्ट रूपमे आबि सकैए जकर कि यूनीकोड भर्सन हो जेना देवनागरी लेल मंगल फॉण्ट डिफाल्ट रूपमे छै। तँइ यूनीकोड फॉण्टक महत्व बेसी छै। चूँकि मैथिली भाषा वर्तमानमे देवनागरीमे लिखल जाइत छै तँइ भारतक मैथिली लेल हिंदी बला फॉण्ट काज केलकै तँ नेपालक मैथिली लेल नेपाली बला फॉण्ट। मिथिलाक्षर (तिरहुता)मे फॉण्ट बनाएब बाँकी छल आ से सार्वजनिक रूपे नेपालसँ दू लोक बनेलथि। नेपालसँ पहिल दावेदार सी.के.राउत छथि जे की तिरहुता केर नामसँ फॉण्ट 9 मार्च 2003 मे बनेलाह। एकर लिंक आ फोटो एना अछि (ई फाण्ट रोशनजीक एहि

वेबसाइटसँ डाउनलोड कऽ सकैत छी http://www.maithilifonts.in)- https://www.scriptsource.org/cms/scripts/page.php?item_id=entry_detail&uid=ytelv8889u



नेपालेसँ दोसर दावेदार राजबिराज (नेपाल) केर गंगेश गुंजन झा आ श्रवीण कुमार मिश्रा (Shravin Kumar Mishra) "मैथिली" नामक फॉण्ट बनेलाह जे कि Dec-2004 मे त्रिभुवन विश्वविद्यालय केर सेंट्रल लाइब्रेरीसँ ISBN प्राप्त केलक। आ ताहिमे संतोष कुमार मिश्र, सहित आरो लेखक मिथिलाक्षरमे पोथी प्रकाशित भेल। निच्चामे एहि काजक दूटा फोटो प्रमाण देल जा रहल अछि।

TRIBHUVAN UNIVERSITY
CENTRAL LIBRARY
ISBN National Agency

Tribhuvan University
Central Library building,
Kirtipur, Kathmandu, Nepal
Tel.: 4330834, 4331317
E-mail: tucl@healthnet.org.np
Website: www.tncl.org.np

APPLICATION FORM

The ISBN Officer,
ISBN National Agency
Tribhuvan University Central Library
Kirtipur, Kathmandu
E-mail: tucl@healthnet.org.np

No. 7510

Date: 13/08/061

Dear Sir,
Please issue the ISBN Number for my/our following publication *(Please tick (✓) in the box)*:

Types of Publication/ Product	☐ Book	☐ Cassette CD	☑ Computer Software	☐ Map	☐ Reports	☐ Others

Publication/Product description:			
Title	Maithili		
Sub Title	font (Mithilakhar)		
Author / Translator (Original Title/Author if any)	Gangesh Gunjan Jha & Shravin Kr. Mishra		
Name of Publisher	Maithi Navayuba Sahitya Parishad ISBN 99946-32-51-5		
	City Ktm		Street Koteshor
	Tel: 4484099	Fax:	E-mail: sforskm@hotmail.com togangesh@hotmail.com
Edition	2008/9/1	☐ Hard Bound ☐ Paperback	Series:
Pages	Preliminary:	Text:	Photos: B/W Color
	Illustrations: B/W	Color	Total Pages:
Language	Maithili		Price: 199.00

PLEASE SUBMIT ONE COPY OF THIS PUBLICATION TO THE ISBN NATIONAL AGENCY.

Seal

Signature

TO BE COMPLETED BY THE NATIONAL AGENCY

Country Group Identifier Number: 99946
Publisher's Prefix: 32
Title Identifier: 51
Check digit: 5

Signature of the ISBN Officer

Date: Dec 3, 2004

1st copy — Customer copy, 2nd copy — ISBN Office copy, 3rd copy — Reference copy

Essential Information: Please Print ISBN No. in the Second Half of the back side of the title page & at the bottom of the back side of the cover page.



मैथिल नवयुवा साहित्य परिषद

काठमाण्डू , स्था.-२०६०

सम्मान-पत्र

राजविराज-५, सप्तरी निवासी श्रीयुत *गंगेश गुंजन झा* जी, अपने द्वारा मैथिली भाषाके लीपी 'मिथिलाक्षर' जे पहिल बेर मैथिली नामक कम्प्युटर फन्ट बनाकऽ मैथिली भाषाक बिकासमे जे अमुल्य योगदान पहुँचौने छी, ताहिके कदर करैत ई सम्मान-पत्र प्रदान कएल जाइत अछि।

गौरी शंकर राउत
(आयोजक आ संयोजक)
विद्यापित्ति स्मृती पर्व आयोजक समिती

श्री रामा मण्डल
विशेष अतिथि
(गायक)

डा. रामदयाल राकेश
(प्रमुख अतिथि)

ई फाण्ट गुंजनजीक एहि वेबसाइटसँ डाउनलोड कऽ सकैत छी http://gangeshjha.tripod.com/?fbclid=IwAR3zqr0-G6OtObIo5YCx-dlymK_qxpNG94so_s-sv3Mv85jDobCuQmiU0Ds

2019 मे विनय झा दावा केलाह जे ओहो 2003 मे मिथिलाक्षर फॉण्ट 1DevMithila बनेलाह आ तकर समर्थनमे बहुत रास साक्ष्य रखलाह मुदा ओहि साक्ष्य सभमे ओ केखनो 2000 साल कहलाह तँ केखनो 2002, तँ केखेनो 2004 मने एकरूपता नै। निच्चामे हुनक किछु पोस्टक स्क्रीनशाट देल गेल अछि। मुदा हुनके बहुत पोस्टक अधारपर हम ई मानैत छी जे ओ 2004 मे बनेलाह संगे-संग भवनाथ झा जी सेहो ई स्वीकार केलाह (विनयजीक पोस्टपर) जे विनयजी लगभग 2004मे हुनका स्वनिर्मित फॉण्ट देने रहथिन मतलब ई निश्चित भेल जे विनयजी सेहो ओही कालखंडमे फॉण्टक निर्माणमे लागल छलाह। लगभग 2019 मे विनयजीक दावेदारी बला पोस्ट सभपर अनेक कारणसँ आ वर्णक आकार-प्रकार लऽ विनयजी आ भवनाथजीमे घोंघाउज होइत रहल। आ हमरा हिसाबें ई दूनू गोटाक अति छल कारण कोनो भाषाक फॉण्ट मानक लेख प्रतीक/शब्द शैलीक विभिन्न स्टाइल होइत छै। तँइ स्वाभाविक जे गंगेश जी बला फॉण्ट, राउतजी बला फॉण्ट आ विनयजी बला फॉण्ट अलग-अलग हेतै। ओना ई बात निर्विवाद छै जे हरेक चीज आउटडेटेड होइत छै तँइ कोनो फॉण्ट सेहो आउटडेटेड भऽ सकैए। विनयजी एकटा आर बात खटकल हमरा जे जँ हुनका अपना कालखंडमे बनल आन फॉण्टक जानकारी नै छनि तँ एकर ई मतलब नै जे ओ पहिल भऽ जेता। एहन प्रवृति हमरा पद्मनाभोजीमे भेटल अछि जकर वर्णन हम अही पोथीमे केने छी। अतेक तँ निश्चित जे वर्तमानमे (2018सँ लऽ कऽ एखन धरि) विनयजी अपन बनाएल फॉण्टमे बहुत रास परिवर्तन केलथि आ ओकरा बेसी नीक बना कऽ परसलथि। एहि विवाद सभकेँ कात करैत हमरा विचारे 2004 एहन बर्ख अछि जे कि सभ फॉण्ट निर्माताक संधिस्थली बनि सकैए तँइ C.K Raut जीकेँ हम पहिल फॉण्ट निर्माता मानितो (आ जे कि ओ वस्तुतः पहिल छथिहो) हम 2004केँ मिथिलाक्षर फॉण्ट बर्ख कहि संबोधित करब। दोसर बात जे फॉण्टक

संधिस्थली बर्ख 2004 लेल हम एकटा सूत्र बनेलहुँ CGSV (चंद्रकांत-गंगेश-श्रवीण-विनय) आ मिथिलाक्षर फॉण्टक पहिल निर्माताक रूपमे हम एहि सूत्र CGSV केँ हम जनताक सामने राखि रहल छी। ओना ई हमरा स्वीकार करबामे कोनो हर्जा नै जे 2019सँ विनयजी लगातार एक्टिभ भेलाह आ मिथिलाक्षर फॉण्ट अलावे कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इण्टेलिजेन्स, AI) मे विनयजीक योगदान सेहो देलाह जे कि सराहनीय छनि आ एहि काजकेँ http://vedicastrology.wikidot.com/mithilakshara-font#toc8 लिंकपर देखि सकैत छी। एकर अतिरिक्त ईहो उल्लेखनीय जे मोबाइलपर मिथिलाक्षरमे लिखबाक लेल पहिल टूल विनये जी 2019 मे बनेलाह। एहिसँ पहिने लिखबाक सुविधा नै छल मोबाइलमे। विनय झाजी लेखपट्ट नामसँ फॉण्ट बना एकर समाधान केलाह जे http://vedicastrology.wikidot.com/mithilakshara-font#toc0 लिंपर भेटत। विनयजीक लेखपट्टसँ पहिने लोक अक्षरमुख केर साइटपर जा कऽ अपन लिखलकेँ मिथिलाक्षरमे बदलि अन्य माध्यमपर पोस्ट करैत छथि। मोबाइलक फॉण्ट लेल आर बहुत रास काज लेल विनयजीक अभिनंदन। निच्चा विनयजीक पोस्टक स्क्रीनशाट सभ दऽ रहल छी-

Vinay Jha
15 January

लेखपद्ट में प्रयोगकर्ता के मनचाहे वर्ड आर्ट सेटिंग को भी मनमाने तौर पर बदलना और स्वतः सुरक्षित करना Save Settings आसान बना दिया।

२००० ईस्वी में मैंने मिथिलाक्षर से ही यह कार्य आरम्भ किया था जो देवनागरी के साथ २००५ ईस्वी में समाप्त हुआ, किन्तु मन्त्री महेश शर्मा ने मैथिली को गाली पढ़ी तो मैंने कार्य आगे बढ़ाया और अब अन्य बहुत सी लिपियों सहित यूनीकोड वर्ड प्रोसेसर तैयार है। देवनागरी में भी मुझे सबसे अधिक आसानी इसी सॉफ्टवेयर में होती है। जो भारतीय लिपियाँ आपको नहीं आती हैं उनमें भी देवनागरी की तरह बटन दबाने से शुद्ध स्वचालित संयुक्ताक्षरों सहित टाइपिंग की जा सकती है और उनके कलात्मक वर्ड आर्ट बनाये जा सकते हैं।
मकर संक्रान्ति के अवसर पर मूल कार्य सम्पन्न हो गया। छिटपुट जोड़जाड़ या सुधार तो सॉफ्टवेयरों में चलते ही रहते हैं।

डाउनलोड लिंक –
http://vedicastrology.wikidot.com/.../mithilak.../Lekhapatta.rar

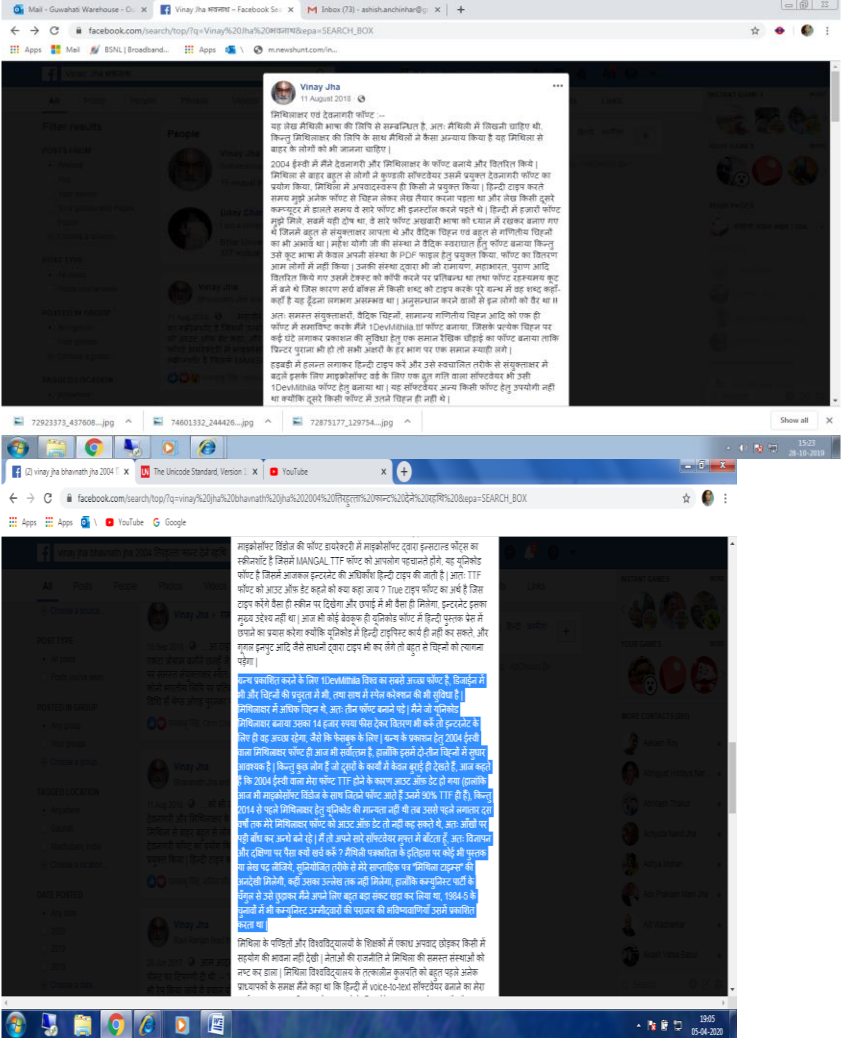
लेखपद्ट में प्राचीन मिस्री लिपि का कलात्मक वर्ड आर्ट –
Egyptian Hieroglyphs Word-Art in Lekhpatta =

Vinay Jha
19 February

सरकारी कमिटी ने रिपोर्ट दी है कि मिथिलाक्षर में कोई फॉण्ट नहीं है अतः सरकार को फॉण्ट बनवाने का कार्य शीघ्र पूरा कराना चाहिये, अर्थात् कुछ करोड़ रुपये खाने पीने के लिये इन महापुरुषों और इनके मित्रों को देना चाहिये। इस कमिटी को बनवाने वाले नेता हैं जे-डी-यू के संजय झा जिनको इसबार भाजपा अपनी जीती हुई दरभंगा की सीट दान में दे रही है (जीवन में कभी कोई चुनाव नहीं जीते हैं, जेटली जी की तरह; किन्तु उनकी ही तरह सुपर-नेता हैं, और उनके चहेते भी हैं)।
इस कमिटी के सारे सदस्य और संजय झा मुझे अच्छी तरह जानते हैं और यह भी जानते हैं कि मिथिलाक्षर का फॉण्ट मैंने २००२ में ही बना दिया था और बाद में अन्तर्राष्ट्रीय यूनीकोड कॉन्सॉर्टियम द्वारा मिथिलाक्षर को यूनीकोड में रेंज प्राप्त हुआ तो मैंने यूनीकोड फॉण्ट भी बना दिया। किन्तु इनलोगों के अनुसार मेरा और मेरे सभी कार्यों का कोई अस्तित्व ही नहीं है। समाचार पढ़िये = "completing the work affecting Unicode Scripts of Mithilakshar by Technology Development of Indian Languages (TDIL) early" :--
https://www.indiatoday.in/.../ancient-language-maithili-is-at...

INDIATODAY.IN
www.indiatoday.in

Anikesh K. Jha, Vijay Jha and 409 others · 47 comments 76 shares



Vinay Jha
11 August 2018

मिथिलाक्षर एवं देवनागरी फॉण्ट :--
यह लेख मैथिली भाषा की लिपि से सम्बन्धित है, अतः मैथिली में लिखनी चाहिए थी, किन्तु मिथिलाक्षर की लिपि के साथ मैथिलों ने कैसा अन्याय किया है यह मिथिला से बाहर के लोगों को भी जानना चाहिए |

2004 ईस्वी में मैंने देवनागरी और मिथिलाक्षर के फॉण्ट बनाये और वितरित किये | मिथिला से बाहर बहुत से लोगों ने कुण्डली सॉफ्टवेयर उसमें प्रयुक्त देवनागरी फॉण्ट का प्रयोग किया, मिथिला में अपवादस्वरूप ही किसी ने प्रयुक्त किया | हिन्दी टाइप करते समय मुझे अनेक फॉण्ट से चिह्न लेकर लेख तैयार करना पड़ता था और लेख किसी दूसरे कम्प्यूटर में डालते समय वे सारे फॉण्ट भी इनस्टॉल करने पड़ते थे | हिन्दी में हज़ारों फॉण्ट मुझे मिले, सबमें यही दोष था, वे सारे फॉण्ट अखबारी भाषा को ध्यान में रखकर बनाए गए थे जिनमें बहुत से संयुक्ताक्षर लापता थे और वैदिक चिह्न एवं बहुत से गणितीय चिह्नों का भी अभाव था | महेश योगी जी की संस्था ने वैदिक स्वराघात हेतु फॉण्ट बनाया किन्तु उसे कूट भाषा में केवल अपनी संस्था के PDF फाइल हेतु प्रयुक्त किया, फॉण्ट का वितरण आम लोगों में नहीं किया | उनकी संस्था द्वारा भी जो रामायण, महाभारत, पुराण आदि वितरित किये गए उसमें टेक्स्ट को कॉपी करने पर प्रतिबन्ध था तथा फॉण्ट रहस्यमय कूट में बने थे जिस कारण सर्च बॉक्स में किसी शब्द को टाइप करके पूरे ग्रन्थ में वह शब्द कहाँ-कहाँ है यह ढूँढना लगभग असम्भव था | अनुसन्धान करने वालों से इन लोगों को वैर था ||

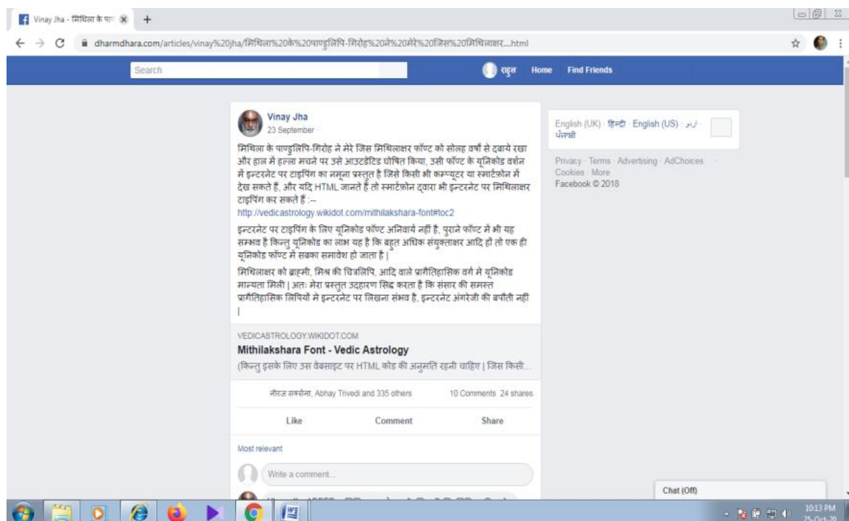
अतः समस्त संयुक्ताक्षरों, वैदिक चिह्नों, सामान्य गणितीय चिह्न आदि को एक ही फॉण्ट में समाविष्ट करके मैंने 1DevMithila.ttf फॉण्ट बनाया, जिसके प्रत्येक चिह्न पर कई घंटे लगाकर प्रकाशन की सुविधा हेतु एक समान रैखिक चौड़ाई का फॉण्ट बनाया ताकि प्रिन्टर पुराना भी हो तो सभी अक्षरों के हर भाग पर एक समान स्याही लगे |

हड़बड़ी में हलन्त लगाकर हिन्दी टाइप करें और उसे स्वचालित तरीके से संयुक्ताक्षर में बदलें इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट वर्ड के लिए एक द्रुत गति वाला सॉफ्टवेयर भी उसी 1DevMithila फॉण्ट हेतु बनाया था | यह सॉफ्टवेयर अन्य किसी फॉण्ट हेतु उपयोगी नहीं था क्योंकि दूसरे किसी फॉण्ट में उतने चिह्न ही नहीं थे |

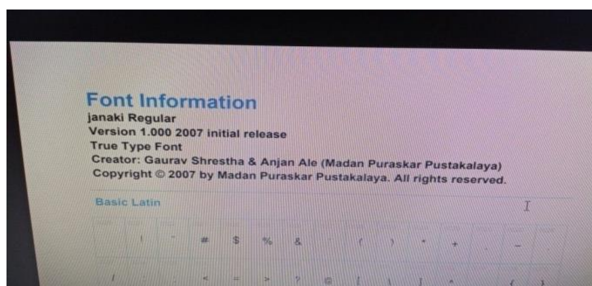
माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की फॉण्ट डायरेक्टरी में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा इन्सटाल्ड फोंट्स का स्क्रीनशॉट है जिसमें MANGAL.TTF फॉण्ट को आपलोग पहचानते होंगे, यह यूनिकोड फॉण्ट है जिसमें आजकल इन्टरनेट की अधिकाँश हिन्दी टाइप की जाती है | अतः TTF फॉण्ट को आउट ऑफ़ डेट कहने को क्या कहा जाय ? True टाइप फॉण्ट का अर्थ है जिस टाइप करेंगे वैसा ही स्क्रीन पर दिखेगा और छपाई में भी वैसा ही मिलेगा, इन्टरनेट इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था | आज भी कोई बेवकूफ ही यूनिकोड फॉण्ट में हिन्दी पुस्तक प्रेस में छपाने का प्रयास करेगा क्योंकि यूनिकोड में हिन्दी टाइपिस्ट कार्य ही नहीं कर सकते, और गूगल इनपुट आदि जैसे साधनों द्वारा टाइप भी कर लेंगे तो बहुत से चिह्नों को त्यागना पड़ेगा |

ग्रन्थ प्रकाशित करने के लिए 1DevMithila विश्व का सबसे अच्छा फॉण्ट है, डिजाईन में भी और चिह्नों की प्रचुरता में भी, तथा साथ में स्पेल करेक्शन की भी सुविधा है | मिथिलाक्षर में अधिक चिह्न थे, अतः तीन फॉण्ट बनाने पड़े | मैंने जो यूनिकोड मिथिलाक्षर बनाया उसका 14 हजार रुपया फीस देकर वितरण भी करूँ तो इन्टरनेट के लिए ही वह अच्छा रहेगा, जैसे कि फेसबुक के लिए | ग्रन्थ के प्रकाशन हेतु 2004 ईस्वी वाला मिथिलाक्षर फॉण्ट ही आज भी सर्वोत्तम है, हालाँकि इसमें दो-तीन चिह्नों में सुधार आवश्यक है | किन्तु कुछ लोग हैं जो दूसरों के कार्यों में केवल बुराई ही देखते हैं, आज कहते हैं कि 2004 ईस्वी वाला मेरा फॉण्ट TTF होने के कारण आउट ऑफ़ डेट हो गया (हालांकि आज भी माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के साथ जितने फॉण्ट आते हैं उनमें 90% TTF ही हैं), किन्तु 2014 से पहले मिथिलाक्षर हेतु यूनिकोड की मान्यता नहीं थी तब उससे पहले लगातार दस वर्षों तक मेरे मिथिलाक्षर फॉण्ट को आउट ऑफ़ डेट तो नहीं कह सकते थे, अतः आँखों पर पट्टी बाँध कर अन्धे बने रहे | मैं तो अपने सारे सॉफ्टवेयर मुफ्त में बाँटता हूँ, अतः विज्ञापन और दक्षिणा पर पैसा क्यों खर्च करूँ ? मैथिली पत्रकारिता के इतिहास पर कोई भी पुस्तक या लेख पढ़ लीजिये, सुनियोजित तरीके से मेरे साप्ताहिक पत्र "मिथिला टाइम्स" की अनदेखी मिलेगी, कहीं उसका उल्लेख तक नहीं मिलेगा, हालाँकि कम्युनिस्ट पार्टी के चँगुल से उसे छुड़ाकर मैंने अपने लिए बहुत बड़ा संकट खड़ा कर लिया था, 1984-5 के चुनावों में भी कम्युनिस्ट उम्मीदवारों की पराजय की भविष्यवाणियाँ उसमें प्रकाशित करता था |

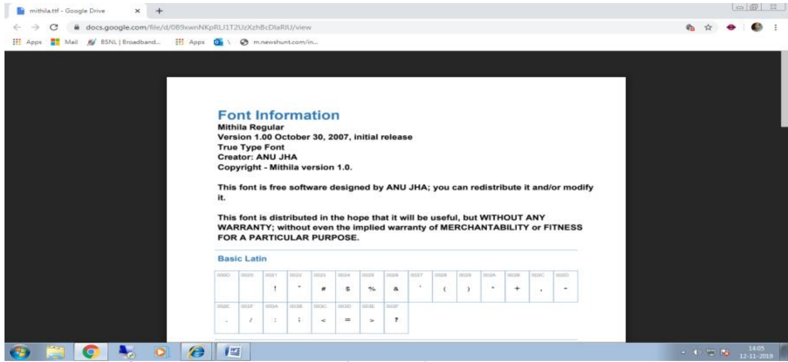
मिथिला के पण्डितों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों में एकाध अपवाद छोड़कर किसी में सहयोग की भावना नहीं देखी | नेताओं की राजनीति ने मिथिला की समस्त संस्थाओं को नष्ट कर डाला | मिथिला विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति को बहुत पहले अनेक प्राध्यापकों के समक्ष मैंने कहा था कि हिन्दी में voice-to-text सॉफ्टवेयर बनाने का मेरा



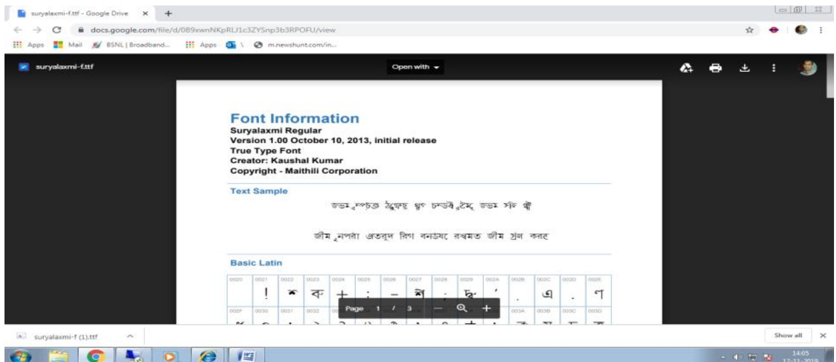
बर्ख 2007 मे दू टा फाण्ट आएल। नेपालसँ जानकी फाण्ट जे कि मदन पुरस्कार पुस्तकालय (https://madanpuraskar.org) लेल गौरव श्रेष्ठ एवं अंजन अले द्वारा बनाएल गेल छल। एहि फाण्टकेँ एहि लिंकसँ डाउनलोड कऽ सकैत छी https://drive.google.com/uc?export=download&id=0B9xwnNKpRLJ1ZTd6MG9ZaEN5LWs&fbclid=IwAR2UsFK475vBpxDYjkn9xO9Ov9CHiWK50plzTOoKXLVp6WW3q99UdIZbYXk



एकर बाद 2007मे अनु झाक मिथिला नामसँ फॉण्ट आएल।



2013 मे कौशल कुमार सूर्यलक्ष्मी नामसँ फॉण्ट बनेलाह।



अनु झा आ कौशलजी बला फाण्ट रोशनजीक एहि वेबसाइटसँ डाउनलोड कऽ सकैत छी http://www.maithilifonts.in)

यूनीकोड लेल सभसँ पहिने भारत सरकारक दिससँ ओम विकासजी 2-7-2005 मे मिथिलाक्षरकेँ Minority Scripts खंडमे नामित केलखिन जकरा एहि लिंकपर देखि सकैत छी https://www.unicode.org/L2/L2005/05063-vikas.pdf 2006सँ एहि काज लेल अंशुमान पांडेयजी लगलाह 2006 बला प्रस्ताव केर लिंक अछि

http://std.dkuug.dk/jtc1/sc2/wg2/docs/n3312.pdf जाहिमे मिथिलाक्षरक संदर्भ लेल ओ पंडित गोविन्द झाजी कल्याणी कोश ओ पं.जीवनाथ रायजीक पोथीक सहारा लेने छथि। 2007क लिंक अछि https://www.unicode.org/L2/L2007/07139-north-indian-acctg-signs.pdf जे कि लगभग उपरे जकाँ अछि। Oct 2009 में अंशुमान पांडेय फेर मिथिलाक्षरक यूनिकोड लेल आवेदन केलाह https://unicode.org/L2/L2009/09329-maithili.pdf जे की बादमे स्वीकार भेलै। स्वीकार भेल यूनीकोड रूप एहि लिंकपर देखि सकैत छी http://www.unicode.org/charts/PDF/U11480.pdf एहिठाम ई मोन राखब बहुत-बहुत जरूरी अछि जे जखन अंशुमान पांडेय 2009 मे फेरसँ यूनीकोड लेल आवेदन केलखिन तखन ओ प्रमुखतासँ गजेन्द्र ठाकुर ओ विदेहक उल्लेख केलथि कारण विदेहक हरेक अंक 2008 सँ मिथिलाक्षरमे प्रकाशित छल आ ओकर अतिरिक्त श्रुति प्रकाशनक बहुत रास पोथी सेहो मिथिलाक्षरमे उपल्बध छल, यूनीकोड लेल विदेह प्रचुर मात्रामे मिथिलाक्षरक नमूना देलक। अंशुमानजी अपन आभारमे एना लिखैत छथि " Gajendra Thakur of New Delhi graciously met with me and corresponded at length about Maithili, offered valuable specimens of Maithili manuscripts, printed books, and other records, and provided feedback regarding requirements for the encoding of Maithili in the UCS" । रमानंद झा रमण, पं.गोविन्द झा, एवं नेपालक Dr. Dragomir Dimitrov एहन तीन नाम आर अछि जिनका प्रति पांडेयजी आभार व्यक्त नेने छथिन से उपरमे अंशुमानजी द्वारा देल 2009

केर प्रस्तावना लिंकपर जा कऽ देखि सकैत छी। दिनेश यादवजी (नेपालक मैथिली लेखक ओ सजग पत्रकार) सूचित केलथि जे Dr. Dragomir Dimitrov नेपालक नै बुल्गेरियाक नागरिक छथि मुदा नेपाल किछु अनुसंधानक काजमे हुनक नाम नेपाल दिससँ देल जाइत छनि। एकर बाद C-dac, Pune द्वारा सेहो 2014 मे मिथिलाक्षर फॉण्ट बनाएल गेल यूनीकोडक आधारपर। आ C-dac केर इएह फॉण्ट बेर-बेर अपडेट होइत रहल। अंतिम रूपसँ अपडेट करबाक लेल भवनाथ झाजी लगलाह आ ओकर बदलामे गारि-गंजन भोगलाह। ओना भवनाथजी द्वारा कएल गेल अपडेट अंतरिम एप्रूभल केर बाद C-dac सार्वजनिक करत। ई अपडेट करबाक प्रक्रिया एहन छै जे समयक संग चलैत रहतै। एहि लेल ने भवनाथजी दोषी छथि आ ने C-dac । दोषी तँ ओ ओ सभ छथि जे कि एकटा फॉण्टकेँ अंतिम वस्तु मानि बैसल छथि। ओनाहुतो जखन पूरा समाजे जखन अतीतोन्मुख अछि आ बात-बातपर वेदेसँ अपन परिचय शुरू करैए ताहिठाम जँ भवनाथजी जँ पुरान हस्तलेखक (लगभग 1850 केर आसपासक हस्तलेख) आधारपर कोनो फॉण्टकेँ अपडेट केलाह तँ ओहिमे दिक्कत की? हमरा कोनो दिक्कत नै बुझाइए, जहिया बुझाएत तहिया यूनीकोड बला फॉण्ट छैहे ओही आधारपर हम अपन नव फॉण्ट बना लेब। बहुत संभव जे भाषाक बदलैत स्वरूपमे दस बर्खक बाद C-dac के फेर अपडेटकेँ जरूरति पड़तै तँ ओ ओहि समयक मिथिलाक्षर-प्रवीणकेँ ई काज देत। आब विदेहक काज मिथिलाक्षरक प्रति की छै से दऽ रहल छी मुदा एकरा हम दू भागमे बाँटब पहिल 2014 धरि आ दोसर 2015 सँ एखन धरि। एहि बाँट-बखराक ई आधार जे फेसबुक ओ ह्वाट्सएप केर माध्यमसँ सेहो बहुत लोक मिथिलाक्षर सिखा रहल छथि आ ओहिमेसँ सभ प्रायः 2015 केर बादे आएल छथि। फेसबुक ओ ह्वाट्सएप केर माध्यम बला चर्चा हम सोशल मीडिया बला खंडमे करब। चंद्रकांतजी बला फॉण्ट ओ

विनयजीक प्रारंभिक फॉण्टमे कोनो पोथी ओ पत्रिका नै अछि। गंगेश-श्रवीण जी बलामे विनीत ठाकुरजीक एकटा पोथी प्रकाशित अछि। तकर बाद गंगेश-श्रवीणजी बला फॉण्टमे संतोष कुमार मिश्रजीक पोथी सेहो छपल आ ई पोथी सभ नेपालसँ मँगा सकैत छी। विदेहक पहिल अंक जनवरी 2008 सँ लऽ कऽ 149म अंक 1 मार्च 14 धरि मिथिलाक्षर, देवनागरी आ ब्रेल तीनूमे आनलाइन प्रकाशित भेल। 150म अंक 15 मार्च 2014 सँ लऽ कऽ 344 धरिक अंक देवनागरीमे प्रकाशित छै। विदेहक 345म अंक आ तकर बादक अंक सेहो मिथिलाक्षरमे अछि। विदेह हरेक पचीस अंकक किछु सेलेक्टेड रचना लऽ कऽ "विदेह-सदेह" नामक प्रिंट रूप निकालने छै जे कि कुल 13 भागमे छै जाहिमेसँ दस भाग मिथिलाक्षर, देवनागरी ओ ब्रेल तीनू लिपिमे छै आ शेष तीन भाग देवनागरीमे। विदेहक हरेक अंक आ लेल फ्री डाउनलोड लेल उपल्बध छै। संगे-संग "विदेह-सदेह" केर सभ अंक केर सभ लिपिमे प्रिंट ओ फ्री डाउनलोड सेहो उपल्बध छै। प्रिंट रूप श्रुति प्रकाशन द्वारा प्रकाशित छै आ पाठक एकरा कीनि सकै छथि जकर संपर्क सूत्र हम निच्चा देब। एकर अतिरिक्त बहुत रास पोथी सेहो मिथिलाक्षरमे प्रकाशित भेल जाहिममेसँ किछु पोथीक नाम एना अछि-

1) मैथिली समीक्षाशास्त्र (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
2) नित नवल दिनेश कुमार मिश्र (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
3) दूषण पञ्जी- The Black Book (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
4) पर्वत ऊपर भमरा जे सूतल (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
5) नित नवल सुभाष चन्द्र यादव (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
6) कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
7) Learn Mithilakshar Script (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
8) Learn Braille through Mithilakshar Script

(लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)
9) Learn International Phonetic Script through Mithilakshar Script (लेखक- गजेन्द्र ठाकुर)

प्रसंगवश ईहो कहैत चली जे गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा लिखित कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक नामक पोथीमे संकलित उपन्यास "सहस्रबाढ़नि" अलगसँ ब्रेल लिपिमे प्रकाशित भेल आ ई मैथिलीक पहिल ब्रेल पोथी अछि जे कि बर्ख 2009 मे प्रकाशित भेलै श्रुति प्रकाशनसँ। ई पोथी दरभंगाक पूअर होममे नेत्रहीन लोक सभ लग सेहो पहुँचल छनि। पोथीक लिंक तँ देलहुँ अछि मुदा जाहि कंप्यूटरमे ब्रेल बला साफ्टवेरयर हेतै ताहीमे ई लिंक खुजतै।
गजेन्द्र ठाकुर मूको-बधरि लेल साइन भाषा मैथिलीमे पहिल बेर अनलाह जे कि अंतराष्ट्रीय साइन भाषापर आधारित अछि।
एकर अतिरिक्त आनो लेखक केर पोथी मिथिलाक्षरमे देल गेल अछि विदेह द्वारा जेना उदयप्रकाशजीक हिंदी उपन्यास "मोहनदास" केर मैथिली अनुवाद विनीत उत्पलजी द्वारा एही नामसँ भेल आ ई मिथिलाक्षर-देवनागरी आ ब्रेल लिपि तीनूमे अछि। ई सभ पोथी-पत्रिका निर्मलीसँ उमेश मंडल द्वारा प्राप्त कऽ सकैत छी। लोक देवनागरीसँ मिथिलाक्षर वा मिथिलाक्षरसँ देवनागरीपर अटकल छथि मुदा गजेन्द्र ठाकुर 2008हि केर आस-पास मिथिलाक्षर द्वारा ब्रेल लिपि ओ International Phonetic Script सिखबाक लेल किताब निकाललाह। विदेह पत्रिका मंगल आ वृंदा फॉण्टपर आधारित रहैत छल।
विनीत ठाकुरजीक पोथी "बाँकी अछि हम्मर दूधक कर्ज" जनवरी 2008 मे गंगेश गुंजन झा-श्रवीण मिश्र बला मिथिलाक्षर फॉण्टमे प्रकाशित भेलै। एहि पोथीक एक कात मिथिलाक्षर ओ दोसर कात देवनागरी लिपिमे रचना छै। जँ नेपालक संदर्भमे बात करी तँ विनीत ठाकुर बहुत पहिने लगभग

2003-4 सँ मिथिलाक्षर अभियानमे जुटल छथि से भने पन्ने बला माध्यम किएक ने हो। एखनो हिनकर बहुत रास रचना मिथिलाक्षरमे भेटत।
प्रारंभिक कालखंड ओ काजक बाद सोशल मीडियापर अजय नाथ झा शास्त्री मिथिलाक्षर साक्षरता अभियान फेसबुकपर चला रहल छथि। जाहिमे दावा कएल गेल अछि जे लगभग दू लाखसँ बेसी लोक मिथिलाक्षर सीखि लेलक। दूर्वाक्षत संस्था "मिशन मिथिलाक्षर योजना" चला रहल छथि। किछु गोटे एकर मासिक, त्रैमासिक कोर्स सेहो चला रहल छथि। बहुत गोटे तँ ह्वाट्सएपपर सिखबाक-सिखेबाक आह्वान केने छथि। कुल मिला कऽ देखी तँ प्रारंभिक (2003-14) केर बाद ई स्थिति नीक आ उत्साहजनक लगैत छै। दू लाख नै जँ बीसे हजार सिखने हेता तैयो ई एकटा सकारात्मक पक्ष भेलै सोशल मीडियाक। उपरमे जे नाम देल तकर अतिरिक्तो बहुत नाम छथि जे एतए देब संभव नै मुदा ई बात तय जे मिथिलाक्षरक प्रति लोकक रुचि जगलै आ ताहि लेल नेओ केर पाथर सी.के राउत, गंगेश-श्रवीण, विनय झा, गजेन्द्र ठाकुर, अंशुमान पांडेय सहित सोशल मीडियापर एखनुक समयमे सिखा रहल आ अपनाकेँ चमचमाइत शिखर मानि लेने सभ लोक धन्यवादक पात्र छथि। एहिठाम ई कहब उचित जे अधिकांश सिखबए बला ओ सीखए बला या तँ अक्षरमुख साइट केर सहायतासँ फोटो बना दै छथि वा हाथसँ लिखल पन्नाक फोटो। एहि ठाम सोशल मीडियासँ सिखाएल जा रहल मिथिलाक्षरपर किछु एहन गलतीक उल्लेख हम करब जे कि प्रायः सभ सिखबए बला कऽ रहल छथिन आ सीखए बला कऽ रहल छथि। सिखबए आ सीखए बला दूनू वर्तनीक गलती बहुत कऽ रहल छथि। अहाँ भने मिथिलाक्षरेमे किए ने लिखी मुदा जँ वर्तनी गलत रहत तँ ओकर फाइदा की? जाहि लिपिमे लीखू सही लीखू। दोसर गलती बहुत बड़का गलती छै विभक्ति केर संदर्भमे। मैथिलीमे विभक्ति शब्दमे जुड़ि जाइत छै मुदा अधिकांश मिथिलाक्षर बलामे देखि रहल छी विभक्ति हटल, ई तँ मैथिलीक

मूल विशेषतापर कुड़हरि मारि रहल छियै, जखन मूल विशेषते नै बँचतै भाषाक तखन लिपिए बचा की करब आ एहि प्रकारक गलती लेल सीखए बलासँ बेसी सिखेनहार दोषी छथि। फेसबुकपर एहन गलती बला पोस्ट देखाइ पड़िए जाएत हम जानि बूझि कऽ एहिठाम नै देलहुँ अछि। कहबाक लेल ईहो कहल जा सकैए जे देवनागरीमे जे मैथिली रचनाकार लिखलाह तकरे कियो मिथिलाक्षरमे लिप्यंतरण कऽ देलाह तँइ विभक्ति नै सटल भेटत मुदा ई जानब जरूरी जे मिथिलाक्षरमे विभक्ति सटब अनिवार्य। गीताप्रेस, गोरखपुरक हरेक हिंदी किताबमे विभक्ति सेहो सटल भेटत। जँ ई सिखबए-सिखाबए बला सभ विदेहक मिथिलाक्षर पोथी-पत्रिका, नेपालसँ प्रकाशित मिथिलाक्षर पोथी एवं छापाखाना बला मुद्रित मिथिलाक्षर पोथी पढ़ता ओ तखन लिखता तँ आर बहुत बेसी लाभ हेबाक संभावना रहत। ओना काज भेलै आ काज हेबो करत मुदा एहि लेखक अंत हम ई कहए चाहब जे किछु लोक एहन होइत छथि जे कि हरेक लोक लग प्रश्न करै छथि बिना ई चिंता केने जे उत्तर भेटत कि नै भेटत। कमसँ कम मिथिलाक्षर फॉण्ट एवं कीबोर्ड संबंधमे रौशन चौधरी जी हमरा सभ लग एहने प्रश्नकर्ताक रूपमे छथि जे अपना भरिसक सरकारीसँ लऽ कऽ प्राइभेट साफ्टवेयर कम्पनीक साइटपर 2008 लगातार पुछैत रहलाह जे मैथिली फॉण्ट बनलै की नै बनलै, कहिया बनतै आदि। भऽ सकैए जे फॉण्ट -कीबोर्ड रौशनजी लेल नै बनल हो मुदा सामने वला आदमीकेँ ई बुझाएल जरूर हेतै जे मिथिलाक्षर लेल प्रश्न करए बला कियो छै ओकरो मोन उत्सुक भेल हेतै मिथिलाक्षरक लेल ईहो बड़के काज भेलै। ओना आब एहि प्रश्नक उत्तर भेटब शुरू भऽ गेल अछि। Keyman tirhutta keyboard बनेलक जकर लिंक अछि https://keyman.com/keyboards/tirhuta निच्चा किछु keyboard केर लिस्ट अछि।।

https://malarproject.gitlab.io/tirhuta
https://keymanweb.com/?_ga=2.7155890.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_tirhuta
https://keymanweb.com/?_ga=2.241635586.1818820209.1675749426-2042013574.1675749426#mai-tirh,Keyboard_malar_tirhuta
https://aksharamukha.appspot.com/converter
https://aksharamukha.appspot.com/keyboards
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
https://www.cdac.in/

अध्याय-12

मैथिलीक इंटरनेटपर जियोसिटीजक साइटसँ होइत सोशल मीडिया धरिक यात्रा

जियोसिटीजक साइटसँ होइत मैथिली इंटरनेटपर सोशल मीडियाक सहारे बढ़ल। ई सोशल मीडिया की थिक आ कतेक प्रकारक होइत छै से जानी--
ओना तँ सोशल मीडियाक बहुत परिभाषा छै मुदा से तकनीकी छै। हम एकरा गामक चंडालचौकड़ी माध्यमे परिभाषित करब। चंडालचौकड़ीमे की होइ छै किछु लोकक समूह अपन-अपन ठेकनाएल जगहपर जाइत छै आ विभिन्न तरहक क्रियाकलाप करै छै। ई क्रियाकलाप ज्ञान, हँसी-मजाक, मारि-पीट सभ तहहक होइत छै। केखनो काल एक-एक काज लेल अलग-अलग चंडालचौकड़ी होइत छै तँ केखनो काल एकै चंडालचौकड़ीमे सभ क्रिया भऽ जाइत छै। गौरसँ देखियौ चंडालचौकड़ी लेल तीन अनिवार्य तत्व छै, लोक, निश्चित जगह आ लोककेँ अएबाक लेल प्रेरक। आधुनिक समयमे "लोककेँ अएबाक लेल प्रेरक" तत्व इंटरनेटमे बदलि गेलै आ इंटरनेटपर सेहो निश्चित जगह बना देल गेलै लोक लेल। लोकक जेहन प्रवृति तेहने-तेहन जगह। कुल मिला कऽ ओहन चंडालचौकड़ी जे कि इंटरनेटक माध्यमसँ कोनो निश्चित साइटपर होमए लागए तँ ओकरा सोशल मीडिया कहल जाइत छै। ओना मैथिलीमे चंडालचौकड़ी निगेटिभ अर्थमे प्रयोग होइत छै मुदा हम जोर दऽ कऽ कहब जे चंडालचौकरीमे किुछए देर सही ज्ञानक बात सेहो होइत छै, समाजक भलाइ केर बात सेहो होइत छै। सोशल मीडियाक किछु विभिन्न रूप निच्चा देल जा रहल अछि--

1) Social networks - ई विभिन्न तरीकासँ लोककेँ जोड़बाक लेल बनै छै जेना- Facebook, Twitter, LinkedIn एहूमे

LinkedIn मात्र प्रोफेशनल लोक सभ लेल छै से चाहे प्रोफेशन बहुत प्रकारक भऽ सकैए। समान्यतः नौकरीपेशा आ बेपारी LinkedInपर बेसी रहै छथि। Twitter नेता ओ राजनीतिक ओ समाजिक संगठन लेल बेसी प्रयोग होइए तँ Facebook कँे सभ जनता जनार्दन अपना अनुकूल पाबै छथि तँइ अपना देशमे Facebook हदसँ बेसी लोकप्रिय छै। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

2) Media sharing networks — ई विभिन्न तरीकासँ फोटो, आडियो ओ भडियो सार्वजनिक करबाक सुविधा दै छै जेना- Instagram, Snapchat, YouTube, soundcloud आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

3) Discussion forums — ई विभिन्न तरीकासँ लोकक बीच तर्क करबाक, प्रश्न करबाक, उत्तर देबाक सुविधा दै छै जेना- reddit, Quora, Digg आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

4) Bookmarking and content curation networks — ई विभिन्न तरीकासँ कोनो टेकस्ट वा पी.डी.एफकेँ सुरक्षित करबाक सुविधा दै छै जेना - Pinterest, Flipboard आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

5) Consumer review networks — ई विभिन्न तरीकासँ बेपार ओ ग्राहकक रुचि-अरुचि जनबाक सुविधा दै छै जेना- Yelp, Zomato, TripAdvisor आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

6) Blogging and publishing networks — ई विभिन्न तरीकासँ कोनो टेक्सटकेँ आनलाइन प्रकाशित करबाक सुविधा दै छै जेना- blogger, WordPress, Tumblr, Medium आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

7) Interest-based networks — ई विभिन्न तरीकासँ लोककेँ अपन वयक्तिगत रुचि-अरुचिकेँ सार्वजनिक करबाक सुविधा दै छै जेना - Goodreads, Houzz, Last.fm आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

8) Social shopping networks—Shop online ई विभिन्न तरीकासँ लोककेँ कोनो वस्तु आनलाइन किनबाक-बेचबाक सुविधा दै छै जेना - Polyvore, Etsy, Fancy आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

9) Sharing economy networks—Trade goods and services ई विभिन्न तरीकासँ अर्थव्यवस्था ओ विभिन्न सेवा संबंधी जानकारी देबाक सुविधा दै छै जेना - Airbnb, Uber, Taskrabbit आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

10) Anonymous social networks— ई विभिन्न तरीकासँ लोककेँ अपन पहिचान नुका कऽ कोनो विषयपर संवाद करबाक सुविधा दै छै जेना- Whisper, Ask.fm, After School आदि। एहि कैटेगरीमे आरो नाम भऽ सकैए।

आब किछु एहम सोशल मीडियाक विवेचना देखी जकर महत्व मैथिली लेल बेसी अछि--

फेसबुक आ मैथिली

2004 मे फेसबुक केर शुरूआत भेल आ लगभग 2008सँ फेसबुकपर मैथिली आएल (आएल मने साहित्य ओ भाषाक रूपमे)। कहबाक मतलब जे लगभग 2008सँ मैथिल सभ खुलि कऽ बिना कोनो संकोचकेँ फेसबुकपर मैथिली भाषाक प्रयोग शुरू केलाह। सभ चीजक दुरूपयोग होइ

छै आ फेसबुकक सेहो भेलै। तथापि ओइ दुरूपयोगक अलावे मैथिलीक संदर्भमे बहुत रास उपयोगी बात भेलै फेसबुकपर। प्राप्त जानकारीक अनुसारें 9 February 2008 कैं Videha e Journal फेसबुक चौबटिया कहि कऽ ग्रुप एलै जकर लिंक https://www.facebook.com/groups/7436498043 अछि आ एकर पहिल पोस्ट केर लिंक https://www.facebook.com/groups/7436498043/permalink/10150562846913044 अछि तकर बाद फेर अही नामसँ 7 July 2008 कैं विदेहक फेसबुक भर्सन (फेसबुक ग्रुप केर रूपमे) विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका केर नामसँ एलै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी- https://www.facebook.com/groups/10299304978/ एहि ग्रुपक पहिल पोस्टक लिंक अछि- https://www.facebook.com/groups/10299304978/permalink/428765254978/ बादमे एहि ग्रुपक सभ पोस्टकैं विदेहक तेसर आ बेसी उन्नत ग्रुपमे परिवर्तित कऽ देल गेलै जकरा एहि लिंकपर देखि सकै छी- https://www.facebook.com/groups/videha/ ई बदलाव लगभग 2010-11मे भेलै जाहिमे आनो लोककैं जुड़बाक सुविधा देल गेलै। ओहि समयमे इएह विदेह ग्रुप छल जे जाहिमे मैथिलीक हिसाबें पहिल बेर 10000 लोकसँ बेसी जुड़ल छल। ओना आब तँ अकड़-बकड़ पोस्टक ग्रुप बलापर लाख-लाखक संख्या छनि मुदा परिणाम सुन्ने भेटत। इंटरनेटपर पहिल उपस्थिति कोन अछि तेहने सन तथ्यहीन बहस फेसबुकपर सेहो चलल जे "फेसबुकपर मैथिलीक पहिल ग्रुप कोन?"। मुदा पहिनेहें जकाँ सभ गोटा अपन-अपन ग्रुपक पहिल हेबाक दाबी बिना कोनो लिंककैं

करैत रहलाह। विदेह सदिखन प्रमाण प्रस्तुत करैत रहल अछि। एहि ठाम सेहो लिंक देल गेल अछि। तँइ एखन धरिक प्रमाणक आधारपर ई मानबामे कोनो संकोच नै जे ग्रुप केर रूपमे विदेहक ग्रुप फेसबुपर मैथिलीक पहिल उपस्थिति अछि। निच्चा किछु एहन तथ्य देल जा रहल अछि जाहिसँ मैथिलीक संदर्भमे फेसबुकक उपयोगिता साबित हएत-

फेसबुक, भाषा आ साहित्य

फेसबुक मैथिली भाषा आ साहित्य लेल बहुत योगदान केलक। बिना कोनो स्कूल गेने, बिना कोनो कोंचिंग गेने जतेक लोक एहिठाम मैथिली सिखलाह तकर गिनती नै। जँ सच पूछी तँ मैथिली आंदोलनकारी सभ जे स्कूल वा कालेजमे मैथिली पढ़ाइ लेल अनेरे मारि करै छथि ताहिसँ नीक जे ओ ओतबे समयमे फेसबुकपर मैथिली लिखबा लेल लोककेँ प्रोत्साहत करथि तँ बेसी नीक रिजल्ट निकलत। ओना हमरा ई मानबामे संकोच नै जे स्कूल वा कालेजमे कोनो भाषाक पढ़ाइ केर एकटा अलग महत्व होइत छैक। निच्चा किछु एहन तथ्य देल जा रहल अछि जाहिसँ मैथिलीक संदर्भमे फेसबुकक उपयोगिता साबित हएत-

1) मैथिली भाषाक लिखित प्रयोग--- फेसबुकपर मैथिली लिखनाइ एकटा स्टेटस सिंबल बनि गेल आ शिक्षित-अशिक्षित, नेता-जनता, स्त्री-पुरुष सभ गोटा बिना कोनो वर्तनीकेँ वा कोनो गलतीकेँ चिन्ता केने मैथिली लिखला जाहिसँ मैथिली लिखए बला संख्या बढ़ल आ ई मैथिलीक भविष्य बहुत नीक रहत। फेसबुकपर साहित्य केर संदर्भमे विदेहक फेसबुक भर्सन बहुत रास काज केलक। एहि भर्सन द्वारा नव-नव लेखककेँ प्रोत्साहन भेटल जकर प्रभाव निकट भविष्यमे देखबामे आएत।

2) मैथिलीमे स्त्री लेखिकाक संख्या-- मैथिली लेल ई बहुत नीक जे

फेसबुक मैथिल स्त्री लेल ओहन साधन बनि गेल जिनकर बोलकेँ बहुत रास कुच्रकमे फँसा कऽ राखि देने छल ई समाज। आजुक स्त्री कोनो बातक परबाह केने बिना अपन भावनाकेँ फेसबुकपर परसि रहल छथि। आ तइसँ मैथिलीमे नव-नव अध्याय-अनुभव जुड़ि रहल अछि।

3) मैथिली दलित साहित्य केर प्रचारक-- फेसबुकक माध्यमे भारत-नेपाल मिला कऽ जतेक मैथिलीक दलित लेखक, विचारक एलाह ततेक मात्र सिद्ध सरहपादे कालमे छल मने मैथिलीक एकदम शुरूआती समयमे। लगभग हजार सालसँ मैथिलीक समाजिक ताना-बानाकेँ जे तोड़ने छल तकरा फेसबुक तोड़ि देलक आ सही अर्थमे "मैथिल समाज" केर निर्माणमे सहयोग देलक।

फेसबुक आ समाज

फेसबुक आ फेसबुक ग्रुपसँ किछु लेखक बंधु तमसाएल रहै छथि। हुनक तामसक कारण ई जे लोक हुनकर कथित गंभीर रचनापर धियान नै दऽ फालतूक फोटो, बात आदिपर बेसी सक्रिय रहै छथि। ताहूमे जखन कियो कोनो घास-पात, तर-तरकारी, गाछ-बिरिछक फोटो दऽ पूछै छै-ई की छै आ ताहिपर हजारो लोकक लाइक-कमेंट आ से देखि लेखक सभ तखने जरि कऽ छाउर भऽ जाइत छथि। हुनका बुझाइ छनि जे हमर एतेक गंभीर विचार नष्ट भेल जा रहल अछि आ लोक सभ फालतू काजमे लागल अछि। मुदा एहन लेखक सभकेँ फेसबुकक उद्येश्ये नै बूझल छनि। वस्तुतः फेसबुकक जन्म एही सभ लेल भेल छै जाहिसँ लोक एक-दोसरसँ जुड़ल रहै। बादमे किछु प्रबुद्ध एकर उपयोग साहित्य-संगीत-राजनीति एवं अन्य काज लेल करए लगलै। लेखक सभकेँ धैर्य राखि एहि माध्यमकेँ लेखन लेल सार्थक बनबए पड़तनि आ तखन संभव जे साहित्यो केर दिन घुरतै। ओना घास-पात, तर-तरकारी, गाछ-बिरिछक फोटो लेल हमर विचार अछि जे ई ओहन

लोक सभ लेल उपयोगी जे कि गाम-घरसँ कटि गेल छथि। आ फेसबुकपर एहन संख्या लाखोमें अछि तँइ एहन पोस्ट सभपर बेसी सक्रियता रहै छै। कहियो काल किछु वस्तुक संदर्भमे हमरो जानकारी बढ़ि जाइए एहन-एहन पोस्टसँ से हम स्वीकारै छी। हम मात्र हिंट देलहुँ एहि विषयपर कोनो समाजशास्त्री काज करथि तँ नीक विवेचना भऽ सकैए। फेसबुकसँ समाजिक संगठन हेबामे सुविधा भेलैए से चाहे ओ कोनो पाबनि-तिहारक संदर्भमे हो वा कि बाढ़ि-अकाल वा आन कोनो परस्थितिमे। बहुतो एहनो घटनाक सबूत अछि जाहिमे कोनो हेड़ाएल लोक अपन परिवारक लोक फेसबुकक कारण भेटलै। फेसबुकपर एक मिनटमे कोनो समाद हजार ठाम पसरि जाइत छै।

फेसबुक आ धर्म

फेसबुक मिथिलाक अपन निज ओ खाँटी पाबनि तिहार लेल अमृतक समान काज केलक अछि। बड़का पाबनि जेना दुर्गापूजा, होली, दिवाली, छठि आदिक शुभकामना तँ प्रचलित छल मुदा एहि माध्यमसँ हैप्पी तिलासंक्रांति, हैप्पी जूड़शीतल, हैप्पी जितिया, हैप्पी चौरचन, हैप्पी भरदुतिया आदि बेसी प्रचलित भेल। एकर अतिरिक्त मिथिलामे पसरल उपासक आगू सेहो हैप्पी लागए लागल। मिथिलाक एकटा बहुत बड़का वर्ग (गैर-ब्राह्मण ओ कायस्थ) सेहो अपन-अपन पूजाक लऽ कऽ फेसबुकक प्रयोग कऽ रहल छथि आ ई आरो नीक बात भेलै। निश्चित तौरपर मिथिलाक पछुआएल पाबनि-तिहार फेसबुक ओ अन्य प्लेटफार्म पाबि मजबूत भेल अछि। किछु एहन पाबनि जे कि व्यक्तिगत होइत छै जेना कोजगरा, मधुश्रावणी, भुँइया बाबाक पूजा आदिक कायाकल्प सेहो भऽ रहल अछि एहि माध्यमसँ। धर्मक एहि रूपसँ मैथिलीक गीत विधा बेसी लाभ उठेलक। जाहि पाबनि सभहक

गीत प्राचीने कालसँ नै केर बराबरि होइत छल ताहू पाबनि सभहक गीत आब बहुतक संख्यामे भेटत। अप्रैल 2016 मे फेसबुक लाइभ हेबाक सुविधा देलकै मने अहाँ अपन भीडियो रूपमे कोनो बात सेहो कहि सकैत छी। ई सुविधा आन विषय लेल जेहन हो मुदा मैथिली गीत-संगीत लेल अमृतक समान काज केलक। लोक अपन-अपन लाइभ प्रस्तुति दऽ अपन प्रतिभाकेँ समाजक सामने राखि देलखनि। जकर प्रत्यक्ष लाभ एहि विधाकेँ भेटि रहल छै। ओना ई अलग बात जे बर्ख 2020 मे लाकडाउनक कारणे एहि लाइभ केर दुरुपयोग भेलै। एक दिस जनता भायनक दुख भोगि रहल चल तँ दोसर दिस साहित्यकार लेल 'लाइभ काल' चलि रहल छल।

फेसबुक आ राजनीति

जखने समाज छै तहने राजनीति हेबे करतै से चाहे कोनो स्तरक किए ने हो। आइ स्थिति ई छै जे देशक हरेक नेता ओ पार्टीक सोशल मीडिया प्रभारी छै। आ एहि लेल भारी-भरकम खर्च प्रस्तावित करै जाइए एहि प्रोफेशन केर लोक सभ। भारतमे भारतक चुनाव प्रचार जमीनपर कम आ सोशल मीडियापर बेसी होइत छै। आ एहिसँ कोनो नेताक हारि-जीतक समीकरण सेहो तय होइत छै। 2008 मे अमेरिकामे बराक ओबामा अपन चुनाव केर प्रबंधन सोशल मीडियामे सेहो करबेलाह आ जितलाह ताही तर्जपर 2014 मे भारतक प्रधानमंत्री चुनाव भाजपा सोशल मीडिया द्वारा लड़लक आ ओहि चुनावमे जीतल आ तकर बाद भारतक सभ राजनैतिक दल अपन-अपन पक्ष फेसबुकपर राखए लागल ताहूमे एखन धरि भाजपे आगू अछि। एहिसँ पहिने भारतेमे अन्ना हजारे द्वारा 2011 मे कएल गेल अनशन सेहो फेसबुकक कारणे पसरल आ ओहि आंदोलनसँ किछु नीक नेता जेना अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया आदि निकललाह। फेसबुक राजनीतिकेँ पलटियो दैत छै। 2010 मे मिश्र (इजिप्ट) मात्र फेसबुकक

सहारासँ अपन भ्रष्ट ओ निरंकुश शासनकेँ खत्म केलक एकरा Egyptian revolution of 2011 केर नामसँ जानल जाइत छै। विश्वक हरेक कोनामे अपन अवाज उठेबाक लेल फेसबुक आ सुलभ साधन छै।

फेसबुक आ बेपार

विज्ञापन लेल फेसबुक लेल नीक साधन अछि आ बेपार तँ मुख्यतः विज्ञापनेपर टिकल अछि। जहाँ आन माध्यमसँ विज्ञापन लेल पाइ खर्चा करए पड़ैत छै ततए फेसबुक ओ अन्य सोशल मीडियासँ अपेक्षाकृत नमहर सर्किलमे अहाँ अपन चीजकेँ राखि सकैत छी। प्रायः हरेक कम्पनी केर सोशल मीडिया एकांउट छै जतए ओ अपन नव वस्तु, स्कीम आदिक विवरण दै छै।

एकर अतिरिक्त आनो विषयमे फेसबुक सहायक भेल। आ एहने एकटा विषय अछि मजाकिया फोटो, मीम, कार्टून आदि। फेसबुकपर मैथिलीमे लिखल आ मैथिलसँ संबंधित मजाकिया फोटो, मीम, कार्टून बहुत आएल आ आबिए रहल अछि। इंटरनेटपर मैथिली लेखकक उपर पहिल बेर एडिट कएल फोटो (मजाकिया, मीम, कार्टून) एकै संगे तीन टा लेखक गजेन्द्र ठाकुर, आशीष अनचिन्हार ओ उमेश मंडलपर एलै जे विकास ठाकोर नामक एक फेक आइडी 2011 मे बनेने रहै। जे ओहि समयमे फेसबुकपर एक्टिभ रहथि से जनैत हेता जे विकास ठाकोर दू मासमे मिथिला राज्य बना देबाक दावा केने रहै। फोटो दऽ रहल छी। अपनेपर हँसि कऽ अपन नाम इतिहासमे पहिल हेबाक घुसिया रहल छी। ई कार्टून बनबए बला लोक कार्टूने धरि नै रहलाह हरेक पाबनि-तिहारपर ओकर अनुकूल फोटोशाप सेहो करए लगलाह जे कि आकर्षक छल आ पाबनि-तिहारकेँ एकटा नव रंग देलक।



ई छल सकारात्मक पक्ष मुदा एकर अतिरिक्त किछु नकारात्मक तत्व सेहो छै आ ई तँ संसारक नियमे छै जे कोनो वस्तुमे गुण-अवगुण दूनू रहैत छै।

फेसबुकक दू टा फीचर आ दू टा भ्रम

मैथिलीमे बहुत रास भ्रम छै आ ताहूमे लगभग 99% भ्रम व्यक्तिगत भ्रम छै। मुदा मैथिल बहुत चालाक होइत छथि आ ओ अपन व्यक्तिगत भ्रमकेँ सार्वजनिक भ्रम बना देबाक कला जानै छथि। मैथिलीमे सोशल मीडिया तँ एलै मुदा ओकरासँ संबंधित भ्रम सेहो एलै आ लोक ओकरा अपन व्यक्तिगत भ्रम बना पसारहो लगलै। आइ अइ ठाम हम फेसबुकसँ संबंधित दू टा भ्रमपर विचार राखब--

1) People You May Know--- मैथिल ई भ्रम पोसने रहै छै जे लोक हमर प्रोफाइल नुका कऽ देखैए तँइ हमरा 'People You May Know' मे लोक सभ देखाइए। किछु लोकक ईहो विचार छनि जे जँ हम केकरो प्रोफाइल नुका कऽ देखबै तँ हमरो ई देखाएत। हमरा समझसँ ई पूर्णतः भ्रम छै। भ्रमसँ बेसी आत्ममुग्धता कहल जेतै। ओना ई भ्रम आनो

समाजमे छै आ गूगलपर एकर समर्थनमे सेहो लेख भेटि जाएत मुदा फेसबुकक हिसाबसँ देखल जाए तँ ओहन लोक जे कि अहाँक कोनो मित्रक लिस्टमे छथि तकरा फेसबुक 'People You May Know' मे देखाबै छै तेनाहिते जँ कियो ग्रुपमे छथि तँ ओहि ग्रुपक सभ सदस्यकेँ एक-दोसर 'People You May Know' बला खंडमे समय-समयपर देखाइ पड़तनि। फेसबुक स्थान, शिक्षण संस्थान, रुचि, कार्य आदिक आधारपर सेहो 'People You May Know' मे दै छै। सभसँ बेसी मजा केर बात ई जे 2014 मे फेसबुक ह्वाट्सएपकेँ कीनि लेलकै। आब ह्वाट्सएप कोना काज करै छै से देखियौ। जखन कियो ह्वाट्सएप शुरू करै छै तखन ह्वाट्सएप प्रयोगकर्तासँ पूछै छै जे कि ह्वाट्सएप अहाँक फोटो, कान्टेक्ट, कैमरा आदिक प्रयोग कऽ सकैए आ समान्यतः हम सभ ओकरा एलाउ कऽ दैत छियै। असल खेला एहू ठाम छै। मानू जे अहाँक कान्टेक्ट लिस्टमे एहनो आदमी छथि जे कि अहाँ संग फेसबुकपर नै छथि मुदा फेसबुक ओहि आदमीकेँ 'People You May Know' बला लिस्टमे देखेतै। एहिठाम ई धेआन राखए बला बात ई जे स्थान, शिक्षण संस्थान, रुचि, कार्य आदिक आधारपर फेसबुक लोकक सजेशन दै छै से कियो भऽ सकैए जँ इच्छा अछि तँ जूड़ू अन्यथा ओकरा रीमूभ कऽ दियौ। जुड़बै कोना जखन कि अहाँ ओकर प्रोफाइल चेक करबै आ जँ मनोनुकूल हएत। जँ मनोनुकूल नै भेल तँ अहाँ अपना घर आ लिस्ट बला तँ अपना घरमे अछिए। मुदा ई साक्षात भ्रमे छै जे 'People You May Know' बला लिस्टमे वएह आदमी आएत जे कि अहाँक प्रोफाइल चेक करत।

2) प्रोफाइल रीचमे कमी-- प्रोफाइल रीच केर मतलब भेल जे अहाँक पोस्ट कतेक लोक धरि पहुँचै छै मुदा जँ पोस्टपर कोनो लाइक-कमेंट नै कएल जाए तँ पोस्टकर्ता ई नै बूझि पाबै छथि जे कतेक लोक पोस्ट देखलाह (स्टोरी एवं कोनो प्राइभेट ग्रुपमे के-के देखलाह से आबि जाइत छै,

भीडियोमे कतेक लोक देखलाह से आबि जाइत छै) तँइ साधारणतः लोक लाइक-कमेंटमे कमीकेँ "प्रोफाइल रीचमे कमी" मानि लै छथि। समान्यतः फेसबुक शुरूआतमे कोनो आदमीक लिस्टक अधिकाशं लोकक पोस्टकेँ देखाबैत छलै। लोक स्क्रोल करैत छल आ ओकर लिस्टक पोस्ट देखाइत छलै तेनाहिते दोसरो आदमीकेँ हमर वा अहाँक पोस्ट देखाइत छल हेतै। मुदा बादमे फेसबुक लोकक रुचि एंव ओ अपने कतेक दोसर लोकक पोस्टपर जाइत छै ताही अनुरूप रीच दै छै। ई बदलाव लगभग 2015 केर बाद भेलै आ ताहि समयमे वा एखनो भाजपाक सरकार छै। तँइ संभवतः लोककेँ 'प्रोफाइल रीचमे कमी' केर समस्या तकनीकी नै राजनैतिक लागए लगलै। मुदा ई रीच केर समस्या भारतेमे नै आनो देशमे भेलै। ओना सभ सरकार अपना समयमे मीडियाकेँ दबा दै छै तँइ वर्तमान भाजपा सरकार सेहो केने हेतै मुदा जे बदलाव फेसबुक अपने कए रहल छै ताहि लेल राहुल-मोदी-अमित-सोनियाकेँ जिम्मेदार नै ठहराएल जा सकैए। मैथिलीमे ई समस्या ओहने लोक सभ लग छनि जिनका अपन ज्ञानक दाबी छनि आ ओ अपन हरेक पोस्टक अपन लिस्टक हरेक लोकक लाइक-कमेंट चाहै छथि मुदा ओ अपने कहियो गलतियोसँ आन लोकक पोस्टपर नै जाइ छथि। जँ हमर लिस्टमे 1000 लोक छथि आ हम सभ लोकक पोस्टपर जइए (भने लाइक-कमेंट करियै कि नै करियै) तँ हमरो पोस्ट ओहि सभ लोक लग पहुँचबे टा करतै। जँ हम हजारमेसँ 200 लोकक पोस्टपर जेबै तँ हमरो पोस्ट ओही 200 लोक लग पहुँचतै आ 800 लग दस-बीस दिनमे एकटा। फेसबुकक ई वर्तमान स्वरूप बेसी व्यावहारिक छै (लोक एकरा राजनैतिक बना देलकै से बात अलग)। तँइ सी फर्स्ट आप्शन रहितो लोक ओहन पोस्टकेँ नै देखि पाबै छै। बहुत लोक अपन लिस्टमे मित्र तँ राखै छथि मुदा ओ मित्र सभ हुनका अनफालो केने रहै छनि। एहनो स्थितिमे पोस्टक रीच कम हेतै। एहिठाम लोक पेड रीच लऽ कऽ सेहो भ्रममे छथि। पेड रीच

प्रोडक्ट लेल छै प्रोफाइल लेल नै मुदा बहुत लोक अपनाकेँ प्रोडक्ट बना पेड रीच केर सुविधा लऽ लै छथि। आन लोककेँ बुझाइ छनि जे हुनकर रीच बेसी आ हमर कम अछि। हरेक राजनीतिक दल केर पेज पेड रीच छै ताहूमे जे बेसी दाम देने छै ताहि पेजक रीच बहुत हेतै आ ओकर पोस्ट फेसबुक लेल महत्वपूर्ण हेतै। बहुत संभव जे भाजपा केने हो मुदा सोचियौ जँ कांग्रेसक सरकार बनतै तँ कि ओ ई सुविधा छोड़ि देतै? सोझ बात बुझियौ जे आब प्रोफाइल रीच एहि बातपर निर्भर करैत छै जे अहाँ आन कतेक लोकक पोस्टपर गेलियै एवं आन कतेक लोक अहाँक पोस्टपर आएल। दूनूमेसँ जँ कोनो एकटा शर्त पूरा हेतै तखने रीच बनल रहतै। ओना उपरक दूनू तथ्य सर्वज्ञात छै मुदा तकर बादो भ्रम पसरल छै।

फेसबुकपर मैथिलीक किछु प्रसिद्ध ग्रुप आ एकर काज –

1) विदेहक फेसबुक भर्सन https://www.facebook.com/groups/videha/, एहि ग्रुप मुख्य एडमिन गजेन्द्र ठाकुर छथि। एहिठाम हम विदेहक फेसबुक भर्सन केर किछु काज संक्षिप्त रूपें देखा रहल छी

A) विदेह फेसबुक ग्रुपपर सभसँ पहिल काज मैथिली हाइकू केर अछि। गजेन्द्र ठाकुर पहिने हाइकू केर आलेख देलखिन तकर बाद हरेक दिन एकटा गाछक वा कोनो फोटो द' क' हाइकू लिखबाक आग्रह करै छलखिन। एकर प्रभाव तेहन तेहन भेलै जे सभसँ पहिने मैथिलीमे हाइकू केर लेखकमे अभूतपूर्व वृद्धि देखल गेल जाहिमे सुनील कुमार झा, मिहिर झा, ओमप्रकाश झा, इरा मल्लिक, शिव कुमार झा, ज्योति सुनीत चौधरी, अमित मिश्र, चंदन कुमार झा, मुन्नाजी, रामविलास साहु सहित एहि पाँतिक लेखक सेहो

सम्मलित छथि। 2008सँ मैथिली हाइकू केर ब्लाग सेहो अछि जाहि ठाम विदेहक फेसबुक भर्सनसँ हाइकू केर संग्रह कएल गेल अछि। ई ब्लाग एहि पतापर देखल जा सकैए http://maithili-haiku.blogspot.com/

B) फेसबुकक माध्यमसँ विदेह मैथिलीक वर्तनी ओ मानकता लेल नीक प्रयास केने अछि आ तही कारणसँ कमसँ कम इंटरनेटपर सुदूर नेपालसँ लए कऽ दरंभगाक मैथिली एकसमान भेल अछि (ईहो धातव्य जे किछु जबरदस्ती बला मानकता बला विद्वान सभ एखनो कृत्रिम मैथिलीकेँ पकड़ने छथि)। विदेहक एहि मानक भाषाक लेखककेँ "भाषापाक" नाम देल गेलै जे कि विदेह पोथी डाउनलोडपर सेहो उपल्बध अछि।

C) विदेहक फेसबुक भर्सनपर जतेक नाटक संबंधी रचना आएल तकरा विदेह मैथिली नाट्य उत्सव नामक ब्लागपर राखल गेल अछि। विदेह ग्रुपक सहयोगसँ लगातार चनौरागंजमे विदेह नाट्य उत्सवक आयोजन भेल अछि जे कि मैथिलीमे समानांतर नाट्य अवधाणाकेँ मजगूत केलक।

D) विदेहक फेसबुक भर्सन मैथिली बीहनि कथाक लगातार सहयोगी बनल रहल। एहि ठाम देल गेल आ प्रोत्साहित भेल बीहनिकथाकारकेँ मैथिली बीहनिकथा ब्लागपर राखल गेल जकरा एहि लिंकपर देखल जा सकैए http://vihanikatha.blogspot.com/

E) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख कविताकेँ मैथिली कविता नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-kavita.blogspot.com/ लिंकपर देखल जा सकैए। लगभग 400सँ उपर कविताक संकलन अछि।

F) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख कथाकेँ मैथिली कथा नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-katha.blogspot.com/ लिंकपर जा क' देखि सकै छी।

G) विदेह ग्रुपपर आएल प्रमुख आलोचना, समीक्षा आदिकेँ मैथिली कथा नामक ब्लागपर राखल गेल अछि जकरा http://maithili-samalochna.blogspot.com/ लिंकपर जा क' देखि सकै छी।

2) मिनाप MINAP (Mithila Natyakala Parishad) https://www.facebook.com/groups/258380252004/ एडमिन, सुनील कुमार मल्लिक, प्रवेश मल्लिक।,

3) मैथिली गजल भंडार, https://www.facebook.com/groups/mghajal/ एडमिन कुंदन कुमार कर्ण

4) मिथिलांगन ("MITHILANGAN" - A Literary, Social and Cultural Organisation), https://www.facebook.com/groups/mithilangan/ एडमिन आनंद रंजन

5) घटकैती झारखंड मिथिला मंच https://www.facebook.com/groups/226653764434000/ घटकैती झारखण्ड मिथिला मंचक शुरुआत 26 नवम्बर 16 के झारखण्ड मिथिला मंच के स्वयंसेवक सुजीत झा जी केलथि। वर्तमान एडमिन निशा झा एवं सुजीत झा छथि। एडमिनक उद्गार एना अछि "एहि ग्रुप द्वारा पहिल विवाहक समाचार मई 17 मे प्राप्त भेल जे संपन्न भेल छल बोकारोमे, तकर बादसँ एखन धरि 40 गोटे समाचार देने छथि जे हम्मर पुत्र-पुत्री के विवाह एहि घटकैती ग्रुप द्वारा भेल, विवाह त बहुतो होइ ये ग्रुपक माध्यमे लेकिन ग्रुप मे सुचना बहुतो कम गोटे देइ छैथ, खैर कोनो बात नै हम सब निःस्वार्थ अप्पन कार्य में लागल छी, वर्तमानमे एहि ग्रुपमे 3000 सँ ऊपर बायोडाटा राखल अछि”।

6) धूआ धजा

https://www.facebook.com/groups/dhuadhaja/
(एडमिन परमेश्वर कापड़ि, कुमार भाष्कर)
7) समदिया
https://www.facebook.com/groups/samadiya/
(प्रियंका झा, पूनम मंडल),
8) विदेह नाट्य उत्सव
(https://www.facebook.com/groups/136683676426547/?ref=group_browse_new) एडमिन बेचन ठाकुर,
9) मैथिली थियेटर
(https://www.facebook.com/groups/MAITHILIRANGMANCH/) एडमिन आशुतोष अभिज्ञ,
10) अछिंजल
(https://www.facebook.com/groups/achhinjal/)
एडमिन पवन झा,
11) नेना भुटका
(https://www.facebook.com/groups/101930576873357/) एडमिन देवाशुं वत्स,

एकर अतिरिक्तो बहुत रास ग्रुप अछि जकरा जोड़ल जा सकैए। 2014 केर बादसँ फेसबुक ग्रुपक एकटा ट्रेंड देखबामे आएल जे एडमिन कोनो पोस्ट एप्रूभ करबाक काज अपना हाथमे लऽ लै छथि आ सौंसे हल्ला केने फीरै छथि जे हमर ग्रुपमे साफ-सुथरा पोस्ट अबैए मुदा ई बात निश्चित जे एहन पोस्टमे बेमतलब पोस्ट बेसी अबैत छै।

Twitter आ मैथिली

Twitter माइक्रोब्लागिंग सोशल साइट छै जे कि अमेरिकन Jack Dorsey, Noah Glass, Biz Stone आ Evan Williams द्वारा मार्च 2006मे बनाएल गेलै आ ओही सालक जुलाइमे सार्वजनिक कएल गेलै। Twitter नेता ओ राजनीतिक ओ समाजिक संगठन लेल बेसी प्रयोग होइए। ओना जे मैथिल फेसबुकपर शुरुआतसँ छथि सएह सभ Twitter पर शुरुआती समयमे (2008-9)मे एलाह आ बादमे आरो बहुत रास लोक सभ जुड़लाह। Twitterपर हैश टैग केर महत्व छै। जँ अहाँ अपन कोनो मुद्दाकेँ सरकार लग जोरगर ढंगसँ राखए चाहैत छी तँ Twitter पर हैशटैग ट्रेंड करबा दियौ, सरकार तुरत एक्टिभ भऽ जाइत छै। विगत किछु समयसँ मिथिला स्टूडेंट यूनियन मिथिला-मैथिलीसँ संबंधित किछु मुद्दाकेँ नीक जकाँ ट्रेंड करबा रहल अछि। आरो संस्था सभ विभिन्न मुद्दापर ट्रेंड करबा रहल अछि जे कि मिथिला-मैथिली लेल बादमे जा कऽ नीक हएत।

ह्वाट्सएप आ मैथिली

ह्वाट्सएप बातचीत करबाक एकटा नवीनतम आ सुलभ साधन भऽ गेल छै। एकरा माध्यमसँ संदेश आ फोटो पठेनाइ एकदम आसान भऽ गेल छै। वर्तमानमे ह्वाट्सएपसँ फ्री काल केनाइ सेहो संभव छै। जनवरी 2009मे जेन कूम द्वारा जन्मल ह्वाट्सएप आब फेसबुक कीनि लेने छै। ह्वाट्सएप सेहो मैथिली लेल वरदान साबित भेल अछि। ह्वाट्सएप हजारों लोक देवनागरी आ रोमन लिपिक माध्यमे मैथिलीमे लिखित बातचीत कऽ रहल छथि। ह्वाट्सएप ग्रुप बनेबाक सुविधा सेहो देने छै आ मैथिली एकर उपयोग सेहो

केलक। ह्वाट्सएप सभहँक निजी मोबाइल द्वारा संचालित रहै छै तँइ एहि माध्यममे पहिल के आ दोसर के से तय करब असंभव तँइ एहि चर्चाकेँ कात केलहुँ। एहिठाम जखन ह्वाट्सएप केर चर्चा भइए गेल अछि तखन आन-आन एप्स केर चर्चा सेहो कऽ ली। Apps शब्द application केर छोट रूप छै। कंप्यूटर लेल software ओकर application छै आ एहि application मे Web browsers, e-mail programs, word processors, games आदि अबै छै। ई application सभ inbuilt (पहिनेसँ) रहैत छै जखन कि काज ओ सुविधाक हिसाबसँ अहाँ बाहरी application सेहो डाउनलोड कऽ सकैत छी। विकासक संग-संग मोबाइलकेँ सेहो कंप्यूटर जकाँ बनाएल गेलै। ऐतिहासिक दृष्टिकोणसँ IBM Simon दुनियाँक पहिल स्मार्ट फोन छै जे कि August 1994 मे लांच भेल रहै। स्मार्ट फोन ओ भेल जे बहुउद्येशीय हो मने फोन अलावे आर बहुत रास काज (वर्तमानमे ठीक कंप्यूटरे जकाँ)। एकर बाद क्रममे Nokia 9000 Communicator (1996) एलै आ 1999 मे Qualcomm नामक कम्पनी pdQ Smartphone" नामसँ निकालक जे कि CDMA आ Palm OS (Palm आपरेटिंग सिस्टम)सँ चलै छल ई टचस्क्रीन बला फोन छल आ वस्तुतः आजुक टचस्क्रीनक माए-बाप। 1999 मे जपानक NTT DoCoMo नाम कम्पनी i-mode नामक मोबाइल इंटरनेट लांच केलक जे कि ओहि समयमे सभसँ बेसी स्पीडसँ चलैत छल। एकर बाद 2000 मे Ericsson R380, फरवरी 2001 मे Kyocera 6035, जून 2001 मे Nokia 9210 Communicator, 2002 मे Treo 180 नाम स्मार्ट फोन सभ एलै। पहिल बेसी केपिसटी बला टचस्क्रीन फोन LG Prada छल जे कि दिसम्बर 2006 मे आएल। जनवरी 2007 मे एप्पल पहिल iPhone अनलक। जेना कंप्यूटर लेल कोनो ने कोनो आपरेटिंग सिस्टम

(अधिकांशतः विंडोज) तेनाहिते स्मार्टफोन लेल सेहो आपरेटिंग सिस्टम चाही। embedded systems, PenPoint OS, Magic Cap OS आदि बहुत OS समेत वर्तमान समय अधिकांशतः दू OSपर सिमटल अछि पहिल iPhone OS (6, March 2008) आ दोसर Android । एप्पल द्वारा पहिल iPhone OS 6, March 2008 मे लांच भेलै जखन कि Android सेहो सितम्बर 2008 मे लांच भेल, Android गूगल द्वारा संचालित अछि । एहि दू केर अतिरिक्त विंडोज मोबाइल आपरेटिंग सिस्टम सेहो नीक अछि जे कि माइक्रोसाफ्ट द्वारा संचालित अछि। भारतक पहिल Android स्मार्ट फोन HTC Magic छल जे कि July 2009 मे लांच भेल। भरतक पहिल iPhone "iPhone 3G" छल जे कि 2008 मे लांच भेल। आ एहि स्मार्टफोन सभ बहुत रास सुविधा तँ छलैहे संगे-संग ओकरा आर स्मार्ट बनेबाक लेल बाहरी application (App) जोड़ए लागल। आ ई App सभ मोबाइल कम्पनी द्वारा सेहो बनाएल जाइत छै आ आन साफ्टवेयर कम्पनी द्वारा सेहो। नीक App भेलासँ कमाइ सेहो नीक होइत छै आ यूजरकेँ सुविधा भेटैत छैक। प्रायः सभ सेवा देबए बला कम्पनी अपन-अपन App बनबेने छै। App सभ तरहक भेटत। स्मार्टफोनक बढ़त मिथिलामे सेहो भेलै आ सभ अपन-अपन काजक हिसाबसँ किछु मिथिला-मैथिल-मैथिलीसँ संबंधित App सेहो बनेलक। उपल्बध आँकड़ासँ देखल जाए तँ 2013 मे पहिल App बनल जे कि मिथिला-मैथिल-मैथिलीसँ संबंधित छल। निच्चामे ई लिस्ट देल जा रहल अछि--

1) Songs for Mithila (apkdotin, apkdotin@gmail.com) Released Date-18 Feb 2013

2) Maithili Talking Dictionary (Khandbahale.com, support@ Khandbahale.com) Released Date- 8 Oct 2013
3) Maithili to English Dictionary ((Khandbahale.com, support@ Khandbahale.com) Released Date- 8 Oct 2013
4) Mithilanchal Fm (I tech Nepal, account@itechnepal.com) Released Date-24 Nov 2015 ई Mithilanchal Fm द्वारा बनबाएल गेल छै।
5) Maithili Jindabaad (ACApp studio) Released Date- 10 Jan 2016
6) English To Maithili Dictionary (VB Nexcod, vbnexcod@gmail.com) Released Date- 18 May 2016
7) Maithili Patra (JCApp Studio- 1st online Panchang, JCAppStudio.asist@gmail.com) Released Date- 19 August 2016
8) English to Maithili Dictionary (Best 2017 translator App, rudrap775@gmail.com), Released Date- 16 Sep 2016
9) English To Maithili Dictionary (Translate app, dp0591240@gmail.com) Released Date- 19 Oct 2016

10) English to Maithili Dictionary (Live radio Music , manishapandav52@gmail.com) Released Date-20 Oct 2016
11) Maithili Bible (audio) (LuongOolong, huuluongvip682@gmail.com) Released Date-1 Nov 2016
12) English to Maithili Dictionary (XW infotech, piyushmakwana3666@gmail.com) Released Date- 20 Nov 2016
13) Maithili Dictionary ofline (Daily Apps, dailyapps@yahoo.com) Released Date- 21 Jan 2017
14) Mithilakshar (JC App) Released Date- 15 March 2017
15) Maithili Talk (Bright logical) Released Date- 31 March 2017
16) Maithili Music (Bright logical, florajha@gmail.com) Released Date- 31 May 2017
17) Maithili Video (SparkZeal Technologies pvt ltd, jksah05@gmail.com) Released Date- 11 July 2017

18) Maithili Bible (LCI apps, maithilibible@gmail.com), Released Date- 25 sep 2017
19) Maithili Songs-Maithili Videos (Developer- Devaguru Bruhaspati App) Released Date- 10 Dec-2017
20) Maithili Shadi Vivah (Noblers career Map classes pvt ltd, amitjha07@gmail.com) Released Date-26 Dec 2017
21) Maithili video songs: Maithili video Gane (full entertainment video, fenil.sharmaa002@gmail.com) Released Date- 7 Feb 2018
22) Maithili Vivah- Matrimonial App (SKS infotech , contact@mithilavivah.com) Released Date-3 March 2018
23) Maithili Fakra (Megamaind lab , Megamaindlabworks@gmail.com, Chennai) Released Date-23 March 2018
24) Maithili Song Video: Maithili Bhajan (Mihir Nayak – mihirnayak@gmail.com), Released Date-16 May 2018
25) English to Maithili Dictionary (Best 2018 Apps, best2018apps@gmail.com) Released Date-20 June 2018

26) Maithili Panchang (Roshan choudhary, roshanchoudhry@hotmail.com) Released Date-9 Sep 2018
27) Maithili Sundar Kand (Roshan choudhary) Released Date- 23 Sep 2018
28) Mithila Jansamvad (WoZoo Technology, editor@mithilajansamvad.com) Released Date-10 Dec 2018
29) Maithili Video status Songs-2019 (Tradevend, contact@ Tradevend.com) Released Date-12 Dec 2018
30) Maithili Panchang (Roshan choudhary) Released Date-12 Dec 2018
31) Maithili Video Songs HD (Sajeevsapp, sajeevsaapps@Gmail.com) Released Date-23 Jan 2019
32) Being Maithili (ACApp) Released Date- 6 Feb 2019
33) Maithili Sangam:Family matchmaking & Matrimony (People Interactive, care@sangam.com) Released Date- 30 March 2019

34) Maithili Hospitals (MEngage , engage@mengage.in) Released Date-21 May 2019
35) Maithili status Video (Alisha ,alishaadnan05@gmail.com) Released Date-19 June 2019
36) Maithil matrimony for maithil brides and grooms (communitymatrimony.com) Released Date-24 June 2019
37) Maithili Movies (Rameen, rameenraheel918@gmail.com) Released Date-27 June 2019
38) Maithili Geet (Thegauravmishra,officialgauravmishra@gmail.com) Released Date- 7 Sep 2019

अध्याय-13

यूट्यूब आ मैथिली

फरवरी 2005 मे यूट्यूब केर स्थापना भेल आ नवम्बर 2006 एकरा गूगल कीनि लेलकै। T- series भारतक पहिल यूट्यूब चैनल अछि जे कि 13 March 2006 मे शुरू भेल https://www.youtube.com/user/tseries/about मुदा एहिपर पहिल भीडियो 23 Dec 2010 मे देल गेलै। मैथिली हिसाबसँ हिसाबसँ देखी तँ vijay7701 नामसँ 3 Feb 2007 कैँ एकटा चैनल शुरू भेलै जाहिमे शारदा सिन्हाजीक गाएल एकै गीतक दूटा भीडियो अछि आ पहिल भीडियो 3 Jun 2007 कैँ देल गेलै - https://www.youtube.com/user/vijay7701/about ई गीत मैथिलीक अछि मुदा ओकरापर लेभल भोजपुरीक लागएल गेल छै आ तकर एकमात्र कारण जे ई गीत सभ मैथिल ब्राह्मणक विधि-बेबहारमे नै अबैत छै मुदा आन मैथिल जातिमे बजैत छै। तेनाहिते gopal yadav केर नामसँ एकटा चैनल छै - https://www.youtube.com/user/rustymind1/about जाहिपर 12 Feb 2007 कैँ दू टा मैथिली आ 13 Feb 2007 कैँ एकटा भोजपुरी भीडयो देल गेलै। अंशुमान सिन्हा (शारदा सिन्हाजीक पुत्र) 11 Jan 2008 मे अपन चैनल लेलाह https://www.youtube.com/user/mranshumansinha/about जाहिमे पहिल भीडियो 2010 मे देल गेलै सेहो आन-आन भाषाक, किछु मैथिली गीत तीन-चारि सालक बाद देल गेलै। गजेन्द्र ठाकुर

अपन चैनल 10 Apr 2008 मे लेलाह https://www.youtube.com/user/ggajendra71/about जाहिपर 27 Apr 2008 कैँ पहिल भीडियो एलै। एकर तुरंते बाद Jun 2008 कैँ रजनी पल्लवीजीक चैनल आएल https://www.youtube.com/user/rajnipallavi/about जाहिपर पहिल भीडियो 20 Jul 2008 कैँ एलै। आ एहि तीनक बाद मैथिली चैनलक संख्यामे बहुत वृद्धि भेल हम अपनो चैनल 22 Aug 2009 कैँ लेलहुँ https://www.youtube.com/user/ashishanchinhar/about मुदा एहिपर भीडयो हम सात बर्ख बाद देलहुँ। धीरेन्द्र प्रेमर्षि जीक चैनल https://www.youtube.com/user/premarshi/about 8 Jun 2010 कैँ आएल आ पहिल भीडियो 1 Sep 2010 कैँ देल गेल। वर्तमान समयमे भीडियोक माध्यमसँ काज करबाक यूट्यूब केर बहुत पैघ सहारा छै। भीडियो शूट कए कऽ यूट्यूबपर अपलोड करू आ अपन बात सभ धरि पहुँचाबू। ई हरेक तरहँक भीडियो लेल छै। चाहे राजनीतिक हो कि समाजिक कि साहित्यिक कि कैरियरक। जीवनक हरेक क्षेत्रसँ संबंधित भीडियो भेटि जाएत एहिठाम। बेसी लोकप्रिय भेलापर ओहि भीडियोसँ अर्थोपार्जन सेहो होइत छै। 2010 केर बाद जँ हम मैथिली यूट्यूब चैनल केर गिनती करए लागी तखन सभ काज छोड़ए पड़त। मुदा जे नीक ओ प्रमुख अछि ताहिमेसँ किछु प्रमुख नाम एना अछि (उपरक नाम छोड़ि ई लिस्ट अछि कारण उपर ओकर चर्चा भेले अछि)—

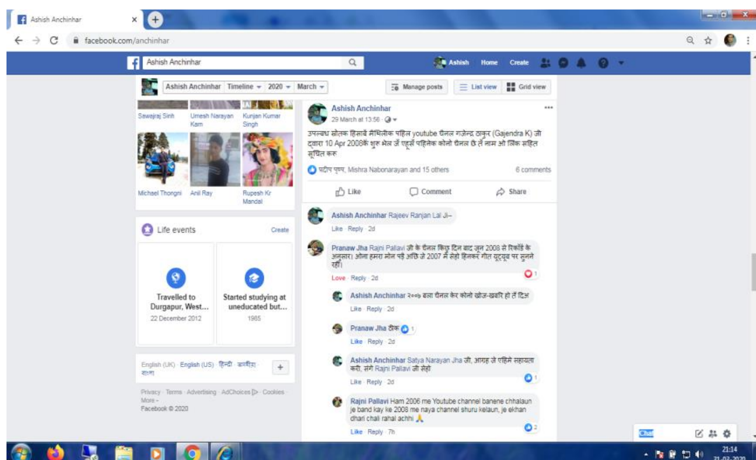
1) मिथिलांचल गीत- https://www.youtube.com/c/Mithilanchal/about

2) मैथिली टी.भी-

https://www.youtube.com/c/MaithiliTV/about
3) गंगा मैथिली- https://www.youtube.com/channel/UC41hszq3ex3RFkRD9rAFO-w/about
4) नीलम मैथिली https://www.youtube.com/channel/UClWIHG6uYYnpYprQyGTJfmg/about
5) मिथिला मिरर- https://www.youtube.com/user/MithilaMirror/about
6) मधुर मिथिला- https://www.youtube.com/channel/UCZCpHpF-g9X_pDM_81iJHmA/about
7) मिथिला दर्शन- https://www.youtube.com/c/MithilaDarshan/about

एहि केर अतिरिक्त JM News केर नामसँ एकटा नीक चैनल आएल अछि- https://www.youtube.com/c/JaiHindMaithiliNews/about जे कि मैथिलीक अतिरिक्त हिंदीमे सेहो मैथिल-मिथिला-मैथिलीसँ संबंधित तथ्य सभ लग पहुँचाबै छथि। JM News एकटा नीक प्रयास अछि। एकर प्रभाव निकट भविष्यमे देखबामे आएत। एकर अतिरिक्त आरो बहुत रास नीक-नीक चैनल सेहो अछि जकर नाम जोड़ल जा सकैए। एहि बीचमे हम फेसबुकपर जानए चाहलहुँ यूट्यूब केर पहिल चैनल सभकेँ बारेमे तँ प्रणव झाजी सूचना देलाह जे ओ 2007मे यूट्यूबपर

रजनी पल्लवीजीक चैनलसँ गीत सुनने छलाह बादमे रजनीजी सूचना देलीह जे ओ 2006मे चैनल बनेने छलीह मुदा ओकरा हटा कऽ 2008 मे नव बनेलीह। फेसबुक पोस्टक फोटो देल जा रहल अछि। https://www.facebook.com/anchinhar/posts/pfbid02rDpYDf6CgwgXMUDw8pJBTMrpPmqR97bzSitcv1JD8jevYt5LQ6PSwsTxc3V5TACKl



Tiktok, Instagram आदि सन किछु सोशल मीडिया रील बनेबाक सुविधा देलकै। रील माने शार्ट भीडियो। एक-दू मिनट केर। एहि दू मीडियासँ लोकक क्रीएटिभिटी बढ़ि गेलै। से चाहे मनोरंजन लेल हो, कि शिक्षा लेल वा कि आन कोनो काज लेल। लोक खुलि कऽ अपन कला केर प्रदर्शन केलक। बहुत लोक नीक कलाकार सेहो साबित भेल आ धन-यश सेहो अर्जन केलक। बादमे Tiktok भारतमे बंद कऽ देल गेलै मुदा नेपालमे ई चालू रहल। एकर सकारात्मक पक्षपर आन पोथीमे लिखब हम।

एहि ठाम आबि हमरा एकटा बात नीक जकाँ अभरल अछि जे जिनका लग मैथिली भाषाक ज्ञान छनि से सोशल मीडयापर रहितो भारखंबी बनल रहै

छथि आ जे सोशल मीडियापर रील आदि बनाबै छथि से भाषाक मामिलामे बेसी खुलि कऽ एलाह अछि। एकदम ठेठ भाषाक प्रयोग भऽ रहल छै। एकर नीक प्रभावपर कोनो भाषा वैज्ञानिक कमल उठाबथि तँ नीक रहतै।

अध्याय-14

मैथिली विकीपीडिया शुरूसँ एप्रूभल (2008 सँ अक्टूबर 2014) धरि

मिथिला केर कोनो एकटा संपूर्ण ओ प्रमाणिक इतिहास नै अछि। टुकड़ा-टुकड़ामे लिखल ओ बाँटल इतिहास हमरा सभ लग अछि आ हम सभ ओकरे प्रमाणिक आ संपूर्ण मानबाक लेल अभिशप्त छी। एहन नै छै जे हमर विद्वान इतिहासकार सभ एहि लेल प्रयास नै केलाह। प्रयास तँ बहुत भेलै मुदा मैथिल केर घृणित चालि-चलन आ मनोवृति प्रमाणिक इतिहास तकबामे बाधक भेलै। जखन जे कोनो काज शुरू करै छै तखने ई मानि लै छै जे हमहीं पहिल छी, हमहीं ई काज शुरू केलहुँ आ हमरासँ पहिने एहन काज करऽ बला कियो नै भेलै। बस इएह मनोवृति इतिहासकार सभ लेल बाधक छनि। तथापि समय-समयपर एहन मैथिल सभहक पर्दाफाश होइत रहैत छनि आ वास्तविक इतिहास लोकक सामने आबिए जाइत छै।

मैथिली विकीपीडिया केर इतिहास एहने छै। जाहि बिप्लब आनंदकेँ गजेन्द्र ठाकुर एवं राजेश रंजन आपसी सहमतिसँ विकीपीडिया केर संचालक बनाएल जाइत छै सएह बिप्लब आनंद आ ताहि संग नेपालक किछु लोक ई कहि रहल अछि जे मैथिली विकिपीडिया केर शुरूआत 2014सँ भेलै। जँ एप्रूभलकेँ शुरूआत मानल जाइत हो तखन तँ ई आरो आवश्यक छै जे एप्रूभलसँ पहिने केर काजकेँ सार्वजनिक कएल जाए। बंगला विकीपिडिया ई सगर्व घोषणा केने अछि जे ओकरा लेल पहिल काज के केलकै मुदा जखन अहाँ मैथिली विकीपीडिया देखब तँ रेफरेंसमे 2014 आ तकर बादक नाम भेटत। माने गजेन्द्र ठाकुर केर नाम तँ गेबे केलनि अंतिम समयमे मैथिली विकी लेल काज करए बला राजेश रंजनजीक नाम सेहो गेलनि।

मुदा ई एतेक सस्ता नै छै, विकीपिडिये अपन रेफरेंस सभमे गजेन्द्र ठाकुरजीक नाम सुरक्षित रखने अछि जकर विवरण निच्चा भेटत। विकीपीडिया केर पेज Requests for new languages/Wikipedia Maithiliपर जाउ आ ओहिठाम 1 जनवरी 2008 सँ लऽ कऽ एप्रूभल भेटबा धरिक सूचना भेटत। जकर लिंक अछि

https://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

people.

Extensive information on the language is stored in the edit history. —{admin} Pathoschild 21:31:28, 26 January 2008 (UTC)
Maithili wiki should be started immediately we will contribute to it.fortnightly 100 page maithili e journal being published. http://www.esnips.com/web/videhajournal regular site http://www.videha.co.in — unsigned by Ggajendra 15:37, 26 January 2008 (UTC) I am finding problem in constructing http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai as what i constructed was deleted perhaps by any administrator.Which messages/recent messages iwill have to

लिंकपर गेने 2008 सँ गजेन्द्र ठाकुर भेटताह आ विदेह सेहो।

निच्चा विवरण सभमे ओ मेल सभ सेहो भेटत जे यदा-कदा गजेन्द्र ठाकुर, विकी टीम आ राजेश रंजनजीक बीचमे भेल छलनि। किछु पाठक एहि ठाम नैतिककता केर प्रश्न उठा सकै छथि जे कियो मेल आदिकेँ सार्वजनिक कोना कऽ सकैत छियै। मुदा एहिठाम मोन पाड़ि दी जे मेल आधुनिक समय केर चिट्ठी अछि आ चिट्ठी केर संकलन तँ सभ भाषामे होइत रहलैए। जँ ओ नैतिक छै तखन ईहो हेबे करतै नैतिक। दोसर बात जे ई मेल सभ गजेन्द्र

ठाकुर अपने अपन मेलमेसँ ओ मुख्य-मुख्य मेल सभकेँ सार्वजनिक केने छथिन जे कि विदेहक अंक 351 मे प्रकाशित भेल रहै। पाठक ओकरा पढ़ि सकै छथि।

एहिसँ पहिने हम लिखने छी जे विकीपीडिया एकटा Community project छै। आ कोनो Community project मे नव चीज जोड़बाक लेल रिक्वेस्ट बटन ओही ठाम देल रहै छै। अहाँ रिक्वेस्ट कऽ अपन बात कहि सकैत छियै। अहाँक बातपर गौर कऽ संचालक अहाँकेँ ओकर शर्त पूरा करबाक लेल कहत आ ओ ओ शर्त सभ पूरा भेलापर ओहि रिक्वेस्टकेँ एप्रूभ कऽ देल जाइत छै। विकीपीडिया लेल शर्त छै जे ओहि भाषाक केर एकटा निश्चित शब्दक अनुवाद विकीमे हेबाक चाही।

जनवरी 2008 मे गजेन्द्र ठाकुर रिक्वेस्ट केलखिन आ ताहि संगे हुनकापर काज एलनि शब्दक अनुवाद करबाक लेल। Community project बिना पाइ केर काज कराबैत छै आ मैथिल बिना पाइकेँ काज किएक करताह? तँइ विकी लेल जे निश्चित अनुवाद केर संख्या छै से काज करबाक भार विदेहक सदस्य सभपर पड़लनि। गजेन्द्र ठाकुरजी विदेह केर अंक 3, 1 फरवरी 2008 मे विकीपीडिया लेल सूचना देने रहथिन आ सभसँ अपील केने रहथिन अनुवाद लेल।

Videha 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका १ फरवरी २००८ (वर्ष 1 मास 2 अंक 3)

विदेह' पाक्षिक पत्रिका Videha Maithili Fortnightly e Magazine विदेह **विदेह** Videha विदेह

http://www.videha.co.in/  मानुषीमिह संस्कृताम्

विकीपीडिया पर मैथिली पर लेख तँ छल मुदा मैथिलीमे लेख नहि छल,कारण मैथिलीक विकीपीडियाक स्वीकृति नहि भेटल छल। हम बहुत दिनसँ एहिमे लागल रही,आ' सूचि करैत हर्षित छी जे 27.01.2008 केँ भाषाकेँ विकी शुरू करबाक हेतु स्वीकृति भेटल छैक, मुदा एहि हेतु कमसँ कम पाँच गोटे,विभिन्न जगहसँ एकर एडिटरक रूपमे नियमित रूपेँ कार्य करथि तखने योजनाकेँ पूर्ण स्वीकृति भेटतैक। नीचाँ लिखल लिंक पर जाय एडिट कय एहि प्रोजेक्टमे अहाँ सभ सहयोग करब, से आशा अछि। पछिला अंकमे देवनागरी कोना लिखू ,एहि पर हम लेख लिखने रही। इंगलिश कीबोर्ड पर ओहि तरहे लिखने विकीमे सेहो मैथिली लिखि सकैत छी। एम. गेरार्डक माध्यमसँ श्री अंशुमन पाण्डेयक, जिनकर मैथिलीक युनीकोडमे स्थानक आवेदन लंबित अछि, अनुरोध भेटल छल, ओ' सूचना मँगलन्हि जाहि सँ स्पष्ट रूपसँ बंगला लिपि आ' मैथिली लिपिक मध्य अंतर ज्ञात भय सकय।ई सूचना हम एम. गेरार्डक माध्यमसँ हुनका पठा देलियन्हि, कारण पाण्डेयजी ईमेल एड्रेस हमरा नहि अछि। विकीमे पूर्ण स्वीकृतिक हेतु एहि लिंक सभ पर राखल प्रोजेक्टकेँ आँगा बढ़ाऊ।

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai

http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai

http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai

अपनेक प्रतिक्रिया आ' रचनाक प्रतीक्षा अछि।

2011 मे विकीपीडियासँ जुड़ल लोक Gerard.M अपन ब्लागपर लेख The #Bihari #Wikipedia is actually written in #Bhojpuri सेहो लिखलाह जकर लिंक अछि https://ultimategerardm.blogspot.com/2011/05/bihari-wikipedia-is-actually-written-in.html

Words and what not

Monday, May 09, 2011

The #Bihari #Wikipedia is actually written in #Bhojpuri

This is the kind of article that has many people's eyes glaze over. It is about standards, scientific documents and it is about languages most of my readers have never heard about. For the people that do speak one of the languages that are considered Bihari it is extremely relevant and it has implications for Wikipedia.

This is information provided by Umesh Mandal that explains about the "Bihari group of languages" in relation to the Maithili language:

Kellogg (1876/1893) and Hoernle (1880) regarded Maithili as a dialect of Eastern Hindi; Beames (1872/reprint 1966: 84-85), regarded Maithili as a dialect of Bengali, Grierson has done a great service to Maithili language, however, he erred when he gave a false notional term of "Bihari" language, after that western linguists started categorizing Maithili as a dialect of "Bihari" language; although there is nothing known as "Bihari Language" and both Maithili and Bhojpuri are spoken in Bihar (of India) as well as in Nepal.

Umesh is working on the localisation of MediaWiki for the Maithili language and as this language is currently in the Incubator, the language committee does its due diligence and tries to understand if Maithili can have a place in the Bihari Wikipedia. The information provided by Umesh makes it quite clear: "no".

This still leaves us with the misnomer that is the Bihari Wikipedia. Apparently the language used for the

Translate

Select Language

Powered by Google Translate

Search This Blog

Search

Featured post

#Wikipedia - the lowest hanging fruit from #Wikidata

Contrary to what people think, at this time Wikidata could provide the most value particularly to the big Wikipedias by replacing the cur...

ओना ई Community project छै तँइ अहू बातपर हम कायम रहब जे समाजक सहयोग सेहो भेटलै। ओना एक बेर कम अनुवाद केर कारण

मैथिली विकीकेँ रिजेक्ट सेहो कऽ देल गेल रहै आ अही ठाम प्रवेश होइत छनि राजेश रंजनजीक। राजेश जीक अपन सोर्स छलनि। गजेन्द्रजी आ राजेश रंजनजीक जोड़ी एहि बेर सफल भेल आ विकी घोषणा केलक जे कम अनुवाद रहितो मैथिलीक पन्ना बनत। एकर बाद समस्या एलै एडमिन बनबाक, गजेन्द्र ठाकुर लग एडमिन बनबाक प्रस्ताव एलनि मुदा ओ अपन समयकेँ देखैत मना कऽ देलखनि आ अंतमे गजेन्द्रजी आ राजेश जीक सहमतिसँ बिप्लब आनंद केर नामक प्रस्ताव देल जाइत अछि। विकीपीडिया टीम बिप्लब आनंदकेँ ई प्रस्ताव दैत छनि आ ओ मानि जाइत छथि कारण ओ ओहि समयमे एक्टिभ रहथि। ई सभ काज सितम्बर 2014 मे भेलै आ अक्टूबर 2014 मे मैथिली विकीपीडिया लाइभ भऽ गेल।

विकीपीडिया केर एडमिन बनबाक जे मेल सभ छै से अहाँ सभ विदेहक अंक 351 मे पढ़ि सकैत छी। दू टा फोटो हम दऽ रहल छी। एहिसँ बेसी देब मात्र पन्ना बढ़ाएब हएत। संगहि-संग ई सूचना दी जे विदेहक अंक 351 मे गजेन्द्र ठाकुरजी द्वारा यूनीकोड, गूगल ट्रांशलेशन एवं विभिन्न Community project मे हुनकर जे संलिप्तता छनि ताहिसँ संबंधित मेल सार्वजनिक कएल गेल अछि।



1:55

Comment # 9 on bug 44938 from Rajesh Ranjan

(In reply to John F. Lewis from comment #8)
> There has been an increase in activity.
>
> THO forwarded me an email regarding a reconsideration of this request, I
> personally see no issue with this and will deal with this.
>
> @Muzammil: Who would the list administrators be now since the original
> request was made well over a year ago?

Already mentioned, add Gajendra Thakur (see comment #2) and myself for mailing list admin!

Good to see its moving!

...

You are receiving this mail because:

- You are on the CC list for the bug.



bugzilla-daemon 28 Sep 2014
to me

Comment # 10 on bug 44938 from Muzammil

(In reply to John F. Lewis from comment #8)
> There has been an increase in activity.
>

1:55

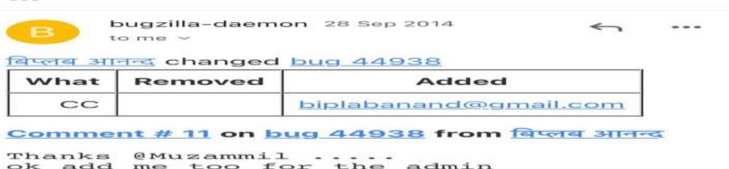
Ringer

Comment # 10 on bug 44938 from Muzammil

(In reply to John F. Lewis from comment #8)
> There has been an increase in activity.
>
> THO forwarded me an email regarding a reconsideration of this request, I
> personally see no issue with this and will deal with this.
>
> @Muzammil: Who would the list administrators be now since the original
> request was made well over a year ago?

I think you can add me also an administrator for the list. I will discuss with Biplab to see if he too is interested as he is very active on the incubator project.

...



bugzilla-daemon 28 Sep 2014
to me

बिप्लव आनन्द changed bug 44938

What	Removed	Added
CC		biplabanand@gmail.com

Comment # 11 on bug 44938 from बिप्लव आनन्द

Thanks @Muzammil .....
ok add me too for the admin

अध्याय 14- परिशिष्ट-1
विदेहकेँ शुरू भेलापर आएल शुभकामना संदेशमेसँ किछुकेँ एहि ठाम दऽ रहल छी। संपूर्ण शुभकामना विदेह-सदेह 36 मे संकलित अछि। ई संदेश सभ 2008 सँ लऽ कऽ 2010 केर बीचक अछि-

1.श्री गोविन्द झा- विदेहकेँ तरंगजालपर उतारि विश्वभरिमे मातृभाषा मैथिलीक लहरि जगाओल, खेद जे अपनेक एहि महाभियानमे हम एखन धरि संग नहि दए सकलहुँ। सुनैत छी अपनेकेँ सुझाओ आ रचनात्मक आलोचना प्रिय लगैत अछि तेँ किछु लिखक मोन भेल। हमर सहायता आ सहयोग अपनेकेँ सदा उपलब्ध रहत।
2.श्री रमानन्द रेणु- मैथिलीमे ई-पत्रिका पाक्षिक रूपेँ चला कऽ जे अपन मातृभाषाक प्रचार कऽ रहल छी, से धन्यवाद । आगाँ अपनेक समस्त मैथिलीक कार्यक हेतु हम हृदयसँ शुभकामना दऽ रहल छी।
3.श्री विद्यानाथ झा "विदित"- संचार आ प्रौद्योगिकीक एहि प्रतिस्पर्धी ग्लोबल युगमे अपन महिमामय "विदेह"केँ अपना देहमे प्रकट देखि जतबा प्रसन्नता आ संतोष भेल, तकरा कोनो उपलब्ध "मीटर"सँ नहि नापल जा सकैछ? ..एकर ऐतिहासिक मूल्यांकन आ सांस्कृतिक प्रतिफलन एहि शताब्दीक अंत धरि लोकक नजरिमे आश्चर्यजनक रूपसँ प्रकट हैत।
4. प्रो. उदय नारायण सिंह "नचिकेता"- जे काज अहाँ कए रहल छी तकर चरचा एक दिन मैथिली भाषाक इतिहासमे होएत। आनन्द भए रहल अछि, ई जानि कए जे एतेक गोट मैथिल "विदेह" ई जर्नलकेँ पढ़ि रहल छथि।...विदेहक चालीसम अंक पुरबाक लेल अभिनन्दन।
5. डॉ. गंगेश गुंजन- एहि विदेह-कर्ममे लागि रहल अहाँक सम्वेदनशील मन, मैथिलीक प्रति समर्पित मेहनतिक अमृत रंग, इतिहास मे एक टा विशिष्ट फराक अध्याय आरंभ करत, हमरा विश्वास अछि। अशेष शुभकामना आ

बधाइक सङ्ग, सस्नेह...अहाँक पोथी कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक प्रथम दृष्टया बहुत भव्य तथा उपयोगी बुझाइछ। मैथिलीमे तँ अपना स्वरूपक प्रायः ई पहिले एहन भव्य अवतारक पोथी थिक। हर्षपूर्ण हमर हार्दिक बधाई स्वीकार करी।

6. श्री रामाश्रय झा "रामरंग"- "अपना" मिथिलासँ संबंधित...विषय वस्तुसँ अवगत भेलहुँ।...शेष सभ कुशल अछि।

7. श्री ब्रजेन्द्र त्रिपाठी- साहित्य अकादमी- इंटरनेट पर प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" केर लेल बधाई आ शुभकामना स्वीकार करू।

8. श्री प्रफुल्लकुमार सिंह "मौन" - प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका "विदेह" क प्रकाशनक समाचार जानि कनेक चकित मुदा बेसी आह्लादित भेलहुँ। कालचक्रकेँ पकड़ि जाहि दूरदृष्टिक परिचय देलहुँ, ओहि लेल हमर मंगलकामना।

9. श्री विजय ठाकुर- मिशिगन विश्वविद्यालय- "विदेह" पत्रिकाक अंक देखलहुँ, सम्पूर्ण टीम बधाईक पात्र अछि। पत्रिकाक मंगल भविष्य हेतु हमर शुभकामना स्वीकार कएल जाओ।

10. श्री सुभाष चन्द्र यादव- ई-पत्रिका "विदेह" क बारेमे जानि प्रसन्नता भेल। ’विदेह’ निरन्तर पल्लवित-पुष्पित हो आ चतुर्दिक अपन सुगंध पसारय से कामना अछि।

11. डॉ. श्री भीमनाथ झा- "विदेह" इन्टरनेट पर अछि तेँ "विदेह" नाम उचित आर कतेक रूपेँ एकर विवरण भए सकैत अछि। आइ-काल्हि मोनमे उद्वेग रहैत अछि, मुदा शीघ्र पूर्ण सहयोग देब।कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक देखि अति प्रसन्नता भेल। मैथिलीक लेल ई घटना छी।

12. श्री रामभरोस कापड़ि "भ्रमर"- जनकपुरधाम- "विदेह" ऑनलाइन देखि रहल छी। मैथिलीकेँ अन्तर्राष्ट्रीय जगतमे पहुँचेलहुँ तकरा लेल हार्दिक बधाई। मिथिला रत्न सभक संकलन अपूर्व। नेपालोक सहयोग भेटत, से

विश्वास करी।

13. श्री राजनन्दन लालदास- "विदेह" ई-पत्रिकाक माध्यमसँ बड़ नीक काज कए रहल छी, नातिक अहिठाम देखलहुँ। एकर वार्षिक अंक जखन प्रिंट निकालब तँ हमरा पठायब। कलकत्तामे बहुत गोटेकेँ हम साइटक पता लिखाए देने छियन्हि। मोन तँ होइत अछि जे दिल्ली आबि कए आशीर्वाद दैतहुँ, मुदा उमर आब बेशी भए गेल। शुभकामना देश-विदेशक मैथिलकेँ जोड़बाक लेल।

14. डॉ. प्रेमशंकर सिंह- अहाँ मैथिलीमे इंटरनेटपर पहिल पत्रिका "विदेह" प्रकाशित कए अपन अद्भुत मातृभाषानुरागक परिचय देल अछि, अहाँक निःस्वार्थ मातृभाषानुरागसँ प्रेरित छी, एकर निमित्त जे हमर सेवाक प्रयोजन हो, तँ सूचित करी। इंटरनेटपर आद्योपांत पत्रिका देखल, मन प्रफुल्लित भऽ गेल।

15.श्रीमती शेफालिका वर्मा- विदेह ई-पत्रिका देखि मोन उल्लाससँ भरि गेल। विज्ञान कतेक प्रगति कऽ रहल अछि...अहाँ सभ अनन्त आकाशकेँ भेदि दियौ, समस्त विस्तारक रहस्यकेँ तार-तार कऽ दियौक...। अपनेक अद्भुत पुस्तक कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक विषयवस्तुक दृष्टिसँ गागरमे सागर अछि। बधाई।

16.श्री हेतुकर झा, पटना-जाहि समर्पण भावसँ अपने मिथिला-मैथिलीक सेवामे तत्पर छी से स्तुत्य अछि। देशक राजधानीसँ भय रहल मैथिलीक शंखनाद मिथिलाक गाम-गाममे मैथिली चेतनाक विकास अवश्य करत।

17.श्री रामलोचन ठाकुर- कोलकाता- मिथिलाक्षर विदेह देखि मोन प्रसन्नतासँ भरि उठल, अंकक विशाल परिदृश्य आस्वस्तकारी अछि।

18.श्री तारानन्द वियोगी- विदेह आ कुरुक्षेत्रम् अंतर्मनक देखि चकबिदोर लागि गेल। आश्चर्य। शुभकामना आ बधाई।

19.श्री अग्निपुष्प- मिथिलाक्षर आ देवाक्षर विदेह पढ़ल..ई प्रथम तँ अछि

एकरा प्रशंसामे मुदा हम एकरा दुस्साहसिक कहब। मिथिला चित्रकलाक स्तम्भकेँ मुदा अगिला अंकमे आर विस्तृत बनाऊ।
20.श्री विद्यानन्द झा- आइ.आइ.एम.कोलकाता- कुरुक्षेत्रम् अन्तर्मनक विस्तार, छपाईक संग गुणवत्ता देखि अति प्रसन्नता भेल। अहाँक अनेक धन्यवाद; कतेक बरखसँ हम नेयारैत छलहुँ जे सभ पैघ शहरमे मैथिली लाइब्रेरीक स्थापना होअए, अहाँ ओकरा वेबपर कऽ रहल छी, अनेक धन्यवाद।

लेखक परिचय

आशीष अनचिन्हार



मूल नाम--आशीष कुमार मिश्र

माता--श्रीमती गम्भीरा मिश्र

पिता- स्व.कृष्ण चंद्र मिश्र

गाम-- भटरा घाट, बिस्फी, मधुबनी

जन्म--4/12/1985

बर्ख 2008 मे शुरू भेल मैथिली गजल एवं शेरो-शाइरीपर केंद्रित इंटरनेट पत्रिका (ब्लाग रूपमे) “अनचिन्हार आखर” केर संस्थापक ओ संपादक।

प्रकाशित कृति (पोथी केर उपर क्लिक करबै तँ पोथी पढ़बाक लेल खुजि जाएत)-

1) अनचिन्हार आखर (गजल, रुबाइ ओ कता संग्रह)
2) मैथिली गजलक व्याकरण ओ इतिहास (ई भर्सन प्रकाशित)
3) मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास (ई भर्सन प्रकाशित)
4) जंघाजोड़ी (गजल संग्रह, ई भर्सन प्रकाशित)
5) मैथिली गजलक Ready Reckoner (ई भर्सन प्रकाशित)
6) कुमारि इच्छा (गजल संग्रह, ई भर्सन प्रकाशित)

7) शब्द-अर्थ-शक्ति (स्वतंत्र रूपे मैथिली गजलक पहिल आलोचना पोथी, ई-भर्सन प्रकाशित)
8) संदर्भ सहित (गजल-आलोचना)

संपादित पोथी-
1) स्वतंत्रचेता (अरविन्द ठाकुर: व्यक्तित्व-कृतित्व, विदेहक अरविन्द ठाकुर विशेषांक केर संशोधित रूप)

श्री गजेन्द्र ठाकुरजीक संगे सह-संपादित पोथी
1) मैथिली गजल: आगमन ओ प्रस्थान बिंदु (संपादित रूपमे मैथिली गजल आलोचनाक पहिल पोथी), ई-भर्सन प्रकाशित
2) मैथिलीक प्रतिनिधि गजल (1905सँ 2022 धरि), ई-भर्सन प्रकाशित

सम्मान-
बर्ख 2014 लेल विदेह भाषा सम्मान (समानान्तर साहित्य अकादेमी सम्मान)सँ पोथी “अनचिन्हार आखर” (गजल संग्रह) लेल सम्मानित।
संपर्क सूत्र-(मेल) ashish.anchinhar@gmail.com
संपर्क सूत्र-(मोबाइल) 8876162759/8134849022
अनचिन्हार आखर केर लिंक-
http://anchinharakharkolkata.blogspot.com



शशि प्रकाशन

शशि प्रकाशन

गाँव-कालिकापुर, पो. लक्ष्मीनियाँ,
वाया-बलुआ बाजार,
जिला-सुपौल-854339 (बिहार)

मूल्य : ₹ 150/-

ISBN : 978-93-92691-48-5



मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार



शशि प्रकाशन

http://www.videha.co.in/ ("विदेह" प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका)

http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html

http://www.videha.com/

http://esamaad.blogspot.com/

http://prakarantar.blogspot.com/

http://vidyapati.blogspot.com/

http://www.vidyapati.org/

http://hellomithila.blogspot.com/

http://pallav.blogsome.com/

http://hellomithilaa.blogspot.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

http://www.hellomithila.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, सितम्बर २००७)

http://shampadak.wordpress.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

http://www.esamaad.com/ (मैथिली न्यूज पोर्टल, जनवरी-फरवरी २००८)

http://hellomithilaa.wordpress.com/

http://premarshi.wordpress.com/ (धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास

आशीष अनचिन्हार